शुभ लाभ

खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ DAILY

कन्या भ्रूण हत्या के मामलों को दबाने के लिए भाजपा ने कर्नाटक सरकार की निंदा की @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शनिवार, 23 मार्च, 2024 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-6 । अंक-82

चुनावी नफा-नुकसान के गणित से हट कर हो रही कार्रवाई

भ्रष्टाचार के खिलाफ अडिग मोदी सरकार

कानून की चोट पड़ते ही घोटालों के दोषी नेताओं का बना गठबंधन

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी और भ्रष्टाचार में लिप्त अन्य नेताओं के खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाइयों से पूरे देश के सामने यह स्पष्ट हो गया है कि मौजूदा केंद्र सरकार की प्राथमिकता क्या है। भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी सरकार का दृढ़ रवैया चुनावी लाभ-हानि को देख कर अख्तियार नहीं किया गया है, बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि केंद्र सरकार भ्रष्ट नेताओं पर सख्त कार्रवाई जारी रखेगी। यदि किसी ने भ्रष्टाचार किया है तो उसे इसका परिणाम भुगतना पड़ेगा, चाहे वह कितने ही बड़े पद पर क्यों न हो।

मोदी सरकार की इस प्राथमिकता ने भ्रष्टाचार के सवाल पर सारे नेताओं और पार्टियों के स्टैंड साफ कर दिए हैं। अरविंद केजरीवाल जिस कांग्रेस को भ्रष्ट बताते थे, राहुल गांधी, सोनिया गांधी, लालू प्रसाद यादव और शरद पवार को भ्रष्ट बताते थे, आज कांग्रेस उन्हीं के साथ खड़ी है। ऐसा केवल इसलिए हो रहा है क्योंकि उन्हें लगता है कि भ्रष्टाचार के मामले में अब उनका बचना संभव नहीं रह गया है। यही कारण है कि वे सब एक दूसरे के साथ खड़े होकर एक दूसरे को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने चुनावी अभियान में भ्रष्टाचार पर कार्रवाई करने का भी वादा किया था।

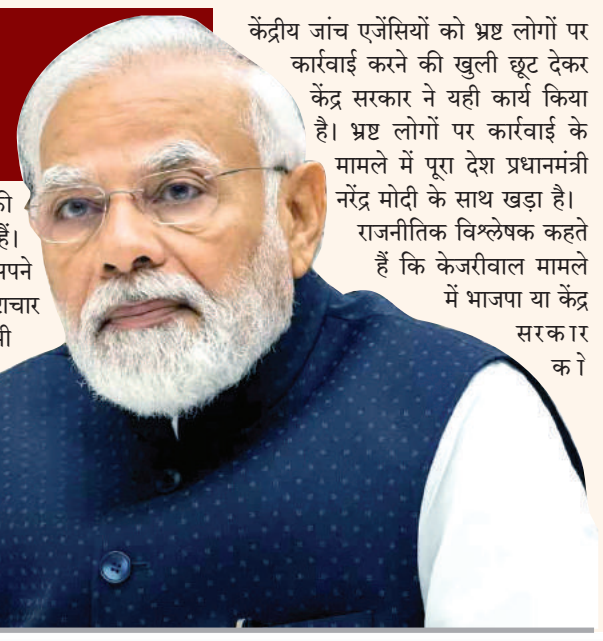

केंद्रीय जांच एजेंसियों को भ्रष्ट लोगों पर कार्रवाई करने की खुली छूट देकर केंद्र सरकार ने यही कार्य किया है। भ्रष्ट लोगों पर कार्रवाई के मामले में पूरा देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ खड़ा है।

राजनीतिक विश्लेषक कहते हैं कि केजरीवाल मामले में भाजपा या केंद्र सरकार को दोषी ठहराना कठिन है। जब हाईकोर्ट में अरविंद केजरीवाल के मामले पर सुनवाई चल रही थी, तब अदालत ने ईडी से उन साक्ष्यों को पेश करने के लिए कहा था जिसके आधार पर वह केजरीवाल से पूछताछ करना चाहती थी। ईडी ने जब सबूतों की फाइल जज के सामने रखी तब अदालत ने केजरीवाल को गिरफ्तारी से छूट देने से साफ इन्कार कर दिया। स्पष्ट है कि अदालत ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्राथमिक तौर पर पर्याप्त साक्ष्य पाया है। अरविंद केजरीवाल सरकार के द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करना, शराब व्यापारियों को अनुचित लाभ पहुंचाना, कमीशन को दो प्रतिशत से 12 प्रतिशत तक बढ़ाना और नीतियों में बदलाव करके एक ही कंपनी को एक ही एरिया में होलसेल और खुदरा बिक्री की छूट देना यह साबित करता है कि इसके पीछे गलत मंशा से काम किया गया।

सबसे बड़ी बात यह है कि इस मामले में दूसरे आरोपियों ने अपने बयानों में यह अपराध स्वीकार कर लिया है और उनके बयानों के आधार पर ही बाद में दूसरे लोगों की गिरफ्तारी की गई है। तेलंगाना की नेता के. कविता की गिरफ्तारी और उनके बयान ने भी अरविंद केजरीवाल को कटघरे में खड़ा करने का काम कर दिया है। यही कारण है कि इस मामले में आम आदमी पार्टी या विपक्षी गठबंधन के नेता भाजपा को दोषी नहीं ठहरे सकते।

पूरा देश जानता है कि ईडी ने अरविंद केजरीवाल को पेश होने के लिए नौ नोटिस जारी किया था। अगर वे पहले पेश हुए होते तो उनके गिरफ्तार होने का समय कुछ अलग हो सकता था। यही कारण है कि गिरफ्तारी के समय पर भी भाजपा या केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करना मुश्किल है।

यह उनके कर्मों का फल है: अन्ना हजारे

मुंबई, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के बाद प्रख्यात सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने कहा कि उनके कर्मों के कारण ही उनकी गिरफ्तारी हुई है। अन्ना हजारे ने कहा, मैं बहुत दुखी हूं कि अरविंद केजरीवाल जो कभी मेरे साथ काम करते थे, उन्होंने शराब के खिलाफ अपनी आवाज उठाई थी। अब वह खुद शराब नीतियां बना रहे हैं। उनकी गिरफ्तारी उनके कर्मों के कारण ही हुई है।

अन्ना हजारे ने मीडिया को बताया कि उन्होंने अरविंद केजरीवाल को इस तरह की नीति लागू नहीं करने की चेतावनी दी थी। उन्होंने कहा, मैंने बोला था कि हमारा काम शराब नीति बनाना नहीं है।

केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट से वापस ले ली अपनी अर्जी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी को गिरफ्तारी को लेकर सुप्रीम कोर्ट में डाली गई याचिका को वापस ले लिया है। बताया गया है कि कोर्ट ने पहले इस मामले में सुनवाई के लिए हामी भर दी थी। इसके लिए मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने इस मामले की सुनवाई के लिए जस्टिस संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बेंच को मामला सौंपा था। हालांकि, दिल्ली सीएम के अब इस मामले में निचली अदालत में जाने की बात सामने आ रही है।इससे पहले केजरीवाल की तरफ से सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाने के बाद ईडी ने भी सर्वोच्च न्यायालय में एक कैविएट दाखिल की थी।

राजनीति के चेहरे पर कलंक

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाले और मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बृहस्पतिवार की रात को गिरफ्तार कर लिया। इससे पहले एजेंसी केजरीवाल को नौ समन भेज चुकी थी, लेकिन वह एक भी बार एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए। इससे बचने के लिए अरविंद केजरीवाल भौंडी पेशबंदियां कर रहे थे। उन्होंने इस मामले को राजनीतिक रंग देने की कोशिश की, नहीं चढ़ा तो कोर्ट के जरिए बचने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार कोर्ट ने भी उनकी गिरफ्तारी रोकने से मना कर दिया और केजरीवाल गिरफ्तार कर लिए गए। गिरफ्तारी के बाद भी उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया, लेकिन तब तक उन्हें अपनी करतूत के सारे नुक्ते और कानून से बच निकलने के सारे असफल छेद समझ में आ गए थे, इसीलिए उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की अपनी याचिका वापस ले ली।

दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी के बाद अनैतिक सियासत हो रही है। सब जानते हैं कि केजरीवाल पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप हैं। इसके बावजूद आम आदमी पार्टी के नेता-कार्यकर्ता और विपक्षी गठबंधन की पार्टियां केजरीवाल का समर्थन कर रही हैं। भारतवर्ष की राजनीति किस नीचता के स्तर पर आ चुकी है, यह उसका जीता जागता प्रमाण है। दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार होना भारत के राजनीतिक चेहरे पर कलंक है। यह पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्हें मुख्यमंत्री रहते हुए गिरफ्तार किया गया। केजरीवाल से अच्छे तो लालू यादव, जयललिता, येदियुरप्पा, हेमंत सोरेन जैसे नेता रहे जिन्होंने अपनी गिरफ्तारी सुनिश्चित देख कर पहले इस्तीफा दिया, बाद में गिरफ्तार हुए। लिहाजा, यह कहना बिल्कुल तथ्यात्मक भूल है कि केजरीवाल कोई पहले मुख्यमंत्री थोड़े ही हैं, जो गिरफ्तार हुए। यह तर्क भ्रष्टाचार के गंभीर अपराध का सामान्यीकरण करने जैसी हरकत है।

अभी हाल ही झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन रक्षा भूमि घोटाले के आरोप में गिरफ्तार किए गए। लेकिन उनकी भी गिरफ्तारी उनके पूर्व या तत्कालीन होने के बाद हुई। उन्होंने पहले इस्तीफा दिया। बाद में गिरफ्तार हुए। हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी 31 जनवरी 2024 को हुई। लेकिन उसी दिन अपनी गिरफ्तारी के पहले सोरेन ने झारखंड के राज्यपाल के समक्ष जाकर उन्हें अपना इस्तीफा सौंप दिया था।

अब तक सोलह...

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति मामले में अब तक 16 लोग गिरफ्तार हो चुके हैं। गिरफ्तार लोगों में विजय नायर, अभिषेक बोइनपल्ली, समीर महेंद्रू, पी सरथ चंद्रा, बिनोय बाबू, अमित अरोड़ा, गौतम मल्होत्रा, राघव मंगुटा, राजेश जोशी, अमन ढल, अरुण पिल्लई, मनीष सिसोदिया, दिनेश अरोड़ा, संजय सिंह, के. कविता और अरविंद केजरीवाल शामिल हैं।

केजरीवाल को सीएम पद से हटाने की याचिका दाखिल

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के मुखिया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले उन्हें ईडी ने गुरुवार रात कथित शराब घोटाले में गिरफ्तार किया और अब उच्च न्यायालय में एक याचिक दाखिल कर उन्हें मुख्यमंत्री पद से हटाने की मांग की गई है। हालांकि अभी यह साफ नहीं कि कोर्ट इस याचिका पर सुनवाई करेगी या नहीं।

आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की नीति और नीयत का पर्दाफाश

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की सियासत में बड़ा उफान बृहस्पतिवार को देखने को मिला। शाम ढलते ही मुख्यमंत्री निवास पर प्रवर्तन निदेशालय की टीम पहुंच गई और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से शराब नीति मामले में पूछताछ शुरू कर दी। रात होते ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। शराब नीति घोटाले ने आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेताओं की नीति और नीयत का पूरे देश के सामने पर्दाफाश करके रख दिया।

2-जी भ्रष्टाचारी ए राजा कैसे बरी हुए ! फाइल फिर खुलेगी

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 2-जी स्पेक्ट्रम आवंटन घोटाला मामले में पूर्व दूरसंचार मंत्री ए राजा, कंपनियों और अन्य को बरी करने के फैसले को चुनौती देने वाली सीबीआई की अपील शुक्रवार को स्वीकार कर ली।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने कहा कि रिकॉर्ड में लाई गई सामग्री और पक्षकारों के वकीलों की दलीलों के आधार पर सीबीआई की ओर से दृष्टया मामला बनता है। इसके लिए गहन जांच की आवश्यकता है और अपील पर विस्तार से सुनवाई की आवश्यकता है। पीठ ने इसके साथ ही अपील की अनुमति दी और इस मामले को मई में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया।

बीआरएस नेता के. कविता को नहीं मिली जमानत

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की एमएलसी बेटी के. कविता को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली नहीं है। अदालत ने शुक्रवार को कविता को जमानत देने से इनकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट ने कविता की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर एक नोटिस भी जारी किया है। अदालत का कहना है कि कविता निचली अदालत में जा सकती हैं या जमानत के लिए कोई और उपाय अपना सकती हैं। अगर जमानत याचिका दायर की जाती है तो उस पर तेजी से फैसला किया जा सकता है।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने प्रोटोकॉल की अनदेखी नहीं करने का आदेश दिया। कहा कि सभी के लिए एक समान नीति का पालन करना होगा और जमानत के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट आने की अनुमति नहीं दी जा सकती है। पीठ ने कहा कि जहां तक धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) के प्रावधानों को चुनौती देने वाली कविता की याचिका का सवाल है, अदालत ईडी को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब मांग रही है।

बंगाल सरकार के मंत्री के ठिकानों पर ईडी का छापा

कोलकाता, 22 मार्च (एजेंसियां)। ईडी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल सरकार के मंत्री और टीएमसी नेता चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों पर छापेमारी की। ईडी की टीम ने बंगाल के बीरभूम जिले के बोलपुर में यह कार्रवाई की। ईडी के अधिकारी अर्द्धसैनिक बल के जवानों के साथ छापेमारी करने पहुंचे। जवानों ने चंद्रनाथ सिन्हा के ठिकानों की घेराबंदी की और ईडी के अधिकारी अंदर जांच कर रहे हैं। ईडी की छापेमारी बंगाल के करोड़ों रुपए के स्कूल भर्ती घोटाला मामले में हुई है।

महुआ के खिलाफ सीबीआई ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। संसद में पैसे लेकर सवाल पूछने के मामले में सीबीआई ने टीएमसी नेता और पूर्व सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। सीबीआई ने ये कार्रवाई भ्रष्टाचार रोधी संस्था लोकपाल के निर्देशों पर की। मोइत्रा के खिलाफ भाजपा के लोकसभा सांसद निशिकांत दुबे की ओर से लगाए गए आरोपों पर प्रारंभिक जांच के बाद लोकपाल ने सीबीआई को इसके निर्देश जारी किए हैं। लोकपाल ने सीबीआई को मामले में शिकायतों के सभी पहलुओं की जांच करने के बाद छह महीने में अपने निष्कर्ष देने का निर्देश दिया है।

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 68,580/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 76,686/- (प्रति किलोग्राम)

शेयर मार्केट

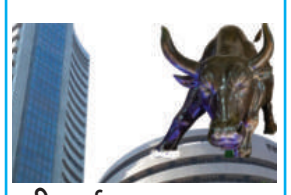

बीएसई : 72,831.94

+190.75 +0.26% ↑

एनएसई :22,096.75

84.80 (0.39%) ↑

मौसम विजयवाड़ा

अधिकतम : 37^0

न्यूनतम : 24^0

कार्टून कॉर्नर

ईडी की रडार पर 17 सीएम और डिप्टी सीएम

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। विभिन्न घोटालों की चल रही ईडी की जांच के दायरे में अरविंद केजरीवाल समेत देशभर के 17 मुख्यमंत्री या पूर्व मुख्यमंत्री हैं। दर्जनभर पूर्व मंत्री व उप मुख्यमंत्रियों के खिलाफ भी ईडी अलग-अलग मामलों की जांच कर रहा है।

पीएमएलए और दूसरे कानूनों के तहत अलग-अलग राज्यों के 17 मौजूदा एवं पूर्व मुख्यमंत्री ईडी के रडार पर हैं। कुछ मुख्यमंत्रियों से पूछताछ हो चुकी है तो कई सियासतदानों का नंबर लगना बाकी है। कुछ मुख्यमंत्रियों को समन जारी होने वाला है। ईडी की जांच केवल मुख्यमंत्रियों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दायरे में पूर्व केंद्रीय

दर्जन से अधिक पूर्व मंत्रियों के भी नाम फेहरिस्त में

गृह, वित्त एवं रेलवे जैसे बड़े मंत्रालयों का कार्यभार संभाल चुके नेता भी रहे हैं। जांच एजेंसी की इस फेहरिस्त में चार मौजूदा एवं पूर्व डिप्टी सीएम भी शामिल हैं। इनके अलावा देश के अन्य सियासतदान व उनके परिजन भी जांच एजेंसी के दायरे में आ चुके हैं।

ईडी की रडार पर आने वाले विपक्षी नेताओं में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, लालू प्रसाद यादव और राकांपा संस्थापक शरद पवार जैसे कई दिग्गज नेता रहे हैं। गत वर्ष केंद्रीय जांच एजेंसियों के दुरुपयोग का आरोप लगाने वाली कई विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक चिट्ठी लिखी थी। इनमें टीएमसी, आपा, आरजेडी, नेशनल कॉन्फ्रेंस, बीआरएस, सपा और उद्धव बालासाहेब ठाकरे (यूबीटी) आदि दल शामिल थे। इन सभी दलों के नेता जांच एजेंसियों की रडार पर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा था, हमारे देश के प्रधानमंत्री ने ठान लिया है कि अगर भाजपा को वोट नहीं दोगे और किसी दूसरी पार्टी को वोट दोगे तो उस सरकार को किसी भी हाल में काम नहीं करने दिया जाएगा। किसी राज्य में दूसरी पार्टी की सरकार बनती है तो उसके नेताओं के पीछे ईडी और सीबीआई छोड़ दी जाती है। केजरीवाल ने आरोप लगाया था कि उन पर भाजपा में शामिल होने का दबाव बनाया जा रहा है। आपा विधायकों को लालच देने की कोशिश हो रही है।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा निर्देशित कैंसर जागरूकता अभियान के अंतर्गत तेरापंथ महिला मंडल राज-ाजीनगर के तत्वावधान में गुरुवार को शोभा अपार्टमेंट में कैंसर जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया।

नमस्कार महामंत्र से अभियान की शुरुआत की गई। उसके पश्चात अध्यक्ष उषा चौधरी ने सभी बहनों का स्वागत किया और कैंसर जागरूकता अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कैंसर जैसी जटिल बीमारी से लड़कर अपनी जीत की कहानी बयां करने के लिए ज्योति विजय कुमार एवं सपना गुलगुलिया ने अपने अनुभव साझा किए। ज्योति ने बताया कि कैसे कैसे

उनका कैंसर का पता चला जिससे वह घबरा गई थी, लेकिन हिम्मत नहीं हारते हुए वह इस जटिल बीमारी को हराकर हीरो के रूप में विजय बनी। उनको कैंसर से निवारण होकर 11 साल हो चुके हैं और वह अभी एक स्वस्थ जीवन जी रही है। सपना गुलगुलिया ने बताया कि जैसे ही उनको मालूम पड़ा वह बहुत टेंशन में आ गई थी और डिप्रेशन में चली गई थी। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अपनी दृढ़ शक्ति से आज सामान्य जीवन जी रही है और इस लड़ाई में उनके पूरे परिवार ने पूरा सहयोग दिया। संगोष्ठी में पूर्व अध्यक्ष चेतना वेदमुथा, मंत्री लता नवलखा, सह मंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल, प्रचार प्रसार मंत्री सपना गन्ना, संगठन मंत्री रंजीता बोथरा एवं कार्यकारिणी बहनें उपस्थित थी। स्नेहा चोराडिया एवं सूरज बाफना का विषेश सहयोग रहा। कार्यक्रम में करीब 25 बहने उपस्थित थी।

स्टेट बैंक में कवि सम्मेलन का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतर्राष्ट्रीय कविता दिवस के शुभ अवसर पर गुरुवार को भारतीय स्टेट बैंक, स्थानीय प्रधान कार्यालय, बेंगलूरु के सभागृह में एक भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बेंगलूरु के प्रतिष्ठित हास्य कवि, स्टैंड अप कॉमेडियन, शायर एवं मंच संचालक डॉ सुनील तरुण, डॉ प्रेम तन्मय,डॉ निधि सिंह तथा लोकेश मिश्र ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी का स्वागत सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा) कोंगे दत्तात्रेय राव ने किया। अपने संबोधन में उप महाप्रबंधक (सतर्कता) रमेश एस ने कहा कि कवि

समाज और अपने आसपास घटित होने वाली घटनाओं को अपनी कविता का विषय बनाते हैं। वे कल्पना और चमत्कार का पुट उसमें डालकर अपनी रचना को आकर्षक बनाते हैं। समाज की हर बुराई पर व्यंग करते हैं। कवि सम्मेलन का संचालन डॉ सुनील तरुण ने किया। इन चारों कवियों ने श्रृंगार, हास्य समेत अन्य कविताओं से श्रोताओं का मन जीत लिया।

डॉ सुनील तरुण द्वारा स्कूल की लड़की और पिता पर सुनाई गई कविताओं का श्रोताओं ने भरपूर आनंद लिया। धन्यवाद ज्ञापन राजभाषा विभाग के शिव कुमार सिंह ने किया। कार्यक्रम में उनका सहयोग स्टेनो एच आर के प्रसाद ने दिया।

होलिकोत्सव रविवार को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

सिद्धार्थ सांस्कृतिक समिति, बिहार भवन, आर टी नगर के प्रांगण में रविवार को सायं साढ़े चार बजे से होली महोत्सव आयोजित किया जाएगा। संस्था अध्यक्ष के के सिंह (कुमार बाबू) ने प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि इस अवसर पर पारंपरिक होली गायन एवं जोगिरा गायन हेतु अजय सिंह एवं श्रेया सिंह को आमंत्रित किया गया है, जो गायन प्रतिभा से अपनी माटी की महक का छाप छोड़ेंगे।

सचिव सुबोध कुमार सिंह एवं होलिकोत्सव अध्यक्ष धर्मेश केनेडी ने कहा कि इस अवसर पर पारंपरिक ठंडाई एवं भोजन का इंतजाम किया गया है, शाम का समय है इसलिए सिर्फ सुखा अबिर-गुलाल से ही सभी सदस्य लोग होली का आनन्द लेंगे।

होलिका दहन के साथ होलिकोत्सव होगा आरंभ

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के बोमसंद्रा स्थित हुलिमंगला रोड पर डी. एस. मेक्श स्काई क्लासिक अपार्टमेंट सोसायटी में शनिवार रात 11.20 बजे विधि-विधान से होलिका दहन कार्यक्रम होगा तथा सोमवार को पूर्वाह्न 11.30 बजे से होलिकोत्सव में रंग, अबीर-गुलाल एवं पारंपरिक होली गायन, गीत-संगीत एवं जोगीरा का आनन्द लिया जायेगा। इस कार्यक्रम की तैयारी सोसायटी के सदस्यों ने बहुत ही बेहतरीन अंदाज में की है।

जेडीएस नेता गौड़ा समेत कई अन्य कांग्रेस में हुए शामिल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सीट से इस्तीफा देने वाले मैरिथिब्बे गौड़ा समेत जेडीएस के दो पूर्व विधायक शुक्रवार को कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। नागमंगला के अप्पाजी गौड़ा, पूर्व विधायक एम. श्रीनिवास, भाजपा के बीबीएमपी के पूर्व सदस्य आशा सुरेश, जो स्थानीय निकायों से विधान परिषद के सदस्य थे, मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, केपीसीसी अध्यक्ष, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और एआईसीसी महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला की उपस्थिति में कांग्रेस में शामिल हुए।

इस अवसर पर मांड्या जिले के प्रभारी और कृषि मंत्री चेलुवर्यास्वामी, वरिष्ठ नेता बीके हरिप्रसाद और जिले के सभी विधायक उपस्थित थे। बातचीत के दौरान शिवकुमार ने कहा कि मैरिथिब्बे गौड़ा जेडीएस के स्तंभ थे। उनके पार्टी में शामिल होने से हमारी ताकत बढ़ गई है क्योंकि वह, जो पार्टी के स्तंभ थे, कांग्रेस में शामिल हो गए।

श्री सोजतरोड जैन संघ कर्नाटक का स्नेह-मिलन 31 को

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक में बसे सोजतरोड़ के प्रवासियों को एक सूत्र में पिरोने एवं उनमे आपसी परिचय को बढ़ाने के साथ प्रवासियों की प्रतिभाओं को उचित मंच प्रदान करने के उद्देश्य से गठित श्री सोजतरोड जैन संघ कर्नाटक का स्नेह मिलन आगामी 31 मार्च को आयोजित होगा। संघ के अध्यक्ष संतोषकुमार सियाल के अनुसार भगवान महावीर रोड़ स्थित गणेशबाग में आयोजित होने वाले इस स्नेह मिलन में कर्नाटक में बसे

सोजतरोड के सभी प्रवासियों को सपरिवार आमंत्रित किया जा रहा है। कार्याध्यक्ष उत्तमचंद कोठारी ने स्नेह मिलन की तैयारियों हेतु आयोजित सभा में कहा कि इस आयोजन के माध्यम से सदस्य परिवारों में आपसी परिचय व जुड़ाव के संघ के उद्देश्य की पूर्ति भी होगी।

संघ के मंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया कि स्नेह मिलन आयोजन के दौरान संघ द्वारा सदस्यों के हित में आयोजित होने वाली भविष्य की योजनाओं का निर्धारण होगा। उनके अनुसार स्नेह मिलन में सभी वर्ग की महिलाओं एवं बच्चों के लिये विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता व मनोरंजक खेल का आयोजन भी होगा। स्नेह मिलन में सोजतरोड प्रवासियों के साथ-साथ चेन्नई व सोजतरोड कस्बे के संघ पदाधिकारियों को भी आमंत्रित किया गया है। उन्होंने अभी तक संघ से जुड़ने से वंचित सोजतर-ोड मूल के प्रवासियों से जुड़ने का अनुरोध किया। आयोजन की तैयारी बैठक में संघ मार्गदर्शक उगमराज फूलफगर, सुरेशचंद गुन्देचा, कोषाध्यक्ष रमेशकुमार गांधी, कोर समिति सदस्य दे-वराज कोठारी, उगमराज गांधी, व्यवस्थापक माणक-मदन इत्यादि भी मौजूद थे।

केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ

आपा की कर्नाटक इकाई ने काला दिवस मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आम आदमी पार्टी की कर्नाटक इकाई ने दिल्ली के मुख्यमंत्री और पार्टी नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी की निंदा करते हुए शुक्रवार को शहर में विरोध प्रदर्शन किया। केजरीवाल को गुरुवार रात प्रवर्तन निदेशालय ने उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार कर लिया। दिल्ली उच्च न्यायालय द्वारा आपा के राष्ट्रीय संयोजक को केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा किसी भी दंडात्मक कार्रवाई से सुरक्षा देने से इनकार करने के कुछ घंटों बाद किसी सेवारत मुख्यमंत्री की पहली गिरफ्तारी हुई। आपा की राज्य इकाई के अध्यक्ष एच एन चंद्रशेखर, जिन्हें

मुख्यमंत्री चंद्रू के नाम से जाना जाता है, के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने फ्रीडम पार्क में काला दिवस मनाया। इस अवसर पर बोलते हुए, चन्द्रशेखर ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केजरीवाल को गिरफ्तार करवाया क्योंकि वह देश भर में उनकी बढ़ती लोकप्रियता को पचा नहीं पा रहे थे। उन लोगों से और क्या उम्मीद की जा सकती है जो कहते हैं कि वे संविधान ही बदल देंगे। केंद्र सरकार ने आयकर विभाग और प्रवर्तन निदेशालय जैसे संगठनों का उपयोग करके उन लोगों को दंडित करने की योजना बनाई है जो भाजपा के खिलाफ हैं।

केजरीवाल की गिरफ्तारी में केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं: जोशी

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने अहंकार में आकर ईडी के समन का जवाब नहीं दिया। इसके लिए उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया है। इसमें कोई राजनीति नहीं है। यहां पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें गिरफ्तार किया गया क्योंकि वह ईडी के समक्ष सुनवाई में शामिल नहीं हुए। कांग्रेस पार्टी ने टैक्स नहीं चुकाया है। इसलिए उनके बैंक खाते सीज कर दिए गए हैं। आयकर संबंधी मामलों में केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है। हमें कांग्रेस पार्टी को शक्तिहीन बनाने की जरूरत नहीं है। जनता

ने ही उन्हें शक्तिहीन बना दिया है। डीएमके नेताओं ने कहा है कि वे मेकेदातु परियोजना बंद कर देंगे। सीएम सिद्धरामैया, डीसीएम डीके शिवकुमार ने क्या इसकी निंदा की? कांग्रेस ने कोविड के दौरान पानी हमारा अधिकार कहकर मार्च निकाला था। अब आप क्या कहते हैं? उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को इसका जवाब देना चाहिए। जोशी ने कहा कि भाजपा डीएमके के रुख की निंदा करती है। उन्होंने कहा कि हुब्बल्ली-धारवाड़ में चाहे कोई भी उम्मीदवार उतारे, भाजपा की जीत तय है।

लोकसभा चुनाव बंदोबस्त के लिए पहुंची 15 कंपनी सेंट्रल फोर्स

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

लोकसभा चुनाव की सुरक्षा के लिए राज्य में अब तक केंद्रीय बलों की 15 कंपनियां आ चुकी हैं। सीआईएसएफ की 10 कंपनियां और सीआरपीएफ की 5 कंपनियां आ चुकी हैं और मतदान नजदीक आने पर अधिक केंद्रीय बलों के राज्य में प्रवेश करने की उम्मीद है। इन केंद्रीय बलों को मेंगलूरु, मैसूरु, हुब्बल्ली, शिवमोग्गा समेत सभी जिलों में स्थानीय पुलिस के साथ तैनात

किया गया है। मतदान की शांति और व्यवस्था सुनिश्चित करने और चुनाव प्रचार के दौरान कोई अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सुरक्षा के लिए इन केंद्रीय बलों को बुलाया गया है। राज्य में पहुंचे केंद्रीय बल पहले ही जिला और तालुका केंद्रों में स्थानीय पुलिस के साथ गश्त कर चुके हैं।

कुमारस्वामी को कल अस्पताल से मिलेगी छुट्टी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दिल की सर्जरी कराने वाले पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी को रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने की संभावना है। कुमारस्वामी के कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि गुरुवार को चेन्नई के एक निजी अस्पताल में उनकी सफल हृदय सर्जरी हुई और वह स्वस्थ हैं। प्रसिद्ध हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ.साईं सतीश और जयदेव हार्ट हॉस्पिटल के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ.सी.एन.मंजूनाथ समेत अन्य विशेषज्ञों के मार्गदर्शन में गुरुवार सुबह सर्जरी की गई। फिलहाल गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कुमारस्वामी की तबीयत ठीक हो गई है।

विशेषज्ञ डॉक्टरों की एक टीम उनके स्वास्थ्य पर नजर रख रही है। सूत्रों ने बताया कि कुमारस्वामी को शनिवार सुबह तक वार्ड में शिफ्ट किया जाएगा। डॉ. सी. एन. मंजूनाथ ने कहा कि कुमारस्वामी की पहले भी दो बार दिल की सर्जरी हो चुकी है। गुरुवार को एक और सर्जरी हृदय वाल्व प्रतिस्थापन थी। ओपन हार्ट सर्जरी के बिना एंजियोग्राम पैटर्न के अनुसार एक हृदय वाल्व की सफलतापूर्वक मरम्मत की गई। उन्होंने कहा कि उनकी तबीयत ठीक है और रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद वह घर लौट आएंगे। उनके बेटे और जेडीएस युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष निखिल कुमारस्वामी ने पोस्ट कर बताया था कि उनके पिता की सफल हृदय सर्जरी हुई है और वह स्वस्थ हैं।

पार्टी के सभी सर्वे में बेलगावी में मिली अच्छी प्रतिक्रिया: सीएम

बेलगावी जिले के मंत्रियों, विधायकों के साथ की बैठक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कहा कि उत्तर कन्नड़ जिले और बेल-गावी जिलों सहित सभी तीन लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की जा सकती है, क्योंकि हमने जितने भी सर्वे किए हैं, बेलगावी में अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। यहां कावेरी में आयोजित बेल-गावी जिले के मंत्रियों, विधायकों, जिला और तालुक स्तर के नेत-ाओं की एक बैठक में, मुख्यमंत्री

ने विश्वास व्यक्त किया कि दो लोकसभा क्षेत्रों बेलगावी और उत्तर कन्नड़ लोकसभा क्षेत्रों में जीत हासिल की जा सकती है, जिसमें दो विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। पांच गारंटी योजनाओं ने बेल-गावी जिले के लाखों परिवारों और महिलाओं की पीड़ा को कम किया है। सर्वेक्षण से सकारात्मक रिपोर्ट सामने आई है कि 80 फीसदी लोग हमारे पक्ष में हैं। मुख्यमंत्री ने आह्वान किया कि हम लोगों के दरवाजे पर जाएं और उन्हें समझाएं कि प्रत्येक परिवार को हर महीने 5-6 हजार रुपये दिए जा रहे हैं और हर साल प्रत्येक परिवार के खाते में 50-60 हजार जमा किए जा रहे हैं। इस प्रकार लोगों के बीच मजबूती से खड़े रहें और जीत हासिल करें। मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने मुख्यमंत्री के आशा भरे शब्दों का जवाब देते हुए कहा हम सभी बेलगावी में एक साथ मैदान में उतरेंगे। दोनों क्षेत्रों में जीत हासिल करने के बाद हम यह जीत आपको समर्पित करेंगे। लोग इस बार उत्तर कन्नड़ लोकसभा क्षेत्र में बदलाव चाहते हैं और यह राय कि पिछले सांसदों ने क्षेत्र के लिए कुछ नहीं किया है, उत्तर कन्नड़ जिले के लोगों के गुस्से का कारण है। इसलिए बैठक में कई लोगों ने अपनी राय रखी कि यहां भी जीत की संभावना है। बैठक में मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर, सतीश जारकीहोली सहित पूर्व मंत्री लक्ष्मण सावदी और जिले के सभी विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व विधायक, विधान परिषद सदस्य और 40 से अधिक जिला नेत-ाओं ने अपने विचार व्यक्त किये।

अपने निर्वाचन क्षेत्र में विकास पर श्वेत पत्र जारी करने को हूं तैयार: सांसद बीवाई राघवेंद्र

हमारा निर्वाचन क्षेत्र कर्नाटक में नंबर एक पर

शिवमोग्गा/शुभ लाभ ब्यूरो।

शिवमोग्गा के सांसद बी वाई राघवेंद्र ने कहा कि सांसद के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने बिंदूर और शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्रों में कई विकास कार्य किए हैं। विकास के मामले में हमारा निर्वाचन क्षेत्र कर्नाटक में नंबर एक पर है। मैं इस मामले पर एक श्वेत पत्र जारी करने के लिए तैयार हूं। राघवेंद्र ने कांग्रेस पार्टी को आजादी के बाद से 70 वर्षों में बिंदूर में किए गए विकास को दिखाने की चुनौती दी। उन्होंने कहा पेयजल पहल, एटा सिंचाई परियोजना, बिंदूर और शिवमोग्गा को जोड़ने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग का विकास, सुरंग निर्माण और किसानों के लिए विभिन्न योजनाओं सहित कई परियोजनाएं मेरे कार्यकाल के दौरान शुरू की गई हैं। मैं एक प्रस्ताव पेश करने के लिए तैयार हूं। मेरी उपलब्धियों की सूची सैकड़ों पृष्ठों में जनता के लिए उपलब्ध है।

अनुभवी भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा के बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए, राघवेंद्र ने कहा ईश्वरप्पा एक वरिष्ठ भाजपा नेता हैं। जैसा कि उन्होंने पहले ही कहा है, हम पीएम के रूप में तीसरे कार्यकाल के लिए मोदी का भी समर्थन करते हैं। हम इस दिशा में अपने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ सक्रिय रूप से काम कर रहे हैं। शिवमोग्गा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा उम्मीदवार की जीत से मोदी की स्थिति और मजबूत होगी। पार्टी नेता ईश्वरप्पा के साथ बातचीत करेंगे और उन्हें अपने रुख पर पुनर्विचार करने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। इस प्रकार, शिवमोग्गा लोकसभा क्षेत्र में मेरी जीत में कोई समस्या नहीं होनी चाहिए। मैं भाजपा कार्यकर्ताओं के विश्वास को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हूं। आगामी लोकसभा चुनाव राष्ट्रवाद और राष्ट्र-विरोधी के बीच एक प्रतियोगिता है। मतदाता समझदार हैं और राष्ट्रवाद और राष्ट्र की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता के लिए भाजपा का समर्थन करेंगे। कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं ने मेरे खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया है। मुझे इसकी जानकारी है। हालांकि, ऐसा व्यवहार राष्ट्रीय नेताओं के लिए अशोभनीय है। मैं तरह-तरह से जवाब देने में सक्षम हूं, लेकिन मैं सभ्यता बनाए रखना चाहता हूं। कांग्रेस नेताओं को इसकी जरूरत है। इस मौके पर बिंदूर मंडल के अध्यक्ष दीपक कुमार शेट्टी और अन्य भाजपा नेता उपस्थित थे।

विधान परिषद सदस्य गौड़ा ने दिया इस्तीफा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

जेडीएस सदस्य मैरिथिब्बे गौड़ा ने शुक्रवार को विधान परिषद की सदस्यता से अपना इस्तीफा दे दिया। गौड़ा दोपहर में विधान परिषद अध्यक्ष बसवराज होराट्टी के हुब्बल्ली स्थित गृह कार्यालय गए और उन्हें इस्तीफा सौंपा। उन्होंने स्वेच्छा से इस्तीफा दिया है। उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया।

बाद में पत्रकारों से वार्ता में गौड़ा ने कहा कि उन्होंने बिना किसी दबाव के स्वेच्छा से अपना इस्तीफा दे दिया है और जेडीएस की प्राथमिक सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया है। मैंने अपना इस्तीफा विधान परिषद में अपने उत्तराधिकारी को सौंप दिया है। मैं दक्षिण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से जेडीएस के प्रतिनिधि के रूप में दो बार चुना गया था। वरिष्ठ देवेगौड़ा और कुमारस्वामी ने हमें नजरअंदाज किया है। निष्ठावान कार्यकर्ताओं को विश्वास में नहीं लिया गया। हमारे सुझाव जेडीएस को रास नहीं आ रहे हैं। उन्होंने इस बात पर नाराजगी जताई कि विधानसभा चुनाव में कार्यकर्ताओं को टिकट नहीं दिया गया, बल्कि जिन्हें वे चाहते थे उन्हें टिकट दे दिया गया। मैंने कहा था कि निखिल कुमारस्वामी को मांड्या निर्वाचन क्षेत्र में नामांकित नहीं किया जाना चाहिए। हमारी पार्टी के नेता मगरमच्छों पर सवार हैं। मैंने किसी पार्टी में शामिल होने का फैसला नहीं किया है। उन्होंने कहा कि वह शुभचिंतकों से चर्चा कर अगला फैसला लेंगे।

केएच मुनियप्पा की मांग : मेरे परिवार को भी मिले टिकट

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री केएच मुनियप्पा ने कहा कि राज्य के अधिकांश निर्वाचन क्षेत्रों में मंत्रियों के बच्चों को टिकट दिए गए हैं।

मैंने कांग्रेस नेताओं से मेरे परिवार को भी ऐसा ही अवसर देने का अनुरोध किया है। शुक्रवार सुबह उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ उनके दामाद से मुलाकात के बाद उन्होंने पत्रकारों से बात की। उन्होंने कहा मैं 30-40 साल से पार्टी से जुड़ा हूं। पिछली बार गलती से हार गया। फिर से जीता और कोलार निर्वाचन क्षेत्र बरकरार रखा। इसी वजह से मैंने उनसे मेरे परिवार को एक मौका देने के लिए कहा है।

उन्होंने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। यह किसी व्यक्ति या क्षेत्र का सवाल नहीं है। मेरा समुदाय पूरे राज्य में है। यदि अवसर चूक गया तो समाज को जवाब देना होगा। मैं पार्टी अनुशासन का सिपाही हूं। उन्होंने स्पष्ट किया कि मैंने किसी को टिकट देने या मंत्री बनाने के मामले में कोई हस्तक्षेप नहीं किया।

कोर्ट ने सरकार को कक्षा 5, 8 और 9 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की दी अनुमति

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने शुक्रवार को राज्य सरकार को शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए कक्षा 5, 8, 9 और 11 के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की अनुमति दी। पीठ ने सरकार को रुकी हुई परीक्षाओं (कक्षा 5, 8, 9 के लिए) को जारी रखने और कक्षा 11 के लिए आयोजित परीक्षाओं के मूल्यांकन की प्रक्रिया को भी जारी रखने और पूरा करने का निर्देश दिया, जो 6 मार्च को एकल न्यायाधीश के फैसले से पहले ही पूरी हो चुकी थी। शीर्ष अदालत के फैसले के बाद कक्षा 5, 8 और 9 की परीक्षाएं बीच में ही रोक दी गईं। पीठ ने सरकार से

कहा कि अगले शैक्षणिक वर्ष के लिए बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की अधिसूचना जारी करने से पहले हितधारकों के साथ परामर्श करें। न्यायमूर्ति के सोमशेखर और न्यायमूर्ति राजेश राय के की पीठ ने एकल न्यायाधीश के 6 मार्च के फैसले को चुनौती देने वाली राज्य सरकार की अपील को स्वीकार करते हुए आदेश पारित किया, जिसने इन कक्षाओं के लिए कर्नाटक राज्य परीक्षा और मूल्यांकन बोर्ड के माध्यम से बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के राज्य सरकार के अक्टूबर 2023 के फैसले को रद्द कर दिया था। एकल न्यायाधीश ने माना था कि बोर्ड परीक्षा आयोजित करने की योजना कर्नाटक शिक्षा अधिनियम, 1983 की धारा 22 और 145 के तहत नियम तैयार किए बिना ली गई थी, जिसमें कहा गया है कि सरकार को ऐसे नियमों को अंतिम रूप देने से पहले हितधारकों से राय मांगने के अलावा परीक्षा प्रणाली के कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने होंगे। हालाँकि, अब पीठ ने माना है कि बोर्ड परीक्षा आयोजित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी की गई अधिसूचना को बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य शिक्षा का अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केवल दिशानिर्देश के रूप में माना जाना चाहिए। हालांकि पीठ ने शुरुआत में 7 मार्च को एकल न्यायाधीश के फैसले पर रोक लगाते हुए एक अंतरिम आदेश पारित किया था, जिसमें सरकार को बोर्ड परीक्षाओं को आगे बढ़ाने की अनुमति दी गई थी, लेकिन 12 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने पीठ को योग्यता के आधार पर अपील की सुनवाई करने का निर्देश देते हुए डिवीजन बेंच के अंतरिम आदेश को रद्द कर दिया था। 18 मार्च को खंडपीठ ने राज्य सरकार और याचिकाकर्ता-स्कूल एसोसिएशन दोनों को सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

कन्या भ्रूण हत्या के मामलों को दबाने के लिए भाजपा ने कर्नाटक सरकार की निंदा की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक भाजपा ने शुक्रवार को राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि वह कन्या भ्रूण हत्या मामले को दबाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष के नेता (एलओपी) आर. अशोक ने कहा कि यह शर्मनाक है कि स्वास्थ्य विभाग लिंग-निर्धारण परीक्षणों और कन्या भ्रूण हत्या माफिया नेटवर्क के साथ मिला हुआ है।

अशोक ने आरोप लगाया कि स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव उन अधिकारियों के पीछे हैं जो जांच अधिकारियों पर रिपोर्ट जमा न करने का दबाव बना रहे हैं। ये अधिकारी जिला स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग से जुड़े हैं और रिपोर्ट जमा करने में देरी करने की कोशिश कर रहे हैं। अशोक ने कहा इन घटनाक्रमों के बाद, यह

विशेष जांच दल (एसआईटी) से जांच की मांग की है और शीतकालीन सत्र के दौरान त्वरित न्याय देने के लिए एक विशेष अदालत के गठन की भी मांग की है।

उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया शक्ति और गृह लक्ष्मी जैसे गारंटी कार्यक्रमों से महिला सशक्तीकरण हासिल करना चाहते हैं जो संभव नहीं। आपको उस नेटवर्क का पर्दाफाश करके अपनी प्रतिबद्धता दिखानी होगी जो बच्चियों के इस दुनिया में आने से पहले ही उनकी जान ले रहा है। बेंगलूरु ग्रामीण जिला परिवार कल्याण अधिकारी डॉ. एस.आर. मंजूनाथ ने बुधवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई थी कि उन पर रिपोर्ट जमा न करने का दबाव डाला जा रहा है। अधिकारियों ने हाल ही में बेंगलूरु के करीब स्थित होसकोटे और नेलमंगला कस्बों में कन्या भ्रूण हत्या के एक मामले का भंडाफोड़ किया। अधिकारी ने दावा किया कि जिला स्वास्थ्य अधिकारी ने उन्हें निजी अस्पतालों के खिलाफ रिपोर्ट न देने की चेतावनी दी थी। शिकायत में अधिकारी ने दावा किया कि उनकी जान को खतरा है और अगर उनकी जान को कुछ हुआ तो जिला स्वास्थ्य अधिकारी को जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए।

कोटा पुजारी ने भाषा संबंधी चिंताओं को दूर करने, प्रभावी नेतृत्व प्रदान करने का लिया संकल्प

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

उडुपी-चिक्कमगलूरु लोकसभा क्षेत्र के लिए भाजपा उम्मीदवार कोटा श्रीनिवास पुजारी ने शुक्रवार को कहा कि भाषा जीवन का एक अभिन्न पहलू है। मेरे परिवार के बुजुर्गों ने हमेशा भाषा में मेरी दक्षता के बारे में खुशी व्यक्त की है। मैं संसद में भाषण देकर उडुपी-चिक्कमगलूरु की जनता की समस्याओं को संबोधित करने के लिए प्रतिबद्ध हूं।

भाषा के संबंध में कांग्रेस के लोकसभा उम्मीदवार जयप्रकाश हेगड़े की टिप्पणियों के जवाब में, पुजारी ने कहा एक सांसद के रूप में पद संभालने के छह महीने के भीतर, मैं संसद में भाषण दूंगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को विश्व स्तर पर सम्मान मिलता है, और यह एक बहुत गर्व की बात है। मैं

निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं से आग्रह करता हूं कि वे पीएम मोदी के हाथों को मजबूत करने में मेरा समर्थन करें, जिन्होंने पिछले दशक में असाधारण नेतृत्व का प्रदर्शन किया है।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में, केवल एक विजेता उम्मीदवार की उपस्थिति संसदीय सत्र को सुविधाजनक नहीं बना सकती है। नेतृत्व पर चर्चा करते समय, हम मोदी के नेतृत्व की वकालत करेंगे। मैंने एमएलसी के रूप में अपने चार कार्यकाल और मंत्री के रूप में एक कार्यकाल में कई क्रांतिकारी बदलावों का नेतृत्व किया है। अपने व्यापक अनुभव से, मुझे सांसद की भूमिका संभालने पर अभूतपूर्व प्रगति हासिल करने का विश्वास है। उन्होंने कहा मैं व्यक्तिगत हमलों में शामिल होने से बचता हूं और काम पर ध्यान केंद्रित करना पसंद करता हूं।

तेंदुए ने बछड़े को मार डाला

धारवाड़/शुभ लाभ ब्यूरो।

धारवाड़ के बाहरी इलाके मंसूर गांव में महिलाओं द्वारा मक्के के खेतों में एक तेंदुए को घूमते हुए देखे जाने की सूचना देने के एक दिन बाद, तेंदुए ने गांव के एक पशुशाला में एक बछड़े को मार डाला। घटना गुरुवार देर रात की है। बछड़े के चिल्लाने की आवाज सुनकर जागे निवासियों ने तेंदुए को भगाने की कोशिश की लेकिन असफल रहे। सूचना मिलने पर गांव पहुंचे वन अधिकारियों और कर्मियों को पशुशाला के पास तेंदुए के पग चिह्न मिले। उन्होंने अब पुष्टि की है कि तेंदुआ वास्तव में गांव में भटक गया है। प्रभागीय वनाधिकारी विवेक करवारी के नेतृत्व में 30 सदस्यों की टीम गांव में कैंप कर रही है और, तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। टीम ने तेंदुए को देखे जाने के बारे में किसी भी जानकारी के लिए स्थानीय लोगों से मदद मांगी है। करवारी ने पुष्टि की कि तेंदुए के पगमार्क मिले हैं। उन्होंने बताया कि तेंदुए को देखने वाले कुबेरप्पा मैदिवालार द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

वादे के मुताबिक काम नहीं कर रही कांग्रेस सरकार: भारती शेट्टी

निर्धारित दर पर टैंकर से पानी की आपूर्ति नहीं की जा रही

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद सदस्य भारती शेट्टी ने आरोप लगाया कि राज्य में कांग्रेस पार्टी गारंटी देने का वादा करके सत्ता में आई थी। हालाँकि, कांग्रेस सरकार पर्याप्त गारंटी देने में विफल रही है। जैसा कहा था वैसा हुआ नहीं। जैसा हुआ वैसा नहीं बोल रहे हैं। मल्लेश्वरम में भाजपा के राज्य कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक मीडिया सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा हर जगह पानी के लिए त्राहि-त्राहि मची हुई है और बेंगलूरु में टैंकरों का एक

बड़ा माफिया है। सरकार द्वारा निर्धारित दर पर टैंकर से पानी की आपूर्ति नहीं की जा रही है। उन्होंने आपत्ति जताई कि टैंकर मालिक सरकार की बात नहीं सुन रहे हैं। सरकार ने इसका कोई समाधान नहीं दिया है। राज्य मंत्री का कहना है कि किसान सरकार द्वारा दिये जाने वाले मुआवजे के लिए आत्महत्या करते हैं। उन्होंने कहा कि यह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि वह किसान विरोधी हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार भाजपा के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई द्वारा बनाए और दिए गए घरों का लाभ उठाने का काम कर रही है। इस सरकार ने गारंटी का समुचित प्रबंधन किए बिना खंडित गारंटी देने के अलावा कुछ नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इस सरकार ने आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को अपने चुनाव प्रचार के लिए इस्तेमाल करने की बड़ी साजिश रची है। उन्होंने आलोचना की कि भले ही राज्य सरकार ने केंद्र सरकार की सौर छत परियोजना के लिए एक पैसा भी नहीं दिया है, फिर भी वे ऐसे पर्चे बांट रहे हैं जैसे कि उन्होंने ही परियोजना बनाई हो। उन्होंने जनता का एक भी काम नहीं किया है। उन्होंने शिकायत की कि राज्य में झूठ बोलने वाली, झूठी पूंजी बनाने वाली, नरेंद्र मोदी और भाजपा सरकार द्वारा किए गए काम को अपना बताने वाली सरकार है। प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रवक्ता चलवाडी नारायणस्वामी, वेंकटेश डोड्डेरी, डॉ. नरेंद्र रंगप्पा मौजूद थे।

भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजे गए पीएम मोदी

भारत और भूटान के युवाओं की आकांक्षा और लक्ष्य एक जैसा

हर कदम पर भूटान के साथ खड़ा है भारतः मोदी

थिम्पू, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय दौरे पर आज भूटान पहुंचे। इस दौरान भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो से पीएम मोदी को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि यह सम्मान मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं बल्कि 140 करोड़ भारतीयों का सम्मान है।

मैं इस महान भूमि में सभी भारतीयों की ओर से इस सम्मान को स्वीकार करता हूं। भूटान और दिए गए सम्मान का दिल से धन्यवाद करता हूं।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के युवाओं की आकांक्षाएं और लक्ष्य एक जैसे हैं। भारत ने 2047 तक विकसित देश बनने का लक्ष्य रखा है, जबकि भूटान ने 2034 तक उच्च आय वाला देश बनने का लक्ष्य रखा है। भूटान के इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए भारत हर कदम पर आपके साथ खड़ा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और भूटान के बीच संबंध प्राचीन

है, लेकिन आधुनिकता के दौरे में दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों पर हैं। जब मैं पहली बार 2014 में प्रधानमंत्री बना तो मेरी पहली विदेश यात्रा के रूप में भूटान जाना मेरे लिए स्वाभाविक था। 10 साल पहले भूटान द्वारा दी गए गर्मजोशी से स्वागत ने प्रधानमंत्री के रूप में मेरी कर्तव्य यात्रा की शुरुआत को यादगार बना दिया।

थिम्पू में लोगों का अभिवादन करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भारत और भूटान एक साझा विरासत का हिस्सा हैं। भारत भगवान बुद्ध का जन्मस्थान है। यह वह स्थान है जहां भगवान बुद्ध ने निर्वाण प्राप्त किया था। जबकि, भूटान वह स्थान है जिसने भगवान बुद्ध की शिक्षाओं को अपनाया और संरक्षित किया इसने वज्रयान बौद्ध धर्म की परंपरा को जीवित रखा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि हम सहयोग करते हैं और एक-दूसरे की सफलताओं का जश्न मनाते हैं। जब भारत का मिशन चंद्रयान सफल हुआ, तो भूटान के लोग भी उतने ही खुश थे जितने भारत के लोग थे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भूटान का सर्वोच्च सम्मान दिए जाने पर विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी को इस सम्मान के लिए हार्दिक बधाई। पीएम मोदी इस उच्च सम्मान से सम्मानित होने वाले पहले विदेशी नेता है। यह भारत और भूटान की दोस्ती को मजबूत करता है। दोनों देश संबंधों का जश्न मना रहा है।

भारत और भूटान ने किए कई समझौतों पर हस्ताक्षर

थिंपू, 22 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भूटान की दो दिवसीय यात्रा पर है। पहले दिन शुक्रवार को पीएम मोदी और उनके भूटानी समकक्ष शेरिंग टोबगे की मौजूदगी पर समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। इस दौरान ऊर्जा, व्यापार, डिजिटल संपर्क, अंतरिक्ष और कृषि के क्षेत्र में कई एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। साथ ही दोनों देशों के बीच रेल संपर्क संबंधी समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए प्रधानमंत्री टोबगे को धन्यवाद दिया। बयान में कहा गया है कि दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की और नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, पर्यावरण और वानिकी तथा पर्यटन जैसे क्षेत्रों में सहयोग को और बढ़ाने पर सहमति बनाई। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत और भूटान के बीच दीर्घकालिक और अनूठे संबंध हैं। इसके अलावा, दोनों पक्ष भारत और भूटान के बीच रेल संपर्क को लेकर सहमति जता चुके हैं और इस संबंध में एमओयू पर हस्ताक्षर कर चुके हैं। बयान में कहा गया है कि समझौता ज्ञापन में भारत और भूटान के बीच दो प्रस्तावित रेल संपर्क का प्रावधान किया गया है, जिसमें कोकराझार-गेलेफू रेल संपर्क और बनारहाट-समत्से रेल संपर्क और उनके कार्यान्वयन के तौर-तरीके शामिल हैं। ऊर्जा दक्षता और ऊर्जा संरक्षण उपायों के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन का उद्देश्य ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा विकसित 'स्टार लेबलिंग' कार्यक्रम को बढ़ावा देकर घरेलू क्षेत्र में ऊर्जा दक्षता बढ़ाने में भूटान की सहायता करना है।

एक कंपनी ने भाजपा को दिया 500 करोड़ का चंदा

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। चुनाव आयोग ने गुरुवार को एसबीआई द्वारा दिया डाटा सार्वजनिक कर दिया।

इस डाटा से साफ हो गया है कि किस दानदाता ने किस राजनीतिक पार्टी को कितना चंदा दिया। डाटा से पता चला है कि इलेक्टोरल बॉन्ड से मिले कुल चंदे में से आधा चंदा सिर्फ भाजपा को मिला है। वहीं भाजपा को सबसे ज्यादा चंदा मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर द्वारा दिया गया है। इस कंपनी ने ही भाजपा को करीब 600 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

मेघा इंजीनियरिंग कंपनी की ही सहयोगी कंपनी वेस्टर्न यूपी पावर ट्रांसमिशन ने कांग्रेस को भी 110 करोड़ रुपए का चंदा दिया है। मेघा इंजीनियरिंग के अलावा भाजपा को क्विक सप्लाई चेन कंपनी से 375 करोड़ रुपए, खनन और खनिज कंपनी वेदांता लिमिटेड ने 230 करोड़ रुपए और भारतीय एयरटेल ने 183 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

कांग्रेस की सबसे बड़ी दानदाता कंपनी वेदांता है, जिसने कांग्रेस को 125 करोड़ रुपए का चंदा दिया। इसके अलावा एमकेजे एंटरप्राइजेज नामक कंपनी ने कांग्रेस को 120 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

चुनाव आयोग द्वारा सार्वजनिक किए गए डाटा के अनुसार, भाजपा को नौ अन्य कंपनियों ने 100-100 करोड़ रुपए से ज्यादा का चंदा दिया है। कांग्रेस को 11 कंपनियों ने 50 करोड़ से लेकर 100 करोड़ रुपए तक का चंदा दिया है। भाजपा और कांग्रेस के बाद सबसे ज्यादा चंदा तृणमूल कांग्रेस पार्टी को मिला है। टीएमसी को जिस कंपनी ने सबसे बड़ा चंदा दिया है, वो है फ्यूचर गेमिंग एंड होटल सर्विसेज। सैंटियागो मार्टिन के स्वामित्व वाली कंपनी ने ही इलेक्टोरल बॉन्ड्स योजना के तहत राजनीतिक पार्टियों को सबसे बड़ा चंदा दिया है। फ्यूचर गेमिंग ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स के जरिए विभिन्न राजनीतिक पार्टियों को 1300 करोड़ रुपए से ज्यादा का चंदा दिया। इस एक कंपनी ने टीएमसी को 542 करोड़ रुपए का चंदा दिया। हल्दिया एनर्जी ने टीएमसी को 28 करोड़ रुपए का चंदा दिया है।

मेघा इंजीनियरिंग ने भाजपा को करीब 600 करोड़ रुपए का चंदा देने के अलावा बीआरएस को 195 करोड़ रुपए, डीएमके को 85 करोड़ रुपए का चंदा भी दिया है। भाजपा को वेदांता, भारती एयरटेल, मुथूट, बजाज ऑटो, जिंदल ग्रुप और टीवीएस मोटर ने भी दिल खोलकर चंदा दिया। वेदांता ग्रुप ने कांग्रेस, बीजू जनता दल और तृणमूल कांग्रेस को चंदा दिया। भारती एयरटेल ने भाजपा, राजद, शिअद, कांग्रेस और जनता दल यूनाइटे को चंदा दिया है।

भोजशाला का सर्वे रोकने संबंधी याचिका सुप्रीम कोर्ट में खारिज

धार, 22 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के धार जिले की भोजशाला का सर्वे आज से शुरू हो गया है। आर्क्योलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (एएसआई) की टीम भोजशाला का सर्वे करेगी। इसका सर्वेक्षण करने के लिए एएसआई की 20 सदस्यीय टीम सुबह 6:30 बजे भोजशाला पहुंच गई। हाईकोर्ट के निर्देश पर भोजशाला का सच जानने के लिए सर्वे के लिए परिसर में आज से खोदाई शुरू होगी। भोजशाला को लेकर इंदौर में लगी एक याचिका पर सुनवाई के बाद इसी महीने में सर्वे के आदेश दिए थे।

सर्वेक्षण के लिए भोजशाला के आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। एएसआई की टीम के साथ एएसपी, एडीएम, एसडीएम और सीएसपी समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौजूद हैं। इसके अलावा 175 से अधिक पुलिस जवान भोजशाला परिसर के आसपास किए गए तैनात गए हैं। हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस की ओर से याचिकाकर्ता गोपाल शर्मा और आशीष गोयल भी टीम के साथ भोजशला पहुंचे हैं। मुस्लिम पक्ष की ओर से यहां कोई मौजूद नहीं है।

रमजान महीने का आज दूसरा शुक्रवार है और सर्वे भी शुरू हो रहा है। ऐसे में विशेष एहतियात भी बरती जा रही है। सर्वे का असर जुमे की नमाज पर नहीं होगा। नमाज पढ़ने आने वाले लोगों को भोजशाला में प्रवेश दिया जाएगा। धार एसपी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। हाई कोर्ट के आदेश का पालन किया जाएगा। नमाज प्रभावित नहीं होगी।

भोजशाला सर्वे मामले में मुस्लिम पक्ष ने 16 मार्च को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने सुनवाई के लिए 1 अप्रैल की तारीख तय की थी। लेकिन, शुक्रवार को सर्वे शुरू होने के बाद मुस्लिम पक्ष याचिका पर तुरंत सुनवाई की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। लेकिन, सुप्रीम कोर्ट ने तुरंत सुनवाई से मना कर दिया। बता दें कि यह याचिका मौलाना कमाल-ुद्दीन वेलफेयर सोसाइटी ने दाखिल की है। जिसमें सर्वे से जुड़े हाई कोर्ट के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी।

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भाजपा की प्रतिक्रिया

आखिरकार उनका घमंड टूट गया

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर भाजपा लगातार निशाना साध रही है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, गिरफ्तारी से पहले केजरीवाल कह रहे थे कि सीएम को समन कैसे जारी किया जा सकता है, लेकिन आखिरकार आज उनका घमंड टूट गया।

संबित पात्रा ने शुक्रवार को कहा, 23 अक्टूबर को नौ समन जारी किए गए, लेकिन वह एक बार भी उपस्थित नहीं हुए। वह कहते रहे कि समन अवैध है और उपस्थित नहीं होंगे। उन्होंने यह भी

कहा कि वह मुख्यमंत्री हैं और उन्हें कैसे बुलाया जा सकता है? आज उनका घमंड टूट गया है। देश का कानून कहता है कि अगर आपने कानून तोड़ा है और समन जारी हुआ है, तो आपको इसका सम्मान करते हुए मौजूद होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा, चिंता की बात यह थी कि अरविंद केजरीवाल ने किसी एक समन का भी जवाब नहीं दिया था।

भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि दिल्ली के मुख्यमंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त होने का खामियाजा भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि आप कार्यकर्ताओं का कहना है कि अरविंद केजरीवाल इंसान नहीं बल्कि विचारधारा हैं। विचारधारा यह है कि वह भ्रष्ट होंगे और जब अदालत कार्रवाई करेगी, तो वह इसे अत्याचार कहेंगे और अपने आप को बेचारा दिखाएंगे। उन्होंने कहा, मैं उनसे पूछना चाहता हूं कि क्या अदालत लोकतंत्र को खत्म कर रही है? सुप्रीम कोर्ट ने मनीष सिसोदिया की जमानत खारिज कर दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 338 करोड़ रुपए का घोटाला है। हाईकोर्ट ने संजय सिंह की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। यदि आपके साथी एक साल से अधिक समय से जेल में हैं, तो क्या भाजपा ने ऐसा किया है या अदालतों ने ऐसा किया है? आपके दोस्त कांग्रेस ने देखा है कि आप किस तरह से शराब घोटाले में डूबे हुए हैं।

कर्नाटक में भी कांग्रेस का परिवारवाद हावी

17 में से 11 उम्मीदवार मंत्रियों के रिश्तेदार

बेंगलुरु, 22 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव की तारीखों के एलान के बाद तमाम राजनीतिक दलों ने कमर कस ली है। इस बीच, कर्नाटक की कांग्रेस ने गुरुवार को अपने 17 उम्मीदवारों के नामों का एलान कर दिया। हालांकि, इन नामों के साथ ही पार्टी में हलचल तेज हो गई है।

कर्नाटक में दो चरणों में मतदान होगा। यहां पार्टी अभी तक कुल 24 उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर चुकी है। कांग्रेस ने आठ मार्च को पहली सूची जारी की थी, जिसमें सात उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की गई थी। इसमें किसी भी मंत्री और विधायक का नाम नहीं था। हालांकि, अब कर्नाटक में पार्टी की दूसरी सूची भी सामने आ गई है। फिर भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की अध्यक्षता वाली एक समिति ने कोलार, चित्रदुर्ग, चिकबल्लापुर, चामराजनगर और बेल्लारी निर्वाचन क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों के नाम अभी तय नहीं किए हैं।

पार्टी की ओर से जारी 17 उम्मीदवारों की दूसरी सूची में राज्य के पांच कैबिनेट मंत्रियों के बच्चों के नाम शामिल हैं। टिकटों का ऐसा बंटवारा देखकर अब पार्टी सदस्यों के बीच बहस शुरू हो गई है। कर्नाटक में भाजपा-जेडीएस गठबंधन का सामना करने के लिए कांग्रेस ने अधिकतर टिकट मंत्रियों के परिवार सदस्य को आवंटित किए हैं।

भाजपा नेता बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने पार्टी के भीतर जमीनी कार्यकर्ताओं को बढ़ावा देने के बजाय वंशवाद की राजनीति को प्राथमिकता देने के लिए कांग्रेस की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सबसे पुरानी पार्टी अपने जमीनी कार्यकर्ताओं को अवसर देने के बजाय वंशवाद की राजनीति का पक्ष लेने के लिए जानी जाती है। अगर सूची पर गौर किया जाए तो पता चलता है कि पार्टी ने राजनीतिक वंश और वित्तीय समर्थन वाले कई उम्मीदवारों को टिकट दिए हैं।

इसमें सबसे पहले चिक्कोडी सीट पर ध्यान जाता है, जहां से एक बेलगावी क्षेत्र के नामी शख्स और पीडब्ल्यूडी के कैबिनेट मंत्री सतीश जारकीहोली की बेटी प्रियंका जारकीहोली को टिकट दिया गया है।

चुनाव में अपनी शुरुआत होने के बावजूद प्रियंका को लोकसभा का टिकट मिलना खुद में ही एक बड़ी बात है। बेलगावी क्षेत्र में शक्तिशाली जराकीहोली परिवार के पास पहले से ही कर्नाटक में कई प्रमुख पद हैं। इतना ही नहीं, बेलगावी सीट की बात करें, तो यहां से कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के बेटे मृणाल को उतारा गया है, जो राजनीति में प्रवेश ही लोकसभा टिकट के साथ कर रहे हैं। इसके अलावा, बीदर से लोकसभा टिकट की मांग कर रहे पूर्व मंत्री राजशेखर पाटिल की अनदेखी की गई। उनकी जगह कांग्रेस पार्टी ने कर्नाटक के कैबिनेट मंत्री ईश्वर खांद्रे के बेटे सागर खांद्रे को टिकट दिया है। दावणगेरे सीट से प्रभा मल्लिकार्जुन को टिकट दिया गया है, जो कैबिनेट मंत्री एसएस मल्लिकार्जुन की पत्नी और वरिष्ठ लिंगायत नेता और विधायक शमानूर शिवशंकरप्पा की बहू हैं।

बंगलूरू दक्षिण सीट सौम्या रेड्डी को दी गई है, जो परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी की बेटी हैं। वह 2023 का विधानसभा चुनाव जयनगर से भाजपा उम्मीदवार राममूर्ति के खिलाफ हार गई थीं।

बंगलूरू ग्रामीण से टिकट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष और डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार के भाई डीके सुरेश को दिया गया है। शिवमोगा से पूर्व मुख्यमंत्री बंगारप्पा की बेटी, अभिनेता शिवराज कुमार की पत्नी और कैबिनेट मंत्री मधु बंगारप्पा की बहन गीता शिवराजकुमार को टिकट दिया गया है। जेडीएस का गढ़ हासन कांग्रेस का टिकट श्रेयस पटेल को दिया गया है, जो पुट्टास्वामी गौड़ा के पोते हैं। कांग्रेस ने मंत्री शिवानंद पाटिल की बेटी संयुक्ता पाटिल को बागलकोट से उम्मीदवार बनाया है। मल्लिकार्जुन खड़गे के दामाद राधाकृष्ण को गुलबर्गा से चुनाव लड़ने के लिए चुना गया है। इस बीच कोप्पल से पार्टी ने राघवेंद्र हितनाल के भाई राजशेखर हितनाल को मैदान में उतार दिया है।

दो दशकों से अधिक समय से कांग्रेस में काम कर रहीं एक महिला कांग्रेस कार्यकर्ता ने कहा, यह सूची कांग्रेस के टिकट बंटवारे के विचार के एजेंडे को साबित करती है।

इसका सामाजिक न्याय से कोई लेना-देना नहीं है। यह राजनीतिक रूप से समर्थित परिवारों की अगली पीढ़ी के प्रवेश के बारे में है।

हमारे जैसे कार्यकर्ता, जो दिन-रात काम कर रहे हैं, अभी भी सड़कों पर उनके लिए प्रचार कर रहे हैं। भाजपा नेताओं का तर्क है कि उम्मीदवारों की यह सूची पार्टी के भीतर सामाजिक न्याय या योग्यता को बढ़ावा देने के बजाय वंशवादी राजनीतिक विरासत के प्रति कांग्रेस के झुकाव को दर्शाती है। भाजपा प्रवक्ता एस प्रकाश ने सूची की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि यह सामाजिक न्याय की पैरवी करने के कांग्रेस के झूठे दावों को उजागर करती है।

आईएमटी त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास में शामिल होगी भारतीय नौसेना

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना के जहाज आईएनएस तिर और आईएनएस सुजाता भारत-मोजाम्बिक-तंजानिया (आईएमटी) त्रिपक्षीय युद्धाभ्यास में शामिल होंगी। रक्षा मंत्रालय ने एक विज्ञप्ति जारी कर इसकी जानकारी दी। त्रिपक्षीय अभ्यास का यह दूसरा चरण है। इसका पहला चरण 22 अक्तूबर को आयोजित किया गया था, जिसमें भारत की ओर से आईएनएस तरकश शामिल हुआ था। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, अभ्यास की शुरुआत सम्मेलन से होगी। इसके बाद क्षति नियंत्रण, अग्निशमन, विजिट बोर्ड खोज और जब्ती प्रक्रियाओं, चिकित्सा व्याख्यान, हताहत निकासी और गोताखोरी संचालन जैसी संयुक्त बंदरगाह प्रशिक्षण गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। अभ्यास दो चरणों में आयोजित की जाएगी- पहला चरण 21 से 24 मार्च तक चलेगा तो वहीं, समुद्री चरण 24-27 मार्च तक आयोजित होगा।

समुद्री चरण में एक संयुक्त ईईजेड निगरानी की भी योजना बनाई गई है। बंदरगाह प्रवास के दौरान, भारतीय नौसैनिक जहाज आगंतुकों के लिए खुले रहेंगे। इस दौरान भारतीय नौसेना मेजबान नौसेनाओं के साथ खेल और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में भी भाग लेगी।

पिछले माह नौसेना का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास मिलन 24 आयोजित हुआ था। अभ्यास 19 फरवरी से 27 फरवरी तक चला था। इसमें 50 से अधिक देशों की नौसेनाएं शामिल हुईं थीं। युद्धाभ्यास की पूर्वसंध्या पर नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने कहा था कि समुद्री क्षेत्र में राष्ट्रीय हितों की रक्षा सर्वोपरि है। समुद्र की सुरक्षा के लिए नौसेना का समर्पण उल्लेखनीय है। वास्तव में अब तक का सबसे बड़ा युद्धाभ्यास है। नौसेना प्रमुख ने कहा था कि वियतनाम पीपुल्स नेवी के कार्वेट 20 और यूनाइटेड स्टेट्स नेवी के यूएसएस हैल्सी (डीडीजी-97) जहाज के साथ-साथ 50 देशों के उच्च जहाज विशाखापत्तनम आएंगे। अभ्यास का सार सहयोग, सामंजस्य और बातचीत में निहित है। यह प्रमाण है कि सभी देश समुद्री सुरक्षा के लिए साझे रूप से प्रतिबद्ध हैं।

कड़े इम्तिहान से गुजर रही सपा, अब कांग्रेस ही सहारा

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा कड़े इम्तिहान के दौर से गुजर रही है। सपा ने 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा के कई साथियों को तोड़कर और दूसरे दलों के कई दिग्गज नेताओं को शामिल कर बड़ी हलचल पैदा की थी। पर, सत्ता परिवर्तन का उसका सपना अधूरा ही रहा। अलबत्ता कुछ सीटें जरूर बढ़ीं। वोट शेयर भी बढ़ा। पर, सरकार भाजपा की बनी। करीब एक साल पहले जब सियासी पार्टियां लोकसभा चुनाव की तैयारियां शुरू कर रही थीं, सपा के सहयोगियों-साथियों का साथ छोड़ने का सिलसिला शुरू हो गया। यह सिलसिला लोकसभा चुनाव के एलान के बाद भी जारी है।

सपा का साथ पहले सुभासपा और फिर रालोद ने छोड़ा। अब सपा के पीडीए फॉर्मूले की सबसे मजबूत पैरोकार अपना दल (कमेरावादी) ने अलग चुनाव लड़ने का एलान कर पार्टी की चुनौतियां और बढ़ा दी हैं। खास बात है कि सपा के जिन सहयोगियों ने अब तक साथ छोड़ा है, उनका असर पूरब से पश्चिम तक महसूस होने वाला है। किसी का असर पूरब में ठीकठाक है, तो किसी का पश्चिम में आधार माना जाता है।

लोकसभा चुनाव में फिलहाल सपा के साथ सिर्फ कांग्रेस ही खड़ी नजर आ रही है। सपा-कांग्रेस का 2017 में भी गठबंधन हुआ था, लेकिन उसका खास

फायदा नहीं मिला। 2024 में सिर्फ कांग्रेस के सहारे अखिलेश यादव कैसे सफलता की पटकथा लिखेंगे, उनके इस कौशल पर सबकी निगाहें जरूर रहेंगी।

वर्ष 2012 के बाद से ही समाजवादी पार्टी उम्मीद के हिसाब से सियासी सफलता हासिल नहीं कर पा रही है। वर्ष 2014 में सपा ने सभी सीटों (दो कांग्रेस के लिए छोड़ी थीं) पर अकेले लोकसभा चुनाव लड़ा। पांच सीटें जीतीं। सभी परिवार के सदस्य थे। आजमगढ़ में मुलायम सिंह यादव, फिरोजाबाद में अक्षय यादव, बदायूं में धर्मेंद्र यादव, कन्नौज में डिंपल यादव, मैनपुरी में भी मुलायम सिंह यादव जीते। बाद में उप-चुनाव में मैनपुरी से तेजप्रताप यादव जीते। पार्टी को 22.20 प्रतिशत वोट मिले।

वर्ष 2019 में बसपा और रालोद के साथ गठबंधन कर सपा चुनाव लड़ी। गठबंधन को 15 सीटें मिलीं। सपा के हिस्से फिर पांच सीटें ही आईं। मुलायम सिंह यादव मैनपुरी और अखिलेश यादव आजमगढ़ से चुनाव जीते। परिवार के अन्य सदस्य चुनाव हार गए। तीन अन्य सदस्यों में रामपुर से आजम खां, मुरादाबाद से एसटी हसन और संभल से शफीकुर्रहमान बर्क जीते। वोट शेयर घटकर 18.11 फीसदी पर पहुंच गया। सारी मलाई बसपा के हिस्से आई। 2014 में एक भी सीट नहीं जीत सकी बसपा ने 10 सीटों पर कब्जा कर लिया। कुल मिलाकर सपा का प्रयोग उलटा पड़ा।

2019 के लोकसभा चुनाव के बाद बसपा ने सपा से गठबंधन तोड़ लिया। अलबत्ता रालोद साथ बना रहा। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने 2022 में यूपी की सत्ता में वापसी के लिए ताना-बाना बुनना शुरू किया। नए प्रयोग के तौर पर योगी-01 सरकार में मंत्री रहे ओम प्रकाश राजभर की पार्टी सुभासपा से हाथ मिलाया। वह यहीं नहीं रुके। सरकार में शामिल तीन अन्य मंत्रियों-दारा सिंह चौहान, धर्म सिंह सैनी और स्वामी प्रसाद मौर्य को पार्टी में शामिल कर तहलका मचा दिया। अपना दल कमेरावादी को भी साथ जोड़ा। दूसरे दलों के तत्कालीन कई विधायक भी शामिल हुए थे।

सपा सत्ता में वापसी तो नहीं कर पाई, लेकिन इस माहौल का तगड़ा फायदा हुआ। 2017 के विधानसभा चुनाव में जब सपा का कांग्रेस से गठबंधन था, तब उसको 47 सीटें और 21.81 फीसदी वोट मिले थे। 2022 के चुनाव में 64 सीटें बढ़ीं और विधायकों की संख्या 111 हो गई। वोट शेयर भी बढ़कर 32.06 प्रतिशत हो गया। सीधे-सीधे 10.24 फीसदी वोट शेयर बढ़ गया।

विधानसभा चुनाव के बाद राजभर सपा का साथ छोड़कर एनडीए में शामिल हो गए। राजभर समाज को साधने के लिए भाजपा ने न सिर्फ सुभासपा मुखिया ओमप्रकाश को योगी कैबिनेट में दोबारा मंत्री बनाया, बल्कि पंचायतीराज जैसा बड़ा महकमा भी दिया। सुभासपा का एक एमएलसी बनाया और लोकसभा की एक सीट भी दे दी।

सपा की सबसे मजबूत सहयोगी रहा रालोद भी साथ छोड़ गया। पश्चिमी यूपी की ताकतवर माने जानी वाली पार्टी का छिटकना उस इलाके में सपा के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। रालोद भी एनडीए का हिस्सा हो गया है। न सिर्फ रालोद का एक विधायक योगी कैबिनेट में शामिल हो गया है, बल्कि गठबंधन से एक एमएलसी भी बनवा लिया। दो लोकसभा सीटें भी पार्टी को मिली हैं।

पार्टी की अध्यक्ष कृष्णा पटेल की बड़ी बेटी पल्लवी पटेल समझौते के तहत सपा के सिंबल से विधायक चुनी गई हैं। पीडीए फार्मूले की प्रखर पैरोकार पल्लवी ने पहले राज्यसभा चुनाव में सपा के प्रत्याशी के चयन पर खुलेआम सवाल उठाया, फिर अपनी शर्तों पर वोट दिया।

इस बार दांव पर दिग्गजों की प्रतिष्ठा

बरेली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

लोकसभा चुनाव के शंखनाद के साथ ही रुहेलखंड की धरती से जुड़े दिग्गजों की प्रतिष्ठा भी दांव पर है। बरेली मंडल की सभी पांच सीटों पर पूर्व में अलग-अलग चुनाव में कांग्रेस, सपा और भाजपा अपना दबदबा जमा चुके हैं। लेकिन, इस बार यहां राजनीतिक दलों के बीच चल रहे घमासान नए समीकरण बना रहे हैं।

फिलहाल, इस क्षेत्र में दिग्गजों की प्रतिष्ठा चुनावी रण में उतरने से लेकर जीत हार तक के दांव पर लगी है। पिछले चुनाव में भाजपा के लिए मुफीद रहे इस क्षेत्र में कई दिग्गज पार्टी के बड़े चेहरे बन चुके हैं। मगर, भाजपा की ओर से आंवला, शाहजहांपुर लोकसभा सीट को छोड़कर किसी भी क्षेत्र के लिए प्रत्याशियों की घोषणा नहीं होने से इन दिग्गजों की सांसें अटकी हैं। आठ बार के सांसद संतोष गंगवार, फायरब्रांड नेता वरुण गांधी और स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी बदायूं सांसद संघमित्रा मौर्या के भविष्य पर अटकलें लग रही हैं।

उधर, समाजवादी पार्टी ने बदायूं से पूर्व मंत्री शिवपाल यादव, पीलीभीत से पूर्व राज्य मंत्री भगवत सरन गंगवार, बरेली से पूर्व सांसद प्रवीण सिंह ऐरन को मैदान में उतार दिया है। दूसरी तरफ भाजपा ने पांच लोकसभा में आंवला से वर्तमान सांसद धर्मेंद्र कश्यप, शाहजहांपुर में सांसद अरुण कुमार सागर को मैदान में उतार दिया है।

दरअसल, बरेली मंडल की पांचों लोकसभा सीट में बदायूं को छोड़कर सभी सीट पर पिछले एक दशक से भाजपा का कब्जा है। बरेली, आंवला और पीलीभीत तो भाजपा की परंपरागत सीट बनी हुई है। इस सियासी समीकरण को देखते हुए मजबूत विपक्ष बनकर सामना करने के लिए तैयार गठबंधन इस गढ़ में सेंधमारी की भी पूरी तैयारी में जुटा है। यही कारण है कि कांग्रेस और सपा गठबंधन इस तिलिस्म को तोड़ने के लिए भाजपा के दिग्गजों के सामने अपने बड़े चेहरों को उतारने में पीछे नहीं है। दूसरी तरफ, भाजपा की ओर से बदायूं, बरेली और पीलीभीत में अब तक प्रत्याशियों की घोषणा नहीं होने से संशय के बादल मंडरा रहे हैं। ऐसे में भाजपा के दिग्गजों के सियासी सफर को लेकर राजनीतिक गलियारे में अपने कयास लगाए जा रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने बदायूं में अपनी खोई प्रतिष्ठा वापस पाने की जुगत में पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव को मैदान में उतारा है। इस सीट पर स्वामी प्रसाद मौर्या की बेटी संघमित्रा मौर्या भाजपा सांसद हैं। पूर्व मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्या की अलग पार्टी बनाने और भाजपा के खिलाफ मुखर रहने के चलते कई तरह की संभावनाओं को बल मिल रहा है।

फिलहाल, बदायूं में पहली बार वर्ष 1991 में भाजपा के स्वामी चिन्मयानंद ने खाता खोला था। इसके बाद कांग्रेस से सांसद रहे सलीम शेरवानी ने 1996 में यह सीट सपा के खाते में डाल दी थी। इसके बाद 2004 तक सलीम शेरवानी इस सीट से सांसद रहे ओर इसके बाद वर्ष 2014 तक धर्मेंद्र यादव ने यहां से प्रतिनिधित्व किया। मगर, 2019 में यह सीट भाजपा के पास आ गई थी। पूर्व केंद्रीय मंत्री और बरेली से आठ बार के सांसद संतोष गंगवार की सियासत में अब उम्र बाधा बन रही है। वर्ष 2009 को छोड़कर गंगवार वर्ष 1989 से लगातार जीतते आ रहे हैं। वर्ष 2009 में उन्हें परास्त करने वाले प्रवीण सिंह ऐरन को सपा ने इस बार फिर यहां से उतार दिया है। पहली सूची में गंगवार का नाम नहीं होने की वजह से यहां भाजपा के निर्णय पर सबकी नजर टिकी है।

पीलीभीत सीट को दो बार फतह कर चुके भाजपा के फायरब्रांड रहे वरुण गांधी पर भी उहापोह है। फिलहाल उन्होंने नामांकन पत्र खरीद कराकर अपने इरादे जाहिर कर दिए हैं। ऐसे में उनके चौंकाने वाले फैसले से भी इन्कार नहीं किया जा सकता। मगर, भाजपा के निर्णय पर ही उनका आगे का सियासी सफर तय होगा। फिलहाल, सपा ने यहां पूर्व मंत्री भगवत सरन गंगवार के नाम का एलान कर दिया है। आंवला सीट पर भाजपा ने धर्मेंद्र कश्यप पर तीसरी बार भरोसा जताया है। ऐसे में उनके सामने भी हैट्रिक की अग्नि परीक्षा को पार करना बड़ी चुनौती होगी। सपा ने यहां से नीरज मौर्य को प्रत्याशी बनाया है। वहीं सपा से इस्तीफा देने वाले आबिद अली को बसपा ने यहां से प्रत्याशी घोषित किया है। लगातार दो बार से शाहजहांपुर सीट पर काबिज भाजपा के सामने हैट्रिक की चुनौती होगी। 1962 में अस्तित्व में आई शाहजहांपुर सीट पर पहली बार वर्ष 1989 में भाजपा ने खाता खोला और 1991 व 1998 में हुए चुनाव में अपना दबदबा बरकरार रखा। इससे पहले वर्ष 1996 के चुनाव में यह सीट सपा के खाते में गई और वर्ष 1999 से एक दशक तक कांग्रेस के पास रही। वर्ष 2009 में सपा ने इस पर कब्जा किया और वर्ष 2014 से लगातार दो बार भाजपा ने अपना वर्चस्व कायम किया है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी के तीसरी बार चुनावी मैदान में आने से बरेली मंडल से सटी लखीमपुर खीरी की सीट वीआईपी बन गई है। गठबंधन की ओर से यहां पूर्व विधायक उत्कर्ष वर्मा मैदान में हैं और बसपा की ओर से अभी पत्ते खुलने बाकी हैं। वर्ष 2009 से पहले तक खीरी सीट पर ज्यादातर एक ही परिवार का कब्जा रहा। यहां बाल गोविंद वर्मा लंबे समय तक कांग्रेस से सांसद रहे और उनके निधन के बाद उनकी पत्नी उषा वर्मा सांसद रहीं। इसके बाद उनके बेटे रवि वर्मा सपा के साथ हो लिए और वह भी तीन बार सांसद रहे। हालांकि इस बार इस परिवार का कोई सदस्य चुनावी मैदान में नहीं है।

वर्ष 2008 के परिसीमन में अस्तित्व में आई बरेली मंडल से सटी धौरहरा लोकसभा सीट पर भी भाजपा के सामने हैट्रिक की चुनौती है। यहां अब तक तीन बार ही चुनाव हुए हैं और वर्ष 2009 के पहले चुनाव में कांग्रेस के जितिन प्रसाद सांसद बने थे।

मासूमों की हत्या पर कहानियां गढ़ रहा है जावेद

बदायूं, 22 मार्च (एजेंसियां)।

बदायूं में दो नाबालिग भाइयों आयुष (13) और अहान (6) की हत्या के आरोपी और मुठभेड़ में मारे गए साजिद के भाई जावेद ने बुधवार रात बरेली में नाटकीय ढंग से समर्पण कर दिया। सेटेलाइट बस स्टैंड चौकी पर आत्मसमर्पण के इरादे से पहुंचे जावेद ने एक ऑटो में साथ बैठी सवारियों को दोहरा हत्याकांड का उल्लेख कर अपना नाम-पता बताया। सवारियों ने इस कबूलनामे का वीडियो भी बना लिया, इसमें जावेद ने अपने को बेकसूर बताया। चौकी पर सौंपे जाने के बाद बदायूं पुलिस उसे साथ ले गई। सेटेलाइट बस स्टैंड के नजदीक ऑटो में लोगों के बीच बैठे जावेद का यह वीडियो वायरल भी हुआ है। इसमें जावेद कह रहा है कि वह दोहरे हत्याकांड के आरोपी साजिद का भाई जावेद है।

इसके प्रमाण के तौर पर जावेद ने अपना आधार कार्ड भी लोगों को दिखाया। जावेद ने लोगों को बताया कि साजिद ने जब घटना की तो वह अपने सखानू कस्बा स्थित अपने घर पर था। उसे घटना की जानकारी नहीं थी। कई लोगों ने कॉल करके उसे बताया कि तुम्हारे भाई ने दो बच्चों की हत्या कर दी है। जावेद बोला कि उसका मोबाइल फोन इसकी गवाही देगा कि वह उस वक्त कहां था। जब भीड़ उसका हेयर सैलून फूंक रही थी तो वह बदायूं पहुंचा। उसने देखा कि लोग काफी गुस्से में थे। भीड़ उस पर भी हमला कर सकती थी, इसलिए जान बचाने के लिए वह दिल्ली भाग गया।

दो दिन दिल्ली में यहां-वहां घूमता रहा। उसे पता लगा कि साजिद को पुलिस ने मुठभेड़ में मार दिया है तब वह आत्मसमर्पण करने बरेली आ गया। जावेद का कहना है कि जिनके साथ घटना हुई है वह उन लोगों का परिचित परिवार है। घरेलू संबंध हैं। साजिद ने ऐसा क्यों किया, वह यह नहीं समझ पाया, लेकिन मैं निर्दोष हूं। आत्मसमर्पण के बाद पुलिस गिरफ्त में जावेद ने कहा कि साजिद मानसिक रूप से बीमार था और बच्चों से नफरत करता था। इसलिए उसने आयुष और अहान की हत्या की। खुद के दो बच्चों की मौत के बाद साजिद की मानसिक स्थिति बिगड़ी थी।

एसएसपी आलोक प्रियदर्शी के मुताबिक, पुलिस की पूछताछ में जावेद ने बताया कि बड़ा भाई साजिद बच्चा न होने के कारण मानसिक रूप से परेशान रहता था। वह बच्चों से नफरत करता था और कई बार वह बच्चों को देखकर आक्रोशित हो जाता था। घटना से पहले वह एक छुरा खरीदकर लाया। पूछने पर बताया कि रमजान चल रहे हैं, यह गोश्त काटने के काम आएगा। शाम को जब घर जाते वक्त साजिद ने उससे कहा चलो ठेकेदार विनोद के घर हो आएं। वह उसके साथ बाइक से विनोद के घर पहुंचा। साजिद ने कहा कि तुम यहीं खड़ा रहो, मैं आता हूं। यह कहकर साजिद मकान के अंदर चला गया। कुछ ही देर बाद जब वह खून से सना हुआ आया तो विनोद के परिवार के लोगों ने शोर मचाया जिस पर मोहल्ले के लोग मौके पर आ गए। यह देख वह बाइक लेकर भाग गया था। पुलिस के डर से वह घर से दिल्ली चला गया। जब पता चला कि पुलिस उसे ढूंढ रही है तो वह समर्पण करने बृहस्पतिवार को बरेली पहुंचा। एसएसपी ने कहा कि पुलिस जावेद के बयानों को क्रॉस चेक करेगी।

विनोद के तीसरे बेटे पीयूष (8) पर भी चाकू से वार किया गया था। वारदात के दौरान जावेद और साजिद साथ थे। इसके बाद जावेद दिल्ली भाग गया। वहीं साजिद शेखूपुर के जंगल में पुलिस मुठभेड़ में उसी रात मारा गया। जावेद ने बरेली में आत्मसमर्पण किया। पुलिस उसे बदायूं ले आई, जहां पूछताछ की गई। अब कई पहलुओं पर छानबीन और जांच होनी है।

सीतापुर जेल में आजम से मिले सपा मुखिया अखिलेश यादव, सियासी गर्मी बढ़ी

लखनऊ, 22 मार्च (एजेंसियां)।

सीतापुर जिला कारागार में बंद पूर्व मंत्री आजम खान से शुक्रवार को सपा मुखिया अखिलेश यादव मिलने पहुंचे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ पूर्व विधायक अनूप गुप्ता और पूर्व एमएलसी आनंद भदौरिया भी जिला कारागार में गए। बताया जा रहा लोकसभा चुनाव को लेकर उनसे मंत्रणा के लिए अखिलेश यादव पहुंचे हैं। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता से मिलने के लिए अखिलेश यादव का काफिला सीधे जेल परिसर के अंदर चला गया। अखिलेश यादव ने जेल के अंदर जाते वक्त मीडिया से बातचीत नहीं की। इस मुलाकात के बाद अखिलेश यादव रामपुर लोकसभा सीट से टिकट की घोषणा भी कर सकते हैं।

बता दें कि जबसे दूसरी बार आजम खान जेल भेजे गए हैं, उस समय से अभी तक अखिलेश यादव की जेल में यह पहली मुलाकात है। लोकसभा चुनाव से पहले इस मुलाकात से सियासी सरगर्मी बढ़ गई है। चर्चा है कि अखिलेश यादव रामपुर सीट पर प्रत्याशी को लेकर आजम खान की राय जान सकते हैं। रामपुर सीट पर पहले चरण में चुनाव होना है। यहां 27 मार्च को नामांकन की आखिरी तिथि है। अभी तक सपा ने यहां से प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है। अखिलेश यादव के साथ रामपुर के सपा अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में इस बात की ज्यादा उम्मीद है कि रामपुर पर अखिलेश यादव आजम खान से बात करेंगे। सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान 22 अक्टूबर, 2023 से सीतापुर जेल में बंद हैं। उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला को रामपुर की एमपी एमएलए कोर्ट ने फर्जी जन्म प्रमाणपत्र मामले में 7-7 साल की सजा सुनाई थी। सुरक्षा कारणों के चलते आजम खान को 22 अक्टूबर 2023 की सुबह रामपुर से सीतापुर जिला कारागार शिफ्ट किया गया था। जबकि, इसी मामले में उनका बेटा अब्दुल्ला आजम हरदोई जेल में बंद है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी मदरसा बोर्ड एक्ट 2004 को किया रद्द, बताया असंवैधानिक

प्रयागराज, 22 मार्च (एजेंसियां)।

इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ पीठ ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 को धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों के प्रति उल्लंघनकारी करार देते हुए उसे असंवैधानिक करार दिया। उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर इफ्तिखार अहमद जावेद ने कहा है कि उनके वकील सम्भवत: अदालत के सामने अपना पक्ष सही तरीके से नहीं रख सके, इसीलिए यह निर्णय आया है। बोर्ड उच्च न्यायालय के निर्णय का अध्ययन करने के बाद तय करेगा कि आगे क्या करना है।

वहीं, आल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के वरिष्ठ सदस्य मौलाना खालिद रशीद फरंगी महली ने कहा है कि उच्च

न्यायालय के इस आदेश को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जानी चाहिये। न्यायमूर्ति विवेक चौधरी और न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने मदरसा शिक्षा अधिनियम को 'अधिकारातीत' करार देते हुए उत्तर प्रदेश सरकार को निर्देश दिया कि वह एक योजना बनाये जिससे राज्य के विभिन्न मदरसों में पढ़ रहे छात्र-छात्राओं को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में शामिल किया जा सके। अदालत ने यह आदेश अंशुमान सिंह राठौर नाम के व्यक्ति की याचिका पर दिया। याचिका में उत्तर प्रदेश मदरसा बोर्ड की संवैधानिकता को चुनौती देते हुए मदरसों का प्रबंधन केन्द्र और राज्य सरकार के स्तर पर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा किये जाने के औचित्य पर सवाल उठाये गये थे। उत्तर प्रदेश में करीब 25 हजार मदरसे हैं। इनमें 16500 मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, उनमें से 560 मदरसों को सरकार से अनुदान मिलता है।

एल्विश यादव को मिली जमानत, 50 हजार के दो बेल बॉन्ड जमा कराने के निर्देश

गौतमबुद्ध नगर, 22 मार्च (एजेंसियां)।

एल्विश यादव को गौतमबुद्ध नगर जिला कोर्ट से जमानत मिल गई है। उसे 50-50 हजार के दो बेल बॉन्ड जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। एल्विश यादव 17 मार्च को जेल भेजा गया था। अगले दिन सोमवार को गौतमबुद्ध नगर कोर्ट में पेशी थी, लेकिन, तीन दिनों तक वकीलों की हड़ताल के चलते जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो सकी।जिला न्यायालय में गुरुवार को भी एल्विश यादव की जमानत याचिका पर सुनवाई नहीं हो पाई। पुलिस द्वारा धाराएं बढ़ाने की वजह से ऐसा हुआ। न्यायालय ने सुनवाई के लिए शुक्रवार की तिथि निर्धारित की थी।

जानकारी के मुताबिक विनय के कहने पर राहुल नामक युवक बुकिंग पर सांप और उसके जहर के साथ सपेरे की टोली लेकर रेव पार्टी में पहुंचता था। पुलिस ने एनडीपीएस की 6 धाराओं को केस में बढ़ाया था। इनमें से दो धारा 27 और 27ए को कोर्ट ने पहले ही हटा दिया था। अब एनडीपीएस की चार धारा एल्विश पर लगी रहेंगी। गौरतलब है कि सेक्टर-20 थाना पुलिस ने 17 मार्च को एल्विश यादव को सांपों की तस्करी मामले में गिरफ्तार किया था। मामले में पुलिस के आला अधिकारियों ने जांच की थी।

भाजपा सांसद मेनका गांधी की संस्था पीपल फॉर एनिमल के एनिमल वेलफेयर ऑफिसर के पद पर कार्यरत गौरव गुप्ता ने एफआईआर कराई थी।

संपादकीय

जनादेश का लोकतांत्रिक पर्व

जनादेश का लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर आया है। यह ऐसा पर्व है, जब देश की आम जनता वोट देकर लोकतंत्र को जिंदा रखती है और इस तरह देश के गणतंत्र और संविधान भी प्रासंगिक रहते हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनावी पर्व भी व्यापक और गहरा होता है। करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर 18वीं लोकसभा, विधानसभाओं और अंततः भारत सरकार का निर्वाचन करेंगे। इससे बड़ा लोकतंत्र और क्या हो सकता है? इतना विशाल और विराट लोकतंत्र अपने अस्तित्व के खतरे में कैसे हो सकता है? ये तथ्य और सत्य नहीं, फिजूल वाचाली है। भारत में जनादेश का यह उत्सव सम्यक सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्र-निरपेक्षता, समन्वय, कमोबेश हिंसामुक्त और विवेकपूर्ण होता है, लिहाजा जनादेश को 'राष्ट्रीय' और सर्वसम्मत माना जाता है। जनादेश स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक साबित हो, लिहाजा देश में 81 दिन की 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' लागू हो गई है। समूचे देश का प्रशासन अब चुनाव आयोग के अधीन आ गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री के स्तर पर भी किसी नई नीति की घोषणा नहीं की जा सकती। हमारा यह जनादेशी पर्व व्यापक और पारदर्शी इसलिए आंका जाता रहा है, क्योंकि दूरदराज गांव, इलाका और पहाड़ की चोटियों पर मौजूद मतदाता भी अपनी सरकार चुनने के लिए वोट देने को संवैधानिक आधार पर अधिकृत हैं। जो सैनिक सरहदों पर तैनात हैं अथवा जो नागरिक किसी कार्यवश अपने क्षेत्र और घर से दूर हैं, उनके मताधिकार की भी व्यवस्था चुनाव आयोग करता है। अत्यधिक बुजुर्ग और दिव्यांग नागरिकों के मतदान उनके घरों पर ही सुनिश्चित कराए जाते हैं। पहली प्राथमिकता मतदान की है। बहरहाल 18वीं लोकसभा के लिए मतदान 19 अप्रैल से 1 जून तक सात चरणों में कराया जाएगा। मतगणना 4 जून को ही सम्पन्न हो जाएगी, लिहाजा उसी दिन शाम तक स्पष्ट हो जाएगा कि जनादेश किसे मिला है? नई सरकार किस पार्टी और गठबंधन की बनेगी? सिर्फ जनादेश की तटस्थता और ईमानदारी के लिए आयोग 55 लाख ईवीएम का इस्तेमाल करेगा और 1.5 करोड़ चुनावकर्मी और सुरक्षाकर्मी जनादेश के पर्व को समानता और शांति से सम्पन्न कराएंगे। ईवीएम पर सर्वोच्च अदालत तमाम याचिकाओं को खारिज करते हुए ईवीएम को मान्यता दे चुकी है। अब इस पर किसी भी तरह का राजनीतिक प्रलाप बेमानी है। बहरहाल इन आंकड़ों के मद्देनजर भी हमारा आम चुनाव दुनिया में सबसे बड़ा और निष्पक्षता का उदाहरण है। अलबत्ता कुछ काली भेड़ें इस पर भी कालिख पोतने का दुस्साहस करती हैं, लेकिन वे नाकाम ही रहती हैं। जनादेश का यह सौभाग्यशाली दिन होगा, जब 1.82 करोड़ युवा मतदाता पहली बार अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे और जनादेश की मुख्यधारा में जुड़ेंगे। चुनाव बूथ वाले उन मतदाताओं का मुंह मीठा कराएंगे। कुल 21.5 करोड़ मतदाता, जिनका आयु-वर्ग 18-29 साल है, जनादेश के पर्व में शिरकत करेंगे। अधिकतर देशों में इतनी तो आबादी भी नहीं होती और भारत के जनादेश की इतनी व्यापक ताकत है। बहरहाल इस बार का चुनाव बेहद महत्वपूर्ण और निर्णायक होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में 2014 और 2019 में लगातार दो राष्ट्रीय जनादेश भाजपा-एनडीए को हासिल हो चुके हैं। यदि तीसरी बार भी जनादेश उन्हीं के पक्ष में रहता है, तो प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के समकक्ष हो जाएंगे, क्योंकि लगातार तीन बार जनादेश प्राप्त करने वाला कोई अन्य प्रधानमंत्री नहीं है। जिस दौर में यह चुनाव हो रहा है, उसमें एनडीए और 'इंडिया' गठबंधन के बीच बड़े उग्र विरोधाभास हैं, नतीजतन नफरती भाषा का इस्तेमाल किया जा रहा है। राजनीतिक दल और नेता व्यक्तिगत आक्रमण भी कर रहे हैं। चुनाव आयोग ने इस संदर्भ में एक खास सलाह दी है और दलों को संयमी, सतर्क और समभावी होने के निर्देश भी दिए हैं। ऐसा भी परामर्श दिया गया है कि जाति और धर्म पर आधारित चुनाव प्रचार न किया जाए। यदि कोई दल किसी आपराधिक व्यक्ति को उम्मीदवार बनाता है, तो आयोग के इस संबंध में भी कुछ निर्देश हैं।

> दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का चुनावी पर्व भी व्यापक और गहरा होता है। करीब 97 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर 18वीं लोकसभा, विधानसभाओं और अंतत: भारत सरकार का निर्वाचन करेंगे। इससे बड़ा लोकतंत्र और क्या हो सकता है? इतना विशाल और विराट लोकतंत्र अपने अस्तित्व के खतरे में कैसे हो सकता है? ये तथ्य और सत्य नहीं, फिजूल वाचाली है। भारत में जनादेश का यह उत्सव सम्यक सहिष्णुता, धर्मनिरपेक्षता, क्षेत्र–निरपेक्षता, समन्वय, कमोबेश हिंसामुक्त और विवेकपूर्ण होता है, लिहाजा जनादेश को 'राष्ट्रीय' और सर्वसम्मत माना जाता है। जनादेश स्वतंत्र, निष्पक्ष, निर्भीक साबित हो, लिहाजा देश में 81 दिन की 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' लागू हो गई है। समूचे देश का प्रशासन अब चुनाव आयोग के अधीन आ गया है, लिहाजा प्रधानमंत्री के स्तर पर भी किसी नई नीति की घोषणा नहीं की जा सकती।

इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा

विपक्ष के नकारात्मक प्रचार पर क्या मोदी के सकारात्मक प्रचार को मिलेगी जीत?

ललित गर्ग

> चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक–झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा।

लोकसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है और चुनाव का माहौल गरमा रहा है। चुनावों की तारीखें घोषित किए जाने के साथ ही जैसी कि उम्मीद थी, सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बयानबाजी और तेज हो गई। कौरव रूपी विपक्षी दल एवं पाण्डव रूपी भाजपा के बीच इस चुनाव में असली जंग सत्य और असत्य के बीच है। सत्ता पक्ष और विपक्ष की यह नोक-झोंक ही तो लोकतंत्र की खूबसूरती है, यह जितनी शालीन एवं उग्र होगी, लोकतंत्र का यह महापर्व कुंभ उतना ही ऐतिहासिक एवं खास होगा। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतन्त्र है और उदार बहुदलीय राजनैतिक प्रणाली का जीवन्त उदाहरण है जिसकी वजह से चुनावों का समय एवं प्रचार विविधतापूर्ण, आक्रामक व रंग-रंगीला होना ही है मगर इसमें कहीं भी कड़वापन, उच्छृंखलता और आपसी रंजिश का पुट नहीं आना चाहिए। इस बार के चुनाव में जहां भाजपा नेतृत्व अगले 20 वर्षों का विजन पेश कर रहा है, वहीं कांग्रेस नेतृत्व इसे लोकतंत्र बचाने का आखिरी मौका करार दे रहा है। यानी इन चुनावों का फलक पांच साल के काम के आधार पर अगले पांच साल के लिए जनादेश के सामान्य ट्रेंड तक सीमित नहीं रहा। यह चुनाव असल में आजादी के अमृतकाल यानी वर्ष 2047 के लक्ष्य को सुनिश्चित करने वाला है। इस चुनाव में सर्वाधिक चर्चा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनके भावी देश-निर्माण के संकल्प की है। असल में तो इन चुनाव में भाजपा की जीत तो निश्चित मानी जा रही है, लेकिन वह अपने 400 के लक्ष्य को हासिल कर पाती है या नहीं? भाजपा इसके इर्द-गिर्द अपना अभियान चला रही हैं। जबकि विपक्ष जीत का दावा करते हुए भाजपा के इस बड़े लक्ष्य को हास्यास्पद बता रहा है, उनके प्रति अपनी नापसंदगी से परेशान है। भाजपा के पास बड़ा उद्देश्य है, जबकि विपक्ष भाजपा की काट करने के लिये भी प्रभावी मुद्दे नहीं तलाश पा रही है। भाजपा प्रचार में शामिल हैं- आर्थिक विकास, देश और विदेश में सशक्त राष्ट्रवाद, हिंदुत्व, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, नया भारत-सशक्त भारत, औद्योगिक क्रांति, दुनिया की महाशक्ति बनना, स्थिरता, शांति। विपक्ष इन ही बड़े उद्देश्यों की आलोचना कर रहा है। मोदी इन चुनावों के

महानायक है, परिवर्तनकारी व्यक्ति हैं जो स्थिरता का वादा करते हुए वोट मांग रहे हैं। अपने आलोचकों के लिए, वह एक अत्यंत ध्रुवीकरण करने वाले व्यक्ति हैं। इस बार का आम चुनाव रोमांचक होने के साथ देश में बड़े परिवर्तन का कारण बनेगा। इस चुनाव में सभी पार्टियां सरकार बनाने का दावा पेश कर रही हैं और अपने को ही विकल्प बता रही हैं तथा मतदाता सोच रहा है कि देश में नेतृत्व का निर्णय मेरे मत से ही होगा। इस वक्त मतदाता मालिक बन जाता है और मालिक याचक। बस केवल इसी से लोकतंत्र परिलक्षित है। बाकी सभी मर्यादाएं, प्रक्रियाएं हम तोड़ने में लगे हुए हैं। जो नेतृत्व स्वतंत्रता प्राप्ति का शस्त्र बना था, वही नेतृत्व जब तक पुनः प्रतिष्ठित नहीं होगी तब तक मत, मतदाता और मतपेटियां सही परिणाम नहीं दे सकेंगी। आज देश को एक सफल एवं सक्षम नेतृत्व की अपेक्षा है, जो राष्ट्रहित को सर्वोपरि माने। आज देश को एक अर्जुन चाहिए, जो मछली की आंख पर निशाने की भांति भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराध, महंगाई, बेरोजगारी, बढ़ती आबादी, सरकारी खजाने का गलत इस्तेमाल, देश की सीमा-रक्षा आदि समस्याओं पर ही अपनी आंख गड़ाए रखें। इस दृष्टि से सबकी नजरे मोदी पर ही लगी हैं। मोदी ही अर्जुन की मुद्रा में हैं जो मछली की आंख पर निशाना लगा सके। वे ही युधिष्ठिर है, जो धर्म का पालन करते हुए दिख रहे हैं। जो स्वयं को संस्कारों में ढाल, मजदूरों की तरह श्रम कर रहे हैं। वे आदर्शों एवं मूल्यों के साथ चुनावों में उतरे हैं, राजनीति की चकाचौंध में धृतराष्ट्र बने नेताओं के लिये वे एक चुनौती है। सभी विपक्षी दलों में आंतरिक लोकतंत्र का अभाव है और परिवारवाद तथा व्यक्तिवाद की छाया है। कोई अपने बेटे को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है तो कोई अपने बेटे को मुख्यमंत्री के रूप में। किसी का पूरा परिवार ही राजनीति में है, इसलिए विरासत संभालने की जंग भी जारी है। ऐसे में मोदी ही सबसे प्रभावी नेता बन कर सामने आ रहे हैं। महंगाई, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी जैसे पुराने मुद्दे भी उठाए ही जा रहे हैं, लेकिन वोटर के फैसले में इनकी कितनी भूमिका रहेगी यह अभी स्पष्ट नहीं है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दो-दो यात्राओं से उपजे प्रभाव की परीक्षा भी इन्हीं चुनावों में होनी है। कुल मिलाकर, विपक्ष और सत्ता पक्ष कुछ भी कहे देशवासियों की जागरूक चेतना को देखते हुए यह तय माना जा सकता है कि आम चुनाव का यह लोकतांत्रिक पर्व एक बार फिर देश में लोकतंत्र की जड़ों को गहरा ही करेगा। विपक्षी दलों ने देश-सेवा के स्थान पर स्व-सेवा में ही एक सुख मान रखा है। आधुनिक युग में नैतिकता जितनी जरूरी मूल्य हो गई है उसके चरितार्थ होने की सम्भावनाओं को इन विपक्षी दलों ने उतना ही कठिन कर दिया गया है। ऐसा लगता है मानो ऐसे तत्व पूरी तरह छा गए हैं। खाओ, पीओ, मौज करो। सब कुछ हमारा है। हम ही सभी चीजों के मापदण्ड हैं। हमें लूटपाट करने का पूरा अधिकार है। हम समाज में, राष्ट्र में, संतुलन व संयम नहीं रहने देंगे। यही आधुनिक चुनावों का घोषणा पत्र है, जिस पर लगता है कि सभी विपक्षी दलों ने हस्ताक्षर किये हैं। भला इन स्थितियों के बीच उन्हें वास्तविक जीत कैसे हासिल हो? आखिर जीत तो हमेशा सत्य की ही होती है और सत्य इन तथाकथित राजनीतिक दलों के पास नहीं है। महाभारत युद्ध में भी तो ऐसा ही परिदृश्य था। कौरवों की तरफ से सेनापति की बागडोर आचार्य द्रोण ने संभाल ली थी। एक दिन दुर्योधन आचार्य पर बड़े क्रोधित होकर बोले-''गुरुवर कहां गया आपका शौर्य और तेज? अर्जुन तो हमें लगता है समूल नष्ट कर देगा। आप के तीरों में जंग क्यों लग गई। बात क्या है?'' आज लगभग हर राजनीतिक दल और उनके नेतृत्व के सम्मुख यही प्रश्न खड़ा है और इस प्रश्न का उत्तर भी और कहीं नहीं, उन्हीं के पास है।

दृष्टि कोण

लंबे खिंचते चुनाव और सत्ता में वापसी की संभावना का सांख्यिकीय सच!

चुनाव आयोग द्वारा 18 वीं लोकसभा के निर्वाचन का कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही विपक्ष इस 7 चरणीय चुनाव कार्यक्रम पर सवाल उठा रहा है। संदेह का आधार यह है कि आज जब प्रौद्योगिकी इतनी उन्नत हो गई है तब समूचे देश में ढाई महीने तक चुनाव प्रक्रिया चलाने का क्या मतलब है? 81 दिन तक आचार संहिता लगाकर विकास कार्यक्रमों पर इतने लंबे ब्रेक का क्या औचित्य है? क्या इसके पीछे किसी खास राजनीतिक दल को अपनी चुनावी किलेबंदी पुख्ता करने की मोहलत देते जाने का छुपा मंतव्य है या चुनाव निष्पक्षता से कराने का आग्रह है? राजनीतिक हलको में यह सवाल भी संजीदगी से तैरने लगा है कि चुनाव प्रक्रिया के लगातार लंबा खिंचने के साथ देश क्या अघोषित रूप से उस अध्यक्षीय प्रणाली की ओर बढ़ रहा है, जिसमें जनता राजनीतिक दल से ज्यादा उसके चेहरे पर पर दांव लगाना ज्यादा बेहतर समझती है। प्रकारांतर से यह नए किस्म का अधिनायकवाद अथवा राजतंत्र है, जो गुजरता तो लोकतांत्रिक प्रोसेस से है, लेकिन उसका मंतव्य व्यक्ति केन्द्रित सत्ता को वैधता प्रदान करना है। क्या यह चुनाव भी विचारधारा, कार्यक्रम, प्राथमिकताओं और विकास जैसे अहम मुद्दों के परे जाकर एक चेहरे को ध्यान में रखकर ही लड़ा जा रहा है? और यह भी कि किसी चेहरे विशेष पर लोकमानस की अति निर्भरता किस सत्तातंत्र की ओर इशारा करती है? सात दशकों के लोकतंत्र के बावजूद क्या भारतीय मतदाता की जड़ें अभी भी व्यक्ति आराधन से से ही सिक्त हैं। बदलाव केवल इतना है कि वंशवाद की सीमाएं लांघ कर वह अब चमत्कारी चेहरे पर केन्द्रित हो गई है। अब पहला सवाल चुनाव प्रक्रिया के असाधारण रूप से लंबा खिंचने का, इस देश में सबसे लंबा चुनाव 1951-52 में हुआ पहला आम चुनाव था, जो लगभग 4 महीने तक 68 चरणों में हुआ था। तब देश में कुल मतदाता 17.32 करोड़ थे, जिनमें से मात्र 44.87 लोगों ने ही हिस्सा लिया था। वो चुनाव लगभग एक तरफा था। नेहरू गांधी की आंधी थी। चुनाव कुल 489 सीटों के लिए हुआ था और इसमें से कांग्रेस ने 364 सीटें जीत ली थीं। मुख्य विपक्ष कम्युनिस्ट और समाजवादी पार्टी थे, जिन्हें कुल 28 सीटें मिली थीं। चुनाव लंबा खिंचने का बड़ा कारण

शायद यह था कि समूचे देश में पहली बार आम चुनाव हो रहे थे (लोकसभा व विधानसभा के चुनाव एक साथ हुए थे और 89 निर्वाचन क्षेत्रों में दोहरी जनप्रतिनिधित्व प्रणाली थी। यानी एक ही सीट से सामान्य और आरक्षित वर्ग का प्रत्याशी चुना था। दोनो के लिए अलग अलग मतपेटियां रखी जाती थीं)। पूरे देश में 1 लाख 96 हजार से ज्यादा मतदान केन्द्र थे, इनमे से 25 हजार 527 महिलाओं के लिए आरक्षित थे। लेकिन तब भी चुनाव परिणामों, चुनाव प्रक्रिया के दीर्घावधि होने तथा ऐसा करने के पीछे किसी दल को लाभ पहुंचाने की मंशा पर कोई सवाल नहीं उठे थे। तब विपक्ष बेहद कमजोर था। उस आम चुनाव में दो मुख्य विपक्षी पार्टियों ने जितनी सीटें जीती थीं, उनकी संख्या आज सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस के सांसदों की संख्या की तुलना में लगभग आधी थी। इसके पांच साल बाद 1957 में हुए आम चुनाव (लोस के साथ साथ विस चुनाव भी) चुनाव आयोग ने मात्र 20 दिनो में सम्पन्न करा दिए। कम अवधि में चुनाव कराने के बाद भी कांग्रेस ही 371 सीटें जीतकर सत्ता में लौटी। यह चुनाव भी मुख्य रूप से प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू की छवि और देश के नेहरूवादी विकास मॉडल को मिला जनसमर्थन था। नेहरू सरकार के मुख्य आलोचक कम्युनिस्ट और समाजवादी थे, जिन्हें चुनाव में कुल 46 सीटें मिली थीं। 1962 तक आते- आते देश में स्वप्निल नेहरूवादी सोच की आभा घटने लगी। बेरोजगारी, अशिक्षा, महंगाई, क्षेत्रवाद जैसे मुद्दे सिर उठाने लगे। फिर भी कांग्रेस आम चुनाव में 361 सीटें जीतने में कामयाब रही। यह चुनाव भारत पर चीनी हमले के 8 माह पूर्व हो चुके थे। अगर चुनाव उस चीनी हमले में भारत की करारी हार के बाद हुए होते तो चुनाव परिणाम क्या होता, इसकी सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है। अलबत्ता युद्ध में जीत अथवा शत्रु पर प्रत्याक्रमण सत्तारूढ़ दल के लिए हमेशा फायदेमंद रहे हैं। पं. जवाहरलाल नेहरू के निधन के बाद लाल बहादुर शास्त्री पीएम बने और उनके कार्यकाल में 1965 के दौरान हुए भारत- पाक युद्ध में भारतीय सेना की सफलता ने कांग्रेस को सहारा दिया। 1967 के आम चुनाव में कांग्रेस किनारे पर ही सही, 283 सीटों के साथ वापस सत्ता में आ गई। दूसरी तरफ देश राजनीतिक करवट बदल रहा था। गैर कांग्रेसवाद की भावना जोर पकड़ने लगी थी। विपक्षी पार्टियां जिनमें वामपंथी प्रमुख थे, मजबूत होने लगे थे तो दूसरी तरफ हिंदूवादी जनसंघ जैसी पार्टियों के लिए भी स्पेस बनने लगा था। धर्मनिरपेक्षता और धर्मसापेक्षता के तेवर तीखे होने लगे थे। अंतरराष्ट्रवाद और राष्ट्रवाद में टकराव तेज होने लगा था। साथ में गरीबी, महंगाई और समाजवादी सोच के प्रश्न तो थे ही। इसी दौरान श्रीमती इंदिरा गांधी ने समाजवादी और वामपंथ की ओर झुका कार्ड खेलना शुरू किया। उन्होंने पुराने कांग्रेसियों को ठिकाने लगाते हुए पार्टी तोड़ी और मध्यावधि चुनाव करवाए। इसी के साथ देश में 15 साल से चली आ रही 'एक देश, एक चुनाव' की अघोषित परंपरा भी टूट गई। इंदिराजी ने गरीबी हटाओ का नारा दिया। देश में चुनाव फिर व्यक्ति केन्द्रित हो गया।

कुछ अलग

रीढ़, पायदान व पदोन्नति

हो सकता है कि आप मुझसे पूछें कि रीढ़, पायदान और पदोन्नति का आपस में क्या सम्बन्ध है। तो साधो! सदी के लिजलिजे महानट के पिता डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने अपनी कविता 'मैं हूँ उनके साथ, खड़ी जो सीधी रखते अपनी रीढ़' में रीढ़ सीधी रखने वालों की विशेषताओं का वर्णन किया है। लेकिन यह निर्विवाद सत्य है कि अगर रीढ़ की सिधाई पर कोई प्रश्नचिन्ह न होता तो डॉ. हरिवंश कभी यह कविता नहीं लिख पाते। हर युग में रीढ़ और पायदान भले एक-दूसरे के विलोम नज़र आते रहे हों, पर सरकार में पदोन्नति लेने के लिए दोनों का सहोदर होना पहली शर्त है। अगर आप रीढ़विहीन हैं और हर सरकार में फुटमैट (पायदान) होने की शर्त को पूरा करते हैं तो सेवानिवृत्ति से कुछ दिन पहले भी रीढ़ दिव्यांगता की श्रेणी में विभाग के सर्वोच्च पद पर पदोन्नति पा सकते हैं। प्रकृति ने भी इसमें कोई लिंग भेद नहीं किया है। नर हो या नारी कोई फर्क नहीं पड़ता। बस आपको निर्लिप्त भाव से नेताओं और सीनियर्स के सामने बतौर पायदान बिछना होगा। कोई योग्यता न होने के बावजूद किसी विभाग का मुखिया होने के एवज़ में सौदा बुरा नहीं। सावरकर भी 15 बार माफी माँगने के बाद अंग्रेज़ों से साठ रूपल्ली की मासिक पैंशन पाने के हक़दार हुए थे। आज़ादी के अमृतकाल में यही सावरकर न केवल वीर हो गए हैं, बल्कि प्रासंगिक भी हो चुके हैं। पिछले हफ़्ते झुन्नू लाल मुझे राजधानी के सचिवालय की सीढ़ियों पर उदास मिले। मैंने उदासी का कारण पूछा तो बोले कि मैं बाबू से अपनी उस पदोन्नति के बारे में पूछने आया था जो पिछले महीने से ड्यू है। लेकिन उसने कहा कि पहले तुम्हारे उस सीनियर की प्रमोशन होगी जिसे डायरेक्टर बनाया जा रहा है। मैंने कहा कि कम से कम यह तो बता दें कि मेरे सारे पेपर्स आपके पास पहुँच गए हैं। इस पर बाबू बोला कि बाद में आना, अभी तो सरकार रिटायरमेंट से पहले मैडम को डायरेक्टर बनाने पर तुली है। मैंने पूछा कि बनाने पर तुली है, इसका मतलब? बाबू बोला कि उसकी लियाक़त यही है कि उसने सारी उम्र राजधानी में काटी है। कभी फील्ड में नहीं रही। हर बार समय से पहले प्रमोशन लेना उसकी उपलब्धि है। झुन्नू लाल ने पूछा कि फिर मेरे साथ यह अन्याय क्यों? इस पर बाबू हँसते हुए बोला कि इसमें न्याय-अन्याय का प्रश्न ही कहाँ उठता है। बात तो तुम्हारी रीढ़ की है। क्या तुम आगे-पीछे एक सौ अस्सी डिग्री पर झूल सकते हो या तीन सौ साठ डिग्री दाएं-बाएं घूम सकते हो? अगर नहीं तो तुम्हारी प्रमोशन जब होगी, तब होगी। झुन्नू बोले कि मैं तीन सौ मील से आपके पास आया हूँ। दुबारा आना संभव न होगा। कम से कम इतना तो बता दें। बाबू गुस्से होते बोला, 'अभी मेरे पास समय नहीं। मैडम की प्रमोशन आज ही होगी। मुझे उनका केस तैयार करने दो।' झुन्नू लाल सहमते हुए बोले, 'मुझे भी यह तरीक़ा बता दें ताकि मैं भी देर से सही, प्रमोशन ले सकूं।' बाबू हँसते हुए बोला, 'अगर तुम में यह क़ाबिलियत होती तो क्यों सुदूर कबायली इलाक़े में अपनी ऐडियाँ रगड़ रहे होते। महकमे में इतने साल हो गए। कम से कम उनसे ही सीख लिया होता। उनकी नियुक्ति निक्कर वाली सरकार में हुई थी। लेकिन सरकार चाहे टोपी वाली हो या निक्कर वाली। हर सरकार में समय से पहले प्रमोशन होती रही। उनके बॉयोडाटा में हर बार समय से पूर्व प्रमोशन लेना ही उनकी एकमात्र योग्यता और उपलब्धि है। अगर इससे भी मन न भरे तो राज्य के मुख्य सचिव को देख लो। भारत सरकार के सचिवों के पैनल में न होने के बावजूद वह राज्य के मुख्य सचिव हैं। राजधानी आए ही हो तो उन सभी पदों पर नज़र मार लो, जहाँ ऐसे योग्य व्यक्ति राज्य की तरक्की के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। अगर मैंने तुम्हें कुछ ऊँच-नीच बोला हो तो मुझे क्षमा करना। पर अगर यही योग्यता मुझमें होती तो मैं आज सैक्शन ऑफिसर होने की बजाय ज्वाइंट सेक्रेटरी होता।'

देश दुनिया से

सूरज की सौर ऊर्जा

> सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों–दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं।

जीवाश्म ईंधन और दूसरे पारम्परिक ऊर्जा स्रोतों ने पृथ्वी का तापक्रम बढने और नतीजे में जलवायु परिवर्तन के संकट खड़े कर दिए हैं। अच्छी बात यह है कि दुनियाभर में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों पर अहर्निश काम हो रहा है। सौर ऊर्जा उनमें से एक है। इस आलेख में इसी विषय को खंगालने का प्रयास करेंगे। मानव सभ्यता प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर उन्नत तो हुई है, किन्तु हमारी ऊर्जा की खपत भी बढ़ती जा रही है। यदि इसी तरह ऊर्जा के परम्परागत साधनों का उपयोग बढ़ता गया, तो भविष्य में भयानक ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ेगा। दिनों-दिन बढ़ता वैश्विक तापमान और जलवायु परिवर्तन गंभीर समस्या बनता जा रहा है। इससे बचाव के लिए वैज्ञानिक जीवाश्म ईंधनों के विकल्पों को तलाश रहे हैं। सभी तरह के विकल्पों में सौर ऊर्जा सबसे बेहतर है क्योंकि यह सस्ती, सर्वसुलभ, निरापद, निरंतर उपयोग लाई जाने वाली अक्षय ऊर्जा है। हाल ही में मिशिगन यूनिवर्सिटी के जेटियन माई और उनके साथियों द्वारा किए गए एक शोध में उन्होंने तांबा और लोहा आधारित एक ऐसा उत्प्रेरक विकसित किया है जो सौर ऊर्जा का उपयोग कर कार्बन डाईऑक्साइड को मीथेन में परिवर्तित करता है, जिसे हम ईंधन के रूप में उपयोग कर सकते है। 'प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज' में प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक तांबा-लोहा आधारित यह नया उत्प्रेरक अब तक की सबसे तीव्र दर से और सबसे अधिक ऊर्जा उत्पन्न करने वाला है। वहीं लॉस एंजेल्स, कैलिफोर्निया में एक सौदे के तहत एक विशाल सौर फार्म स्थापित किया जा रहा है जहां दुनिया की एक सबसे बड़ी बैटरी का इस्तेमाल किया जाएगा। यह शहर को 7 प्रतिशत बिजली प्रदान करेगा एवं इसकी लागत बैटरी के लिए 1.3 सेंट प्रति यूनिट और सौर ऊर्जा के लिए 1.997 सेंट प्रति किलोवाट घंटा होगी। यह किसी भी जीवाश्म ईंधन से उत्पन्न ऊर्जा से काफी सस्ती है। मार्च 2019 में ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस द्वारा 7000 से अधिक वैश्विक भंडारण परियोजनाओं के विश्लेषण से पता चला है कि 2012 के बाद से लीथियम बैटरी की लागत में 76 प्रतिशत की कमी आई है। एक अन्य अध्ययन के अनुसार 2030 तक इसकी कीमतें आधी होने का अनुमान है जो '8-मिनट सोलर एनर्जी' नामक कंपनी द्वारा लगाए गए अनुमान से भी कम है। 'ब्लूमबर्ग न्यू एनर्जी फाइनेंस' नवीन सौर-प्लस-स्टोरेज कैलिफोर्निया में तैयार करने जा रही है। इस परियोजना से प्रतिदिन 400 मेगावाट सौर संयंत्रों का जाल बनाया जाएगा जिससे सालाना लगभग 876000 मेगावॉट घंटे बिजली पैदा होगी। यह दिन के समय 65000 से अधिक घरों के लिए पर्याप्त होगी। इसकी मुख्य विशेषता यह है कि इसकी 800 मेगावॉट घंटे की बैटरी सूरज डूबने के बाद बिजली को संग्रहित करके रखेगी जिससे प्राकृतिक गैस जनरेटर की जरूरत कम हो जाएगी। भारत में कुल सिंचित क्षेत्र के लिए 2 करोड़ पंप को बिजली से तथा 75 लाख पंप को डीजल से ऊर्जा मिलती है। कृषि क्षेत्र बिजली का एक प्रमुख उपभोक्ता है। कई राज्यों में कुल बिजली खपत में से एक-चौथाई से लेकर एक-तिहाई तक कृषि में खर्च किया जाता है। यह बिजली की मांग अगले 10 वर्षों में खेती में दुगनी होने की संभावना है। यदि इसके लिए नए विकल्प नहीं अपनाए गए तो खेती में बिजली सप्लाई की स्थिति बिगड़ती जाएगी। यदि यहां भी सौर ऊर्जा का विकल्प अपनाया जाए तो यह बिजली स्थिर कीमत के अनुबंध के आधार पर अगले 25 वर्षों तक 2.75 से लेकर 3.00 रुपए प्रति यूनिट की दर से मिल सकती है। महाराष्ट्र में सौर कृषि फीडर योजना के तहत कुल लगभग 2-3 हजार मेगावॉट के सौर संयंत्र निविदा और क्रियान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। यह करीब 7.5 लाख पंप यानी महाराष्ट्र के कुल पंप्स में 20 प्रतिशत को सौर बिजली सप्लाई करने के बराबर है। भारत स्थित क्लाइमेट ट्रेंड्स और इंग्लैंड स्थित ग्रीन टेक स्टार्टअप, राइडिंग सनबीम्स के एक नए अध्ययन से पता चला है कि भारतीय रेलवे लाइनों को सौर ऊर्जा की सीधी आपूर्ति से, रेलवे के राष्ट्रीय नेटवर्क में चार में से कम से कम एक ट्रेन को चलाने से सालाना लगभग 7 मिलियन टन कार्बन की बचत होगी। शोधकर्ताओं ने पाया कि कोयला प्रधान ग्रिड से आपूर्ति की गई ऊर्जा के बजाय सौर से आपूर्ति भी हर साल 6.8 मिलियन टन कार्बन डाईऑक्साइड तक उत्सर्जन में कटौती कर सकती है, जो देश के एक शहर कानपुर के पूरे वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है। चीन अंतरिक्ष में सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने की तैयारी कर रहा है।

आप का नजरिया

हिमाचल की चुनावी पड़ताल

राष्ट्रीय चुनाव की कसौटी के बीच हिमाचल की अपनी भी एक पड़ताल अवश्यंभावी दिखाई दे रही है। भले ही आज यानी 18 मार्च में वक्त की सूइयां सुप्रीम कोर्ट से मुखातिब हैं, लेकिन लोकसभा चुनाव के साथ उपचुनाव के दस्तावेज तैयार हैं। राजनीतिक घटनाक्रम किसको दगा दे गया या आगे चलकर उपचुनाव किस करवट बैठेंगे, यह कयास लगाना इतना भी आसान नहीं कि हम इसे सत्ता और विपक्ष के बीच अभी तौल सकें। यह दीगर है कि क्रॉस वोटिंग से पैदा हुई अनिश्चितता के आयाम जरूर बदल रहे हैं। क्रॉस वोटिंग से उपचुनाव तक पहुंची कांग्रेस के समक्ष लोकसभा से भी बड़ी चुनौती उस परिस्थिति में होगी, अगर उपचुनाव की अनिवार्यता में पार्टी को अपना सत्ता पक्ष बरकरार रखना होगा। चुनाव की जेब में भाजपा या कांग्रेस की दौलत भरी है या एक कातिल मौका सामने आकर खड़ा हो रहा है। कहना न होगा कि भाजपा को विपक्षी मछली का शिकार करना इतना रास आ गया है कि पहले अति सुरक्षित कांग्रेस से राज्यसभा की सीट सरेआम छीन ली और अब उपचुनाव की स्थिति में फिर से सियासी श्रृंगार का अवसर मिल गया। अब छह विधायकों का बागीपन अपनी आशंका की सुबह में नए चिन्ह तलाश करेगा। धर्मशाला, सुजानपुर, लाहुल-स्पीति, बड़सर, गगरेट व कुटलैहड़ के राजनीतिक लालन पालन में सुधीर शर्मा, राजेंद्र राणा, रवि ठाकुर, आईडी लखनपाल, चैतन्य शर्मा व देवेंद्र भुट्टो क्या फिर से लाडले बन पाएंगे। क्या सुप्रीम कोर्ट का फैसला उपचुनाव की संभावना को खारिज कर देगा या इसकी नौबत में आकर बागी विधायकों को फिर से अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करनी पड़ेगी। क्या क्रॉस वोटिंग का सम्मान समारोह आयोजित करके भाजपा अपने आंगन के फूल बदल कर, सभी के सभी पूर्व कांग्रेसियों को गले लगा लेगी। क्या भाजपा सुधीर शर्मा को लोकसभा चुनाव के मैदान पर उतारने की स्थिति में खुद को आजमा सकेगी। ऐसे में उपचुनाव में दोनों पार्टियों की आजमाइश सिर्फ चुनाव तक ही सीमित नहीं, बल्कि पार्टी के सामान्य जन तक भी होगी। भाजपा के आकाश में मोदी का प्रकाश तो है, लेकिन मुद्दों की पड़ताल में अब चुनावी बांड और इससे जुड़े भ्रष्टाचार के आरोप भी रहेंगे। कांग्रेस जिन विधायकों से मुक्त होकर सत्ता का नूर बढ़ाना चाहती थी, वहां अब छह नए प्रत्याशियों की खोज, मुख्यमंत्री का ओज और सरकार के पद आबंटन का बोझ स्वयं सिद्ध होने के लिए कटिबद्ध होगा। अगर उपचुनाव की छह सीटों में कम से कम चार पर कांग्रेस जीत जाए, तो यह मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के आभामंडल को राहत देगा, लेकिन यहां सारे उपचुनावों के साथ-साथ लोकसभा की चार सीटों की जीत में वह अपना एकछत्र साम्राज्य तथा पूर्व मुख्यमंत्री स्व. वीरभद्र सिंह के बाद राज्य की तस्वीर में प्रभुत्व लिख सकते हैं। इसमें दो राय नहीं कि बतौर मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के समक्ष कांग्रेस की गारंटियों से जुड़ी वचनबद्धता रही है और अपने फर्ज में वह आगे निकले हैं।

होली की मस्ती में बच्चों का रखें ख्याल

होली की मस्ती में बच्चों का ख्याल रखें क्योंकि बच्चों के लिए होली का खास महत्व होता है और बच्चे इस त्योहार में जमकर मस्ती करते हैं। होली बच्चों का मनपसंद त्योहार भी होता है। बच्चे कई दिन पहले से ही हाथों में पिचकारी लेकर होली के रंग में रंग जाते हैं। लेकिन इस मस्ती और जोश में बच्चे अपने स्वास्थ्य के प्रति बिलकुल लापरवाह हो जाते हैं। केमिकलयुक्त रंग और गुलाल जो कि देखने में खूबसूरत होते हैं हमारी आंखों और त्वचा के लिए नुकसानदायक होते हैं। अगर बच्चों के खान-पान पर भी ध्यान नहीं दिया गया तो बच्चों का हाजमा बिगड सकता है। मस्ती के इस त्योहार में अगर बच्चों का ख्याल आप नहीं रख पाये तो होली का मजा किरकिरा हो सकता है। इसलिए बच्चों को होली के दिन बाहर रंग खेलने जाने से पहले पूरी तरह सावधानी बरतना जरूरी है। हम आपको बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कुछ टिप्स बता रहे हैं।

होली में ऐसे करें बच्चों की देखभाल -

होली में आपका बच्चा अपनी पिचकारी के साथ घर से निकले तो यह जांच लीजिए कि वह केमिकलयुक्त रंगों का प्रयोग तो नहीं कर रहा है। इन खतरनाक रंगो के इस्तेनमाल से त्वचा में जलन, गंजापन, एलर्जी होने की गुंजाइश रहती है। बेहतर होगा कि बच्चों को हर्बल रंग खरीद कर दीजिए।

होली की मस्तीद में बच्चे यह भूल जाते हैं कि उनको अपने पडोसियों के साथ कैसा व्यहवहार करना चाहिए। बच्चों को समझाइए अगर कोई रंग नहीं खेलना चाहता या बीमार है तो उससे जबरदस्ती न करें।

कई बच्चे जब आपस में मिलकर एक साथ होली खेल रहें हों तो कोशिश यह कीजिए आप वहां पर मौजूद रहें। बच्चों पर हमेशा ध्यान रखें की कहीं उनके आंखों या फिर मुंह में रंग न चला गया हो।

» बच्चे के पूरे शरीर में सरसों के तेल का लेप या माश्चराइजर क्रीम लगा दीजिए, इससे रंग जल्दी छूटता है।

» होली खेलने से पहले बच्चे को ऐसा कपडा पहनाइए जिससे उसका पूरा शरीर और बाल ढकें हों। बच्चों को नए कपडे की बजाय पुराने कपडे ही पहनाएं क्यों कि नए कपडे ज्यादा रंग सोखते हैं।

» बच्चों के साथ घर में होली खेलने की बजाय किसी पार्क या खुले स्थान का ही प्रयोग कीजिए।

» कुछ बदमाश बच्चे होली में रंगो के बजाए गंदगी का प्रयोग करते हैं। अगर आप के बच्चे भी अंडा, मिट्टी, नाले या गंदे पानी का प्रयोग करना चाहें तो उनको तुरंत रोकिए।

» वह बच्चे जिनको चोट लगी हो या फिर मुंहासे आदि हों तो उन्हें डॉक्टर से सलाह लेकर ही होली खेलने दें। कुछ रंग इतने हानिकारक होते हैं कि वह त्वचा के माध्यम से अंदर प्रवेश कर शरीर को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

» होली में बच्चों को रसायनयुक्त रंगों की बजाय घर में ही ईको फ्रैंडली रंग बनाकर दीजिए।

» बच्चों को गुब्बारों में रंग भरकर होली न खेलने दीजिए। क्योंकि कई बार गुब्बारा फूटने से चोट लग सकती है और रंग आंखों में जा सकता है।

बच्चे अक्सर होली खेलते-खेलते कुछ खा लेते हैं जिससे रंग पेट में चला जाता है और खतरनाक साबित हो सकता है। होली खेलने का असली मजा तभी है जब बच्चों के साथ प्राकृतिक रंगों का इस्तेमाल करके सुरक्षित होली खेली जाए।

होली में अपनी त्वचा बालों को न करें नजरअंदाज

होली में लोग इस कदर रंगों में सराबोर हो जाते हैं कि उन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि ये रंग आपके चेहरे व बालों के लिए कितना नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसलिए होली खेलने से पहले व बाद में आपकी त्वचा को खास ख्याल की जरूरत होती है। होली खेलने के बाद भी त्वचा बहुत रुखी हो जाती है। आईए जानें होली पर कैसे रखें अपनी त्वचा का खास ख्याल।

»होली खेलने से पहले अपने हाथ-पैर, चेहरे, और शरीर पर अच्छे से नारियल या सरसों का तेल या बॉडी लोशन लगा लें।

»बालों को रंगों से बचाने के लिए नारियल तेल, सरसों के तेल या जैतून के तेल अच्छे से लगाएं।

»रंग खेलने के बाद नहाने के लिए मुल्तानी मिट्टी का प्रयोग कर सकते हैं। त्वचा पर भिगोई हुई मुल्तानी मिट्टी लगाएं और थोड़ी देर सूखने दें। फिर उसे धो लें। इससे रंग छुड़ाने में काफी मदद मिलेगी।

»संभव हो तो बालों को रंगो से बचाने के लिए बालों को ढककर होली खेलें।

होली में रंग रोमछिद्रों में चले जाते हैं। ऐसे में आप चेहरे पर भाप ले सकती हैं जिससे रोमछिद्र खुल जाएंगे और रंग आसानी से निकल जाएगा।

»शरीर से रंगों को छुड़ाने के लिए सौम्य साबुन का इस्तेमाल करें।

»बालों से रंग निकालने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। शैंपू के बाद कंडीशनर लगाना नहीं भूलें।

»रंग खेलने के बाद नहाने के लिए गर्म पानी की बजाय ठंडे पानी का इस्तेमाल करें।

»रंग छुडाने के लिए आप उबटन का इस्तेमाल कर सकती हैं। इससे त्वचा को कोई नुकसान भी नहीं होगा। उबटन के लिए बेसन में नींबू व दही मिलाकर उबटन बना लें और धीरे-धीरे रगड़ें। रंग आसानी से छूट जाएगा।

»सिर से जितना सूखा रंग झाड़ सकते हैं, निकाल दें। उसके बाद सूखे, मुलायम कपड़े से रंग साफ कर लें। रंगों को आहिस्ता से छुड़ाएं, ज्यादा जोर से रगडने पर त्वचा में जलन होने लगती है और अधिक रगड़ से त्वचा छिल भी जाती है।

»नींबू का रस और दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे लगाकर रंग छुड़ाएं फिर नहा लें। इससे भी रंग उतर सकता है।

»नारियल के तेल या दही से त्वचा को धीरे-धीरे साफ कर सकते हैं।

»बालों से रंग निकालने के लिए बेसन या दही-आंवले (एक रात पहले भिगोकर रखे आंवले) से भी सिर धो सकते हैं। इसके बाद बालों में शैंपू करें।

» नहाने के बाद त्वचा रुखी हो जाती है ऐसे में चेहरे पर मॉइश्चराइजर और हाथ-पैरों में बॉडी लोशन लगाएं।

इस बार होली के रंग होंगे सेहत के संग

होली के दौरान सेहत का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। होली के दौरान तो आप उत्साह में सब भूल जाते हैं लेकिन परेशानी का सबब बनता है बाद में। आपको होली के बाद शुरू होती है कई परेशानियां। ऐसे में आप ना सिर्फ स्वास्थ्य संबंधी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं बल्कि आप होली के दौरान त्वचा संबंधी, बालों संबंधी समस्याओं से ग्रसित हो सकते हैं। आपको चाहिए कि आपके होली के रंग, सेहत के संग हो। यानी आपकी होली ऐसी निराली हो जिससे आपकी सेहत भी बरकरार रहे। आइए जानें उन उपायों को जिनसे होली के दौरान आपको कोई समस्या भी ना हो और आपके होली के रंग, सेहत के संग सेलिब्रेट हो।

होली खेलने से पहले बरते सावधानियां

सनस्क्रीन लोशन लगाएं

आपको होली के रंगों से सराबोर होने से पहले अपने चेहरे, हाथों और शरीर के खुले हिस्सों पर मॉश्चराइजर क्रीम या फिर सनस्क्रीन लोशन अच्छी? तरह से लगाना चाहिए। क्रीम को लगभग 10 मिनट तक त्वचा पर रगड़े और उसके बाद कुछ देर सूखने दें। ये उपाय ना सिर्फ आपको होली के रंगों से होने वाली साइड इफेक्ट्स से बचाएगा बल्कि आपको धूप के नुकसान से भी बचाएगा।

तेल भी है बढ़िया विकल्प

आप यदि लोशन या क्रीम नहीं लगाना चाहते तो आप तेल भी लगा सकते हैं, इसके लिए आपको चाहिए कि आप शरीर के खुल हिस्सों पर ऑयल लगाएं, इससे आपकी त्वचा पर रंग नहीं चढ़ेगा।

पूरे आस्तीन के कपड़े है जरूरी

होली के रंग में आपकी सेहत भंग ना हो तो आपको चाहिए कि आप फुल स्लीव्स के कपड़े पहनें। इससे आप धूप और कृत्रिम रंग दोनों से बच जाएंगे।

हल्के रंगों का करें इस्तेमाल

आपको होली को हेल्दी बनाने के लिए चाहिए कि आप होली पर सूखे और हल्के रंगों का इस्तेमाल करें। इसके लिए गुलाल बढ़िया विकल्प है।

होंठों की देखभाल भी है जरूरी

होली के दौरान चेहरे के साथ ही होंठ भी आपकी सुंदरता में चार चांद लगाते हैं लेकिन होंठ, होली के रंगों से फट सकते हैं या फिर खराब हो सकते हैं। ऐसे में आपको चाहिए? कि आप होंठो पर वैसलीन लगाएं और कुछ-कुछ देर में होंठों पर इसे लगाते रहें। इससे आपके होंठ सुरक्षित रहेंगे।

आंखें की करे देखरेखहर्बल रंगों का इस्तेमाल करेंजलन होने पर चेहरा धोएं

इसके लिए आपको चाहिए कि आप अपनी आंखों में रंग को जाने से बचाएं। यदि होली खेलने के दौरान रंग आंखों में चला भी जाता है तो आपको चाहिए कि तुरंत साफ पानी से आंखें धो लें। यदि पानी से धोने के बाद भी आपकी आंखों में जलन होती है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क कर आंखों में आई ड्रॉप डालें। आप जब रंग खरीदने जाएं तो ध्यान रखें कि हर्बल रंग ही खरीदे ये थोड़े महंगे जरूर होंगे लेकिन
से हतमं द

होगे। अपने दोस्तों को भी इस बात के लिए प्रेरित करें कि वे हर्बल रंग ही खरीदें। आप चाहे तो नॉन टॉक्सिक कलर्स भी ले सकते हैं। यदि चेहरे पर या त्वचा पर रंग लगने पर जलन होती है तो आपको चाहिए कि आप तुरंत जलन वाले हिस्से को धोएं और उस पर क्रीम या कैलामाइन लोशन लगाएं। आप चाहें तो ऐलोवेरा जैल भी लगा सकते हैं। इन उपायों को अपनाकर आप निश्चित तौर पर होली के रंग, सेहत के संग खेल सकते हैं।

होली पर मिलावटी मिठाइयों से दूर रहें

होली में जहां एक ओर रंगों की फुहार का लोग मजा लेते हैं वहीं दूसरी तरफ बिना मिठाइयों और गुझियों के होली अधूरी लगती है। पहले लोग त्योहारों पर घर में ही मिठाइयां बनाते थे लेकिन समय के अभाव में ज्यादातर लोग बाजार से ही बनी हुई गुझिया व मिठाई लेकर आते हैं। लेकिन आजकल बाजार में मौजूद मिठाइयां बहुत मिलावटी हो गई हैं जिनके सेवन से कई प्रकार की बीमारियां हो जाती हैं। मिलावटी मिठाई खाने से पेट संबंधी कई बीमारियां हो जाती हैं और फूड प्वाइजनिंग का खतरा बढ जाता है। मिलावट होने पर भी लोग मिठाइ बाहर से ही खरीदते हैं। इन मिठाइयों की खुशबू और डिजाइन देखकर लोग ज्यादा खा लेते हैं जो कि नुकसानदायक होता है। इसलिए होली में जहां तक संभव हो मिलावटी मिठाइयों से दूर रहें।

» मिलावटी मिठाई से नुकसान

मिलावटी खाद्य पदार्थों के सेवन से सबसे ज्यादा नुकसान लीवर को होता है। लीवर में सूजन आ जाती है।

» मिलावटी खाद्य पदार्थ खाने से आंतों में संक्रमण हो जाता है, जिसके चलते आंतों में सूजन आ जाती है और उसमें छेद हो सकता है।

» मिलावटी मिठाई खाने से पीलिया होने की संभावना ज्यादा हो जाती है।

» सिंथेटिक दूध के इस्तेमाल से कैंसर होने का खतरा बढ जाता है।

» मिलावटी मिठाई के सेवन से फूड प्वाइजनिंग के अलावा उल्टी व दस्त भी हो सकता है।

» होली में मिलावटी मिठाई, पनीर व घी खाने से सिर दर्द, पेट दर्द व त्वचा रोग हो सकते हैं।

» मिलावटी मिठाई खाने से शरीर में सूजन हो सकती है।

» महिलाओं की माहवारी में दिक्कत हो सकती है।

» ज्यादा मिलावटी मिठाई खाने से खून की कमी भी हो सकती है।

मिलावटी खाद्य-पदार्थ कैसे बनते हैं

होली में ज्यादातर व्यंजन दूध से बने होते हैं। मिलावटी मावा बनाने के लिए दूध की बजाय दूध पाउडर रसायन, आलू, शकरकंद, रिफाइंड तेल आदि प्रयोग किए जाते हैं। सिंथेटिक दूध बनाने के लिए पानी में डिटर्जेंट पाउडर, तरल जेल, चिकनाहट लाने के लिए रिफाइंड व मोबिल आयल एवं एसेंट पाउडर डालकर दूध को बनाया जाता है। यूरिया का घोल व उसमें पाउडर व मोबिल डालकर भी सिंथेटिक दूध तैयार किया जाता है। इसमें थोड़ा असली दूध मिलाकर सोखता कागज डाला जाता है। इससे नकली मावा व पनीर भी तैयार किया जाता है।

कैसे पहचानें मिलावटी खाद्य-पदार्थ

मावे में मिलावट की पहचान आयोडीन जांच या फिर चखकर उसके स्वाद और रंग से किया जा सकता है। सामान्य तौर पर लोग आयोडीन की जांच नहीं कर पाते। लेकिन मिलावटी मावे से बचने के लिए उसे पूरी तरह जांच परख लीजिए। मिलावटी या नकली मावे का स्वाद व रंग सामान्य से विभिन्न और कुछ खराब होता है। मिलावटी खोवे को उंगलियों में लेकर रगडें यदि उसमें चिकनापन नहीं है तो समझो वह नकली है।

होली के त्योहार में मिलावटी मिठाइयों का सेवन आपको अस्पताल पहुंचा सकता है। इसलिए कोशिश यही होनी चाहिए की होली के व्यंजनों को घर पर ही बनाइए।

होली से पहले बालों की देखभाल

होली आने वाली है, सभी लोग रंगो की मस्ती में मस्त हो जाते हैं। लेकिन एक टेंशन सबको रहती है कि होली में अपने बालों को रंगों से कैसे बचाएं। रंगों में इतने केमिकल मिले होते हैं कि उससे आपके बाल रुखे और बेजान हो सकते हैं। ऐसे में आपको जरूरत है अपने बालों का खास ख्याल रखने की। आईए जानें कैसे होली खेलने से पहले बालों का कैसे रखें खास ख्याल।

बालों में तेल लगाएं

होली खेलने से पहले अपने बालों में अच्छे से तेल लगाएं। आप नारियल का तेल या जैतून का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। अगर आपको नारियल का तेल नहीं पसंद तो आप जोजबा व रोजमेरी के तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। तेल को स्कैलप व बालों में अच्छी तरह लगाएं जिससे रंग बालों के अंदर तक नहीं जाएगा और नहाते समय रंग निकलने में भी आसानी होगी।

हर्बल रंगो का प्रयोग करें

कोशिश करें कि हर्बल रंगों से ही होली खेलें। आप चाहें तो घर पर हर्बल रंग तैयार कर सकती है और उससे ही अपने दोस्तों के साथ होली खेल सकती हैं। या अगर आप बाजार से हर्बल रंग खरीद रहीं है तो खरीदने से पहले देख लें रंग पाउडर या मैदे जैसे मुलायम हों। रसायनिक रंगों से आपके बालों की चमक खत्म हो जाती है। बाल रुखे और बेजान से लगने लगते हैं।

बालों को ढक लें

अगर आप चाहती है कि आपके बालों में थोड़ सा भी रंग नहीं जाए तो आप होली खेलते समय अपने बालों का ढक सकती है। यह सबसे अच्छा तरीका है बालों को रंगो से बचाने का। होली खेलते समय आप तौलिया या दुपट्टे से अपने बालों को ढक लें या कैप लगा लें। इससे रंग बालों में नहीं जाएगा।

तुरंत निकालें रंग

अगर आपके बालों में रंग चला गया है तो उसे जल्द से जल्द निकालने की कोशिश करें। क्योंकि जितनी देर तक रंग आपके बालों में रहेगा वो नुकसान करेगा।

बालों को साफ रखें

रंग खेलने से पहले किसी अच्छे शैंपू से बालों को धो लें। इससे बालों में जो पहले से गंदगी या फिर रूसी का साफ होना जरुरी है, नहीं तो रंगों के साथ वह भी बालों में चिपक जाएगी जिससे फंगल इंफेक्शन या फिर बालों के कमजोर होने का खतरा हो सकता है।

बालों को बांध कर रखें

अगर आपके बाल लंबे हैं उन्हें बांध कर ही होली खेलें। बाल बांधने से बालों की जड़े छिप जाएंगी। इससे बालों की जड़ों में रंग नहीं जा पाएगा और बालों को नुकसान नहीं पहुंचेगा।

इको फ्रैंडली होली प्लीज

होली का नाम सुनते ही रंगों और मस्ती का माहौल याद आ जाता है। होली में रंग खेले बगैर रहें तो होली एकदम अधूरी सी लगती है। होली में कई प्रकार के रंगों का प्रयोग होता है, जिनका असर कई दिनों तक कम नहीं होता है। बेशक रंग खेलने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन ये रंग स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकते हैं। बाजार के रंगों में इतना ज्यादा केमिकल का प्रयोग होता है कि वह हेल्थ के लिए बहुत खतरनाक होता है।

कई रंग तो एलर्जी पैदा करते हैं। होली का मजा और आता है जब आप सूखे रंगों से होली खेलें, इससे कई लीटर पानी बर्बाद होने से बचाया जा सकता है। इसके अलावा इस बार होली में आप अपने घर में प्राकृतिक वस्तुओं का इस्तेमाल करके इको फ्रेंडली रंग तैयार करके होली खेल सकते हैं। इससे स्वास्थ्य को भी कोई खतरा नहीं रहेगा और आपकी होली सुरक्षित होगी।

कैसे बनाएं प्राकृतिक रंग

प्राकृतिक जडी-बूटियों और फूल पत्तियों को मिलाकर रंग तैयार कर इको फ्रेंडली होली का मजा लीजिए। आईए हम आपको बताते हैं कि कैसे आप अपने घर में ही रंग तैयार कर सकते हैं ।

पीला रंग : एक टीस्पून हल्दी में चार टीस्पून बेसन मिलाकर पीला रंग तैयार कर सकते हो।

गेंदे या टेसू के फूल की पंखुड़ियों को पानी में उबालकर प्राकृतिक पीला रंग बनाया जा सकता है।

अनार के छिलकों को रातभर पानी में भिगोकर भी पीला रंग तैयार किया जा सकता है।

गेंदे के फूल की पत्तियों को मिलाकर पीला रंग बनाया जा सकता है।

गुलाबी रंग : चुकंदर के टुकड़े काटकर पानी में भिगोकर गहरा गुलाबी रंग बनाया जा सकता है।

प्याज के छिलकों को पानी में उबालकर भी गुलाबी रंग बनाया जा सकता है।

लाल रंग : लाल चंदन के पाउडर को लाल रंग के तौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। इसमें पानी मिलाकर लाल गीला रंग बनाया जा सकता है।

टमाटर और गाजर के रस को पानी में मिलाकर भी होली खेली जा सकती है।

लाल अनार के छिलकों को मजीठे के पेड की लकडी के साथ उबालकर लाल रंग बनाया जा सकता है।

हरा रंग : मेंहदी में बराबर मात्रा में आटा मिलाकर हरा रंग बनाइए। सूखी मेंहदी त्वचा पर लगने पर कोई नुकसान भी नहीं होता है। मेंहदी में पानी मिलाकर गीला रंग भी तैयार किया जा सकता है।

भूरा रंग : आमतौर पर कत्था पान खाने में प्रयोग किया जाता है। लेकिन कत्थे में पानी मिलाकर गीला भूरा रंग तैयार किया जा सकता है। इसके अलावा चायपत्ती का पानी भी भूरा रंग देता है।

काला रंग : आंवले को लोहे के बर्तन में रातभर के लिए भिगो दो। सुबह आंवलों को पानी से निकाल कर अलग कर दो। आंवले के पानी में थोड़ा और पानी मिलाकर प्राकृतिक रंग तैयार किया जा सकता है।

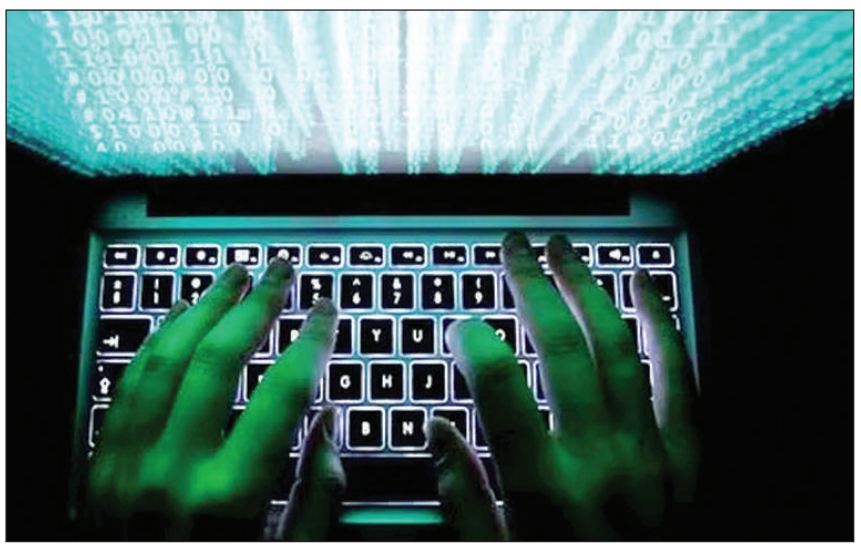

बैंकों में साइबर खतरे से निपटने की पूरी तैयारी, अधिक पैसे खर्च कर साइबर सुरक्षा को मजबूत बना रहे

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

तकनीक के बढ़ते इस्तेमाल के बीच साइबर सुरक्षा बड़ा सवाल बनकर सामने आया है। ताजा घटनाक्रम में बैंकों में साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। बैंकों में साइबर खतरों के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाने के लिए अधिक पैसे खर्च किए जा रहे हैं। बैंकों के खर्चों पर अंतरराष्ट्रीय रेटिंग एजेंसी- मूडीज की तरफ से जारी रिपोर्ट में बताया गया है कि वित्तीय संस्थानों में साइबर सुरक्षा की अहमियत पर ध्यान दिया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के दौरान 240 बैंकों में होने वाले खर्चों का आकलन किया गया।

साइबर सिक्योरिटी पर दुनियाभर के बैंकों का फोकस - मूडीज ने साइबर सुरक्षा पर खर्च होने वाली रकम के आकलन पर विस्तार से रिपोर्ट जारी की है। इसके मुताबिक दुनियाभर के बैंकों ने खुलासा किया है कि कंपनियां आकार या क्रेडिट ताकत की परवाह किए बिना साइबर सुरक्षा को मजबूत बनाने पर निवेश बढ़ा रही हैं। बैंक और वित्तीय संस्थान साइबर अपराधियों के प्रमुख निशाने पर हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि ग्राहकों के करोड़ों रुपये बैंकों के भरोसे पर खातों में जमा रहते हैं। प्रतिदिन लाखों-करोड़ों रुपये का लेन-देन होता है। बैंकों के पास खाताधारकों की निजी और गोपनीय सूचनाएं भी होती हैं।

अमेरिका और एशिया प्रशांत में अफ्रीकी देशों की तुलना में अधिक निवेश - मूडीज ने बताया कि अधिकांश वित्तीय संस्थानों में 2019 के बाद से सभी क्षेत्रों में सूचना और प्रौद्योगिकी (आईटी) का बजट बढ़ा है। खास तौर पर साइबर सुरक्षा पर जोर दिया जा रहा है। अमेरिका और एशिया-प्रशांत की कंपनियों ने यूरोप, मध्य पूर्व और अफ्रीकी देशों की तुलना में अधिक निवेश किया है।

क्लाउड आधारित आईटी ढांचे से मिल रहा सहयोग - सर्वेक्षण में शामिल बैंकों में लगभग 80 फीसदी ने कहा कि उनका बुनियादी ढांचा बैंक परिसर में ही रहता है। बैंक धीरे-धीरे मजबूत रक्षा क्षमता वाले क्लाउड सर्विस और सॉफ्टवेयर सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनियों का रूख कर रहे हैं। बड़े बैंकों का 65 फीसदी बुनियादी ढांचा परिसर के भीतर ही रहता है।

न्यूज ब्रीफ

फरवरी 2024 में 3.70 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं, मारुति-सुजुकी और टाटा सहित कई कंपनियां ला रही नए मॉडल

नई दिल्ली। फरवरी 2024 में भारत में 3.70 लाख से अधिक गाड़ियां बिकीं। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के अनुसार, ग्राहकों से मिल रहे अच्छे रुझान की वजह से ही ऑटो कंपनियां मार्केट में नए-नए मॉडल उतार रही हैं। साल 2024 के आने वाले महीनों में भी मारुति-सुजुकी और टाटा सहित कई कंपनियां अपने नए मॉडल बाजार में उतारेगी।आप भी अगर नई गाड़ी लेने की सोच रहे हैं तो आपको भी एक नजर आने वाली गाड़ियों पर जरूर मार लेनी चाहिए। हो सकता है कि आपकी फेवरेट कंपनी भी कोई धांसू मॉडल बाजार में जल्द लाने वाली हो। खास बात यह है कि इस साल एसयूवी से लेकर लगभग हर सेगमेंट में नए मॉडल आ रहे हैं। मारुति-सुजुकी अगले महीने यानी अप्रैल में न्यू जरनेरशनस्विफ्ट को लॉन्च कर सकती है। हालांकि कंपनी ने अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है। मारुति न्यू-जेन स्विफ्ट की कीमत 6.50 लाख रु. 10.00 लाख रुपये के बीच हो सकती है। सुजुकी स्विफ्ट मैनुअल और ऑटोमेटिक गियरबॉक्स ऑप्शन के साथ 1.2-लीटर डुअल जेट पेट्रोल इंजन के साथ आ सकती है। महिंद्रा एंड महिंद्रा भी अपनी लोकप्रिय एसयूवी थार का पांच दरवाजों वाला वर्जन को जून तक बाजार में उतार सकती है। अनुमान लगाया जा रहा है कि इसकी कीमत 15 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू हो सकती है। गाड़ी में 18 इंच के अलॉय व्हील, सिग्नेचर सिक्स-स्लैट ग्रिल डिज़ाइन, स्क्वायर टेल लाइट्स, चंकी व्हील क्लैडिंग, क्रूज़ कंट्रोल, रिमोट कीलेस एंट्री, सात इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर मिल सकते हैं। टाटा मोटर्स ने ऑटो एक्सपो 2024 में हैरियर ईवी पर से पर्दा उठाया था और आने वाले महीनों में कंपनी इस कार को लॉन्च सकती है।

ईडी ने देशभर में कई स्थानों पर चलाया तलाशी अभियान; 16.43 करोड़ की राशि फ्रीज, 78 लाख नकद जब्त

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने देश में कई स्थानों पर पीएमएलए के तहत तलाशी अभियान चलाकर भारी मात्रा में नकदी जब्त की है। जांच एजेंसी की अहमदाबाद शाखा ने 20 मार्च को पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत बेंगलुरु और पुणे में स्थित एक भुगतान एग्रीगेटर्स के छह परिसरों में तलाशी अभियान चलाया। यह कार्रवाई उन मर्चेंट्स आईडी के खिलाफ किया गया जिनका उपयोग दानी डेटा एप के नियंत्रकों ने आम जनता से एप के माध्यम से भुगतान प्राप्त करने के लिए किया गया। ईडी ने तलाशी अभियान के दौरान 16.43 करोड़ रुपये की राशि फ्रीज की। वहीं दूसरी ओर, एजेंसी ने 21 मार्च को दिल्ली, मुंबई और गोवा में 9 स्थानों पर कार्रवाई करते हुए दलमैन री-आईटी ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के मामले में तलाशी अभियान चलाया।

सरकारी बैंकों का एनपीए छह माह में 3.5 फीसदी तक रहने की उम्मीद, फिक्की-आईबीए ने जारी की रिपोर्ट

नई दिल्ली । देश के सरकारी बैंकों के बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। अगले छह माह में इनके और घटकर 3 से 3.5 फीसदी तक आने की उम्मीद है। फिक्की और इंडियन बैंक एसोसिएशन की ओर से जारी एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इस अवधि में निजी क्षेत्र के 67 फीसदी बैंकों के भी एनपीए में गिरावट आई है। सर्वेक्षण में शामिल 77 प्रतिशत बैंकों के एनपीए में पिछले छह माह में गिरावट आई है। निजी क्षेत्र के बैंकों की तुलना में सरकारी बैंकों की संपत्ति गुणवत्ता में अधिक सुधार हुआ है। जुलाई से दिसंबर, 2023 के बीच यह सर्वे किया गया था। इसमें निजी, सरकारी और विदेशी बैंकों सहित कुल 23 बैंकों ने भाग लिया। इन सभी की बाजार हिस्सेदारी 77 फीसदी है। सभी सरकारी बैंकों के एनपीए में कमी आई है। किसी भी सरकारी और विदेशी बैंक के एनपीए में छह माह में वृद्धि नहीं हुई है। 22 प्रतिशत निजी बैंकों का एनपीए बढ़ा है। खाद्य प्रसंस्करण और कपड़ा क्षेत्र में ज्यादा एनपीए खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्र में ज्यादा एनपीए हैं। अगले छह महीनों में 41 प्रतिशत बैंकों को गैर-खाद्य उद्योग कर्ज वृद्धि 12 प्रतिशत से ऊपर रहने की उम्मीद है।

लिथियम खदान की बोली 38 गुना अधिक, कई बड़ी कंपनियां हुई शामिल

कोरबा,22 मार्च (एजेंसियां) ।

देश की पहली लिथियम खदान कोरबा जिले के कटघोरा में खुले की उम्मीद हैं। केन्द्रीय खान मंत्रालय द्वारा की गई नीलामी में कटघोरा लिथियम ब्लॉक के लिए रिजर्व प्राइज 2 प्रतिशत के विरुद्ध 76.05 प्रतिशत की बोली आई, जो रिजर्व प्राइज से 38 गुना अधिक है। हालांकि, अभी सफल बोलीदाता का नाम सामने नहीं आया है। कटघोरा के साथ ही कश्मीर के रियासी स्थित लिथियम ब्लॉक की भी नीलामी शुरू की गई। किंतु शुरुआती दौर में ही इसके लिए समुचित बोलीदार आगे नहीं आए, जिसके कारण एमएसटीसी पोर्टल पर चल रही इसकी ऑनलाइन नीलामी रोक दी गई। लिथियम की खदान शुरू होने पर कोरबा ही नहीं बल्कि छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश में भी समृद्धि के नए द्वार खुलेंगे। कटघोरा जहां आधारभूत सुविधाओं से युक्त मैदानी इलाके में है, छत्तीसगढ़ की कानून व्यवस्था भी अच्छी है। इसी कारण से यह निवेशकों के लिए भी आदर्श राज्य माना गया। वहीं कश्मीर पहाड़ी क्षेत्र है, साथ ही वह एक संवेदनशील प्रदेश भी माना जाता है। ग्राम घुचापुर कटघोरा के आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की। बोली में ओला, वेदांता, जिंदल, श्री सीमेंट, अडाणी समूह, अल्ट्राटेक सीमेंट सहित अनेक बड़ी कंपनियां शामिल हुई। अर्जेंटीना देश की एक कंपनी की भी बोली में भाग लेने की जानकारी मिली है। यह एक नरम तथा चांदी के समान सफेद धातु है। मानक परिस्थितियों में यह सबसे हल्की धातु और सबसे हल्का ठोस तत्त्व है। यह अत्यधिक प्रतिक्रियाशील और ज्वलनशील है। ग्लोबल मार्केट में एक टन लिथियम की कीमत 57.36 लाख

रुपए है।

जितना दोहन, उसके बाजार मूल्य का 76 प्रतिशत प्रदेश को मिलेगा - दुर्लभ खनिजों की इस नीलामी की प्रक्रिया में पहले इनिशियल बीडिंग की शुरुआत की गई। इस पहले दौर की नीलामी में ही कटघोरा लिथियम ब्लॉक के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की महारत्न कंपनी कोल इंडिया सहित विभिन्न निजी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों ने रुचि दिखाई। इनमें ई-बाइक बनाने वाली ओला, वेदांता, जिंदल, श्री सीमेंट, अडाणी समूह, अल्ट्राटेक सीमेंट सहित अनेक बड़ी कंपनियां शामिल थी। अर्जेंटीना की एक कंपनी की भी बोली में भाग लेने की जानकारी मिली है। दूसरे चरण में फॉरवर्ड बीडिंग दोपहर 2 बजे से शुरू की गई ।एक अधिकारी के मुताबिक कटघोरा ब्लॉक के लिए रिजर्व प्राइस 2 प्रतिशत के विरूद्ध 76.05 प्रतिशत की बोली मिली अर्थात लिथियम दोहन की जो मात्रा होगी, उसके उस समय के बाजार मूल्य का 76 प्रतिशत छत्तीसगढ़ राज्य को मिलेगा। यह राशि हजारों करोड़ में संभावित है। इसके अलावा केन्द्र सरकार द्वारा तय 3 प्रतिशत की रायल्टी व डीएमएफ की राशि भी प्राप्त होगी। लिथियम के कटघोरा ब्लॉक के लिए कंपोजिट लाइसेंस दिया जा रहा है। जिसमें परीक्षण व खनन दोनों ही अधिकार शामिल है।

250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि - बीते वर्ष देश में सबसे पहले कश्मीर में लिथियम ब्लॉक मिलने की घोषणा केन्द्रीय खान मंत्रालय ने की थी। ऊर्जा, सीमेंट व रणनीतिक महत्व के दुर्लभ खनिज के रूप में उपयोगी लिथियम के देश में पाए जाने को एक बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा गया। इसके कुछ दिनों के बाद ही छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के ग्राम घुचापुर कटघोरा के आसपास के 250 हेक्टेयर क्षेत्र में लिथियम पाए जाने की पुष्टि जियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने की। लिथियम के इस भंडार से खनन योग्य व अच्छी गुणवत्ता का खनिज है। केन्द्रीय खान मंत्रालय ने विभिन्न राज्यों में स्थित लिथियम सहित अन्य प्रमुख दुर्लभ व रणनीतिक खनिजों के 20 ब्लाक की खुली नीलामी की प्रक्रिया शुरू की गई। लिथियम साधारण परिस्थितियों में लिथियम प्रकृति की सबसे हल्की धातु है। इसका प्रतीक (एलआई) और परमाणु संख्या 3 है। चांदी जैसा नरम और सफेद ये क्षार धातु मानक परिस्थितियों में सबसे कम सघन मेटल और सबसे कम घना ठोस तत्व होता है। वर्तमान में इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री में इसकी सर्वाधिक उपयोगिता है। डिजिटल उपकरण व ई-वाहन की बैटरी बनाने में इसका उपयोग होता है। इस्पात व सीमेंट उद्योग में भी इसका उपयोग होता है। भारत में लिथियम भंडार मिलने से सबसे बड़ा फायदा इलेक्ट्रिक व्हीकल इंडस्ट्री को होगा। इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें कम होंगी।लिथियम भंडार के लिए कंपोजिट लायसेंस दिया जाएगा। ऐसे में तय कंपनी को पहले प्रॉस्पेक्टिंग की प्रक्रिया करनी होगी यानी क्षेत्र में खनन से पहले खनन कहां से शुरू की जाए इस पर सर्वे करना होगा। इसके बाद खनन की प्रक्रिया शुरू होगी। सब कुछ ठीक रहा तो कंपनी जल्द प्रॉस्पेक्टिंग सर्वे शुरू कर सकेगी। सर्वे के बाद डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट बनाई जाएगी। लिथियम खनन शुरू होने के बाद इससे जुड़ी कंपनियां काम शुरू करेंगी। इसके लिए तकनीकी एक्सपर्ट की जरूरत पड़ेगी साथ ही संसाधनों के विकास के लिए भी लोगों की आवश्यकता होगी। इससे रोजगार मिलेगा और बाजार में भी बढ़ोतरी आएगी। प्रदेश में विकास के लिए तय राशि, रॉयल्टी व डीएमएफ के लिए भी इससे सहयोग मिलेगा, जो हजारों करोड़ रुपए में होगा।

स्मार्टफोन हो, इलेक्ट्रिक हो या नॉर्मल कार या फिर कोई और बैटरी वाला प्रोडक्ट इन सबमें लिथियम आयन बैटरी का इस्तेमाल होता है। आने वाले वक्त में एनर्जी का बड़ा सोर्स लिथियम आयन बैटरी होगी। दुनियाभर के तमाम देश पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर अपनी निर्भरता को कम कर रहे हैं। इन सबमें लिथियम का बड़ा योगदान है।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 80 लाख रुपए का जुर्माना, एफएमएस संबंधित मानदंडों का किया था उल्लंघन

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर 80 लाख रुपये का भारी भरकम जुर्माना लगाया है। एयरलाइंस द्वारा दो नियमों का उल्लंघन किया गया है। यह जुर्माना उड़ान सेवा अवधि (एफडीटीएल) सीमित करने और चालक दल के लिए थकान प्रबंधन प्रणाली (एफएमएस) से संबंधित मानदंडों का उल्लंघन करने के लिए लगाया गया। दरअसल नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने जनवरी में एयर इंडिया का ऑडिट किया था। इस दौरान डीजीसीए को कुछ सबूत मिले और इनके आधार पर यह फैसला किया गया है।

डीजीसीए ने जारी किया बयान

डीजीसीए द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि रिपोर्ट और सबूतों के विश्लेषण से कुछ बातें सामने आई हैं। पता चला है कि एयर इंडिया लिमिटेड ने कुछ मामलों में 60 साल से अधिक उम्र के दोनों चालक दल के सदस्यों के साथ उड़ान भरी थी। बयान के मुताबिक एयर इंडिया ने चालक दल को पर्याप्त आराम नहीं दिया। इसके अलावा लंबी उड़ानों से पहले और बाद में आराम देने में भी कोताही बरती।

पहले भी हो चुकी है एयर इंडिया पर कार्रवाई

इससे पहले भी डीजीसीए द्वारा एअर इंडिया पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया जा चुका है। उस दौरान एयरलाइंस को कारण बताओं नोटिस भी जारी किया गया था। दरअसल 12 फरवरी को एयरलाइंस से याक्षा करने वाले 80 वर्षीय बुजुर्ग यात्री को व्हीलचेयर नहीं दी थी। इस वजह से बुजुर्ग यात्री की मौत हो गई थी।

दिल्ली हाई कोर्ट से कांग्रेस को झटका, आयकर विभाग की कार्रवाई के खिलाफ याचिका खारिज

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

दिल्ली हाई कोर्ट ने आयकर विभाग की ओर से कांग्रेस के खिलाफ शुरू की गई पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही को चुनौती देने वाली पार्टी की याचिकाओं को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा और न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव की पीठ ने फैसला सुनाते हुए कहा हम रिट याचिकाओं को खारिज करते हैं। विस्तृत आदेश का इंतजार है।

उच्च न्यायालय ने आयकर अधिकारियों की ओर से कांग्रेस के खिलाफ तीन लगातार वित्तीय वर्षों 2014-15, 2015-16 और 2016-17 के लिए शुरू की गई कर पुनर्मूल्यांकन कार्यवाही के खिलाफ पार्टी की ओर से दायर याचिकाओं पर 20 मार्च को अपना आदेश सुरक्षित रख लिया था।

कुछ समय पूर्व पार्टी के प्रवक्ता अजय माकन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि आयकर विभाग ने 2018-19 के आयकर रिटर्न के आधार पर कांग्रेस और यूथ कांग्रेस के खातों को फ्रीज कर दिया है। उन्होंने कहा था कि आयकर विभाग ने इन दोनों खातों से 210 करोड़ रुपये की रिकवरी का भी आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि हमारे अकाउंट में जो भी क्राउडफंडिंग से जुटाई गई राशि है, उसे हमारी पहुंच से दूर कर दिया गया है।

माकन ने कहा था कि चुनाव के एलान से महज दो हफ्ते पहले ही विपक्षी पार्टी का अकाउंट फ्रीज कर दिया गया। यह लोकतंत्र को फ्रीज करने जैसा है। माकन ने बताया कि इस खाते में एक महीने की सैलरी भी दी है।

अगले पांच सालों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत, जी 20 के शेरपा ने किया दावा

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत अगले पांच सालों में अर्थव्यवस्था के मामले में जापान और जर्मनी को पीछे छोड़ देगा। ये बातें जी 20 के शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने बताई हैं। दरअसल भातीय उद्योग संघ द्वारा एक सम्मेलन का आयोजन कराया गया था। इस सम्मेलन में अमिताभ कांत ने कहा कि अगले पांच सालों में भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरा सबसे बड़ा शेयर बाजार बन जाएगा। उन्होंने कहा कि पिछली तीन तिमाहियों में भारत बड़ी ताकत के रूप में उभरा है और 8.3 प्रतिशत से अधिक की दर से आगे बढ़ रहा है।

'2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा भारत'

अमिताभ कांत ने कहा है कि अगले दशक में भारत दुनिया के आर्थिक विस्तार में लगभग 20 प्रतिशत का योगदान देगा। उन्होंने उम्मीद जताई है कि भारत 2047 तक 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनेगा। इसमें दक्षिण भारत का विकास सबसे अहम योगदान निभाएगा। अमिताभ कांत ने इस बात पर जोर दिया कि स्मार्ट शहरीकरण, और कृषि के क्षेत्र में भारत को विनिर्माण के दम पर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन्होंने सुझाव दिया कि एमएसएमई और एसएमई को आगे बढ़ाने के लिए भारत में बड़ी संख्या में बड़ी कंपनियों के निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। इसके अलावा भारत को अपने विकास के खर्च को 0.7 प्रतिशत से बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2.5-3 प्रतिशत करना चाहिए।

'इन कारणों से मिला अर्थव्यवस्था को फायदा'

अमिताभ कांत ने कहा कि भारत में विकास की गति को तेज करने के लिए हम वस्तु और सेवा कर लेकर आए, जिससे हमें अच्छा फायदा मिल रहा है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप इंडिया भी भारत के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रहा है। इस अभियान को शुरु करते समय भारत के पास केवल 150 स्टार्टअप थे, जिनकी संख्या अब बढ़कर 1,25,000 हो चुकी है।

एपल की बढ़ी मुश्किलें

पहले मुकदमा दायर, अब शेयर बाजार में तगड़ा झटका, एक ही दिन में गंवाए 113 अरब डॉलर

वॉशिंगटन,22 मार्च (एजेंसियां) ।

आईफोन बनाने वाली कंपनी एपल की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले एपल पर उपभोक्ताओं और छोटी कंपनियों को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगा और अब शेयर बाजार में बड़ा झटका लगा है।

एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू

दरअसल, अमेरिकी सरकार ने एपल पर एंटीट्रस्ट कानूनों का उल्लंघन करने का मुकदमा दायर किया है। अमेरिकी न्याय विभाग और 16 स्टेट अटॉर्नी जनरल ने एपल के खिलाफ एक एंटीट्रस्ट मुकदमा शुरू किया है। वहीं, यूरोप में कंपनी को इस बारे में जांच का सामना करना पड़ रहा है कि क्या वह क्षेत्र के डिजिटल बाजार अधिनियम का अनुपालन कर रही है।

शेयर बाजार में एपल को झटका

भारत में पिछले एक दशक में मोबाइल का उत्पादन तेजी से बढ़ा है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-

दिसंबर के दौरान अमेरिका को भारत का स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 3.53 अरब डॉलर हो गया था, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 99.8 करोड़ डॉलर था। हालांकि, अब एपल कंपनी के शेयर 4.1 फीसदी फिसल गए। इससे एक ही दिन में कंपनी के बाजार मूल्य में करीब 113 अरब डॉलर की गिरावट दर्ज की गई।

यह पहली बार नहीं है जब एपल किसी जांच के घेरे में आया है। कंपनी और उससे जुड़े लोग वर्षों से प्रतिस्पर्धियों को दबाकर खुद को लाभ पहुंचाने जैसे आरोपों का सामना कर रहे हैं। हालांकि, जैसे-जैसे एपल के उत्पाद अधिक लोकप्रिय हुए हैं और दुनिया भर में दैनिक जीवन का एक हिस्सा बन गए हैं, तब से प्रशासन भी इसके प्रति सतर्क हो गया है।

यह हैं आरोप

एपल ने एंटीट्रस्ट लॉ का उल्लंघन कई नीतियों को रिस्ट्रिक्ट और कंपटीशन को रोककर किया है, जो अन्य कंपनियों को डिजिटल वॉलेट जैसे अपने प्रोडक्ट को कंपटीट करने वाले एप्लिकेशन पेश करने से रोकती है। इससे संभावित रूप से आईफोन का मूल्य कम हो जाता।

न्यू जर्सी डिस्ट्रिक्ट के लिए अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे के अंश के अनुसार, एपल के कार्यों से उपभोक्ताओं और उसकी सेवाओं के साथ कंपटीशन करने वाली छोटी कंपनियों को नुकसान होता है। सरकार का दावा है कि एपल के इस आचरण ने पिछले कुछ वर्षों में उसके स्मार्टफोन एकाधिकार को मजबूत किया है, जिससे अनुचित लाभ हुआ है। मुकदमे के केंद्र में एपल का प्रमुख उत्पाद आईफोन है। आलोचकों का तर्क है कि एपल अपने डिवाइस पर यूजर्स एक्सपीरिएंश को सख्ती से कंट्रोल करता है। अपने ही प्रोडक्ट और सेवाओं को कंपटीटर्स से अधिक तरजीह देता है।

जॉर्ज वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी लॉ स्कूल में एंटीट्रस्ट प्रोफेसर बिल कोवासिक ने कहा कि एक साथ कई मामले सामने आने पर कंपनी को नुकसान होना तय होता है। कंपनी मुकदमे जीत भी जाती है, तब भी वह दूसरी तरीके से हार चुके होंगे।

एपल की सफाई

एपल ने अमेरिकी जिला न्यायालय में दायर मुकदमे को गलत बताया। साथ ही चेतावनी दी की इस कार्रवाई से कंपनी की इन्वोशन की क्षमता को खतरा होगा। इसके अलावा, प्रौद्योगिकी डिजाइन में सरकारी हस्तक्षेप करना एक खतरनाक मिसाल कायम कर सकती है। कंपनी ने कार्रवाई के खिलाफ सख्ती से बचाव करने की कसम खाई। हालांकि, कंपनी ने यूरोपीय जांच पर कुछ नहीं कहा।

गले में भगवा गमछा, राम भक्ति में लीन, आईपीएल 2024 से पहले सनातन रंग में रंगे दिखे डेविड वॉर्नर

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत में फटाफट क्रिकेट का महाकुंभ यानी आईपीएल 2024 का आगाज 22 मार्च से होने जा रहा है। फैंस भी क्रिकेट के इस महाकुंभ के लिए तैयार हैं। फैंस अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को देखने के लिए बेताब हैं। इससे पहले सोशल मीडिया पर दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इस में वह फैंस के साथ जय श्री राम बोलते हुए दिखाई दे रहे हैं।

दिल्ली कैपिटल्स के सलामी बल्लेबाज डेविड वॉर्नर अपने रील्स को लेकर हमेशा से चर्चा में रहते हैं। भारत के साथ उनका प्रेम जग जाहिर है। वह अक्सर हिंदी गानों पर रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करते रहते हैं। वहीं, आईपीएल से पहले कुछ फैंस के साथ डेविड वॉर्नर का वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ फैंस डेविड को राम नाम का भगवा गमछा भेंट करते हुए दिखाई दे रहे हैं।

वॉर्नर ने लगाया जय श्रीराम का नारा

वीडियो में यह भी दिख रहा है कि फैंस उन्हें अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की मोमेंटो गिफ्ट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जब फैंस ने जय श्रीराम का नारा लगाया तो डेविड वॉर्नर ने भी जय श्रीराम का नारा लगाकर फैंस का साथ दिया। सोशल मीडिया पर डेविड वॉर्नर की यह अदा देख फैंस का वीडियो खूब पंसद किया जा रहा है। वीडियो को खूब शेयर किया जा रहा है।

ऋषभ पंत बनाए गए कप्तान

बता दें कि आईपीएल शुरु होने से पहले दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाईजी ने कप्तान का ऐलान कर दिया। ऋषभ पंत की वापसी पर दिल्ली ने उन्हें फिर से कप्तान बना दिया है। 23 मार्च को मोहली में दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स के साथ भिड़ने को तैयार है। दोनों टीमें मोहली पहुंच गई हैं और अपनी रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

न्यूज ब्रीफ

शुभमन को अपने फैसले लेने को प्रेरित करूंगा : विलियमसन

नई दिल्ली । न्यूजीलैंड के अनुभवी बल्लेबाज केन विलियमसन ने आईपीएल 2024 सत्र के लिए गुजरात टाइटंस के कप्तान बने शुभमन गिल की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनके पास एक बेहतर कप्तान बनने की सभी क्षमताएं हैं। विलियमसन के अनुसार अगर इस टूर्नामेंट में शुभमन को मेरी किसी सहायता की जरुरत पड़ेगी तो मैं उपलब्ध रहूंगा। विलियमसन ने कहा, 'शुभमन एक अच्छा खिलाड़ी है और उसके पास क्रिकेट को लेकर एक अच्छा दिमाग है। मैं निश्चित तौर पर उसे इस राह पर आगे बढ़ने और अपने फैसले लेने के लिए प्रेरित करूंगा। इसमें कोई संदेह नहीं कि वह भी ऐसा ही करने का प्रयास करेगा। पांड्या के मुंबई इंडियंस में जाने के बाद ही शुभमन को गुजरात टाइटंस का कप्तान बनाया गया था। आईपीएल में कप्तानी करना उनके लिए नया अनुभव होगा पर विलियमसन ने कहा कि गिल को जब भी उनकी मदद की जरूरत पड़ेगी, वह हमेशा इसके लिए तैयार रहेंगे। विलियमसन ने कहा, 'मुझे शुभमन की किसी भी तरह से मदद करने में बहुत खुशी होगी और शुभमन भी इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं। टाइटंस ने 2022 में आईपीएल का खिताब जीता था जबकि इसके एक साल बाद वह उपविजेता रहा था। विलियमसन का मानना है कि गिल टीम को आगे बढ़ाने के लिए पर्याप्त योग्यता रखते हैं।

साथियान ने ऐतिहासिक डब्ल्यूटीटी फीडर खिताब जीता

बेरूत। साथियान ज्ञानसेकरन डब्ल्यूटीटी फीडर सीरीज इवेंट में पुरुष एकल ट्रॉफी जीतने वाले पहले भारतीय पैडलर बन गए हैं। उन्होंने हमवतन मानव विकास ठक्कर को 3-1 (6-11, 11-7, 11-7, , 11-4) से हराया। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान ने सेमीफाइनल मुकाबले में चीनी ताइपे के चुआंग चिह-युआन को 3-1 (11-8, 11-13, 11-8, 11-9) से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई थी। वहीं, मानव ठक्कर ने भी सेमीफाइनल में पूर्व विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एएन जेह्युन को सीधे गेम में 3-0 (11-9, 11-8, 12-10) से हराया था। यह पहली मौका था, जब दो भारतीय खिलाड़ियों ने डब्ल्यूटीटी फीडर इवेंट में पुरुष एकल फाइनल के लिए प्रतिस्पर्धा की। डब्ल्यूटीटी इवेंट में ज्ञानसेकरन की ये पहली पुरुष एकल सफलता और आईटीटीएफ चेक इंटरनेशनल ओपन 2021 के बाद किसी अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग इवेंट में उनका पहला एकल खिताब है। मानव के लिए ये दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहा। वह तीनों फाइनल - पुरुष एकल, पुरुष युगल और मिश्रित युगल में शामिल थे। पुरुष युगल फाइनल में, मानव ठक्कर और मानुष शाह की जोड़ी को विश्व नंबर 29 जॉर्ज कैंपोस और क्यूबा के एंडी परेरा के खिलाफ 3-1 (5-11, 11-7, 13-11, 14-12) से हार मिली। मिश्रित युगल फाइनल में, दीया चितले और मानुष शाह ने मानव ठक्कर और अर्चना कामथ को 3-1 (11-6, 10-12, 11-6, 11-6) से हराकर ख़िताब हासिल किया।

घरेलू क्रिकेट में ये बदलाव करे बीसीसीआई : गावस्कर

मुम्बई । पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) से घरेलू क्रिकेट में कुछ बदलाव करते हुए राज्य संघों को अनुबंध का अधिकार देने को कहा है। गावस्कर ने कहा कि, अगर राज्य संघ के पास अनुबंध का अधिकार तो उसके खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। ऐसा नहीं करने पर राज्य संघ उसे आईपीएल के लिए जरुरी नो ऑब्जेक्श सर्टिफिकेट रोक सकते हैं। साथ ही कहा कि रणजी ट्रॉफी खेलने के लिए वेतन को भी एक स्लैब सिस्टम के तहत ही बढ़ाया जाना चाहिए। इससे पहले बीसीसीआई ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेटरों के लिए टेस्ट क्रिकेट इंसेंटिव स्कीम पेश की थी। वहीं गावस्कर अब चाहते हैं कि घरेलू खिलाड़ियों के पैकेज में भी आईपीएल की तरह ही बढ़ोतरी की जाये। साथ ही बीसीसीआई की तरह राज्यों के क्रिकेट संघ के पास भी केन्द्रीय अनुबंध होना चाहिये। इससे फिट होने वाले खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य रहेगा। साथ ही कहा कि खिलाड़ियों को घरेलू प्रथम श्रेणी क्रिकेट के लिए प्रोत्साहित करने के लिए शेड्यूल में बदलाव की आवाश्यता है।

पेरिस ओलंपिक में शरत कमल होंगे भारत के ध्वजवाहक, दल की अगुवाई करेंगी मुक्केबाज मैरीकॉम

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

अनुभवी टेबल टेनिस खिलाड़ी और राष्ट्रमंडल खेलों के चैंपियन शरत कमल इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक में भारत के ध्वजवाहक होंगे। वहीं, दिग्गज मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम को बृहस्पतिवार को देश के दल का प्रमुख (शेफ डी मिशन) नियुक्त किया। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने यह घोषणा करते हुए कहा कि यह 41 वर्षीय टेबल टेनिस खिलाड़ी ओलंपिक में प्रतिस्पर्धा करते समय हमारे दल की एकता और भावना का प्रतीक है।

छह बार की विश्व चैंपियन और 2012 लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता मैरीकॉम के साथ शीतकालीन ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले शिवा केशवन को भारतीय दल का उप प्रमुख नियुक्त किया गया। आईओए ने कहा, 'मैरीकॉम का खेलों के प्रति समर्पण और प्रेरणादायी यात्रा ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करने के लिए स्वाभाविक पसंद बनाती है। केशवन के पास अपार अनुभव तथा टीम प्रबंधन के साथ काम करने का ज्ञान है।

निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे गगन नारंग - ओलंपिक कांस्य पदक विजेता निशानेबाज गगन नारंग निशानेबाजी रेंज में भारतीय टीम का संचालन करेंगे। ओलंपिक में निशानेबाजी रेंज मुख्य स्थल से काफी दूर है। भारत पेरिस ओलंपिक में निशानेबाजी में अपनी सबसे बड़ी टीम भेजेगा क्योंकि देश अभी तक 19 कोटा स्थान हासिल कर चुका है। आईओए ने बयान में कहा, 'ये नियुक्तियां अनुभव, विशेषज्ञता और नेतृत्व कौशल को देखकर की गई हैं जो वैश्विक मंच पर हमारे खिलाड़ियों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देगी।'

पीटी उषा का बयान - आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा ने इन नियुक्तियों के संबंध में कहा, 'हम पेरिस ओलंपिक खेलों में हमारे दल का नेतृत्व करने के लिए अधिकारियों की इतनी प्रतिष्ठित और क्षमतावान टीम पाकर बहुत खुश हैं। खेलों में उनकी विशेषज्ञता, समर्पण और जुनून निश्चित तौर पर हमारे खिलाड़ियों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने और देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगा।

गुजरात ने मिंज के बदले शरत को शामिल किया, आरआर में ज़म्पा की जगह कोटियन

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल के 17वें सीजन के लिए रॉबिन मिंज के स्थान पर बी आर शरत को नामित किया, जबकि तनुष कोटियन एडम ज़म्पा के स्थान पर राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। शरत और कोटियन क्रमशः 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर गुजरात टाइटंस और राजस्थान रॉयल्स में शामिल हुए। घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक का प्रतिनिधित्व करने वाले विकेटकीपर-बल्लेबाज शरत ने अब तक 20 प्रथम श्रेणी मैचों और 43 लिस्ट ए मैचों के अलावा 28 टी20 मैच खेले हैं और उनके नाम पर 328 टी20 रन दर्ज हैं। कोटियन, जिन्होंने हाल ही में मुंबई के 42वां रणजी ट्रॉफी खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई अब, 20 लाख रुपये के बेस प्राइस पर आरआर में शामिल हुए। उन्होंने 23 टी20, 26 प्रथम श्रेणी मैच और 19 लिस्ट ए मैचों में मुंबई का प्रतिनिधित्व किया है। एडम ज़म्पा ने निजी कारणों से आईपीएल 2024 से अपना नाम वापस ले लिया। दूसरी ओर, गुजरात के अनकैप्ड विकेटकीपर-बल्लेबाज रॉबिन मिंज इस महीने की शुरुआत में बाइक दुर्घटना का शिकार हो गए। मिंज आईपीएल का हिस्सा बनने वाले आदिवासी समुदाय के पहले खिलाड़ी बन गए थे, जब पिछले दिसंबर में खिलाड़ियों की नीलामी में टाइटंस ने उन्हें 3.6 करोड़ रुपये में चुना था।

राहुल के पास आईपीएल से टी20 विश्वकप में जगह बनाने का अवसर : लैंगर

नई दिल्ली,22 मार्च ।

लखनऊ सुपर जाइंट्स के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा है कि अगर राहुल आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करते हैं और टीम को जीत दिलाते हैं तो आगामी टी20 विश्वकप में उन्हें जगह मिलना तय है। राहुल चोटिल होने के कारण पिछले कुछ समय से टीम से बाहर हैं। ऐसे में टी20 टीम में चयन के लिए उन्हें आईपीएल में अच्छी बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग करनी होगी।

राहुल टीम के कप्तान भी हैं, ऐसे में उनके ऊपर काफी जिम्मेदारियां भी हैं जिसको देखते हुए उनपर दबाव भी रहेगा ऐसे में बेहतर प्रदर्शन आसान नहीं होगा। इसपर लैंगर ने कहा कि यह कठिन नहीं है। उन्होंने कहा, 'अगर टीम अच्छा करती है तो हर किसी को लाभ होता है। केएल अगर लखनऊ टीम को आईपीएल खिताब दिलाते हैं तो इसका मतलब होगा कि उन्होंने अच्छी कप्तानी, अच्छी बल्लेबाजी और अच्छी विकेटकीपिंग की है। राहुल के अलावा लखनऊ के लेग स्पिनर रवि बिश्नोई भी टी20 विश्वकप के लिए दौड़ में हैं। लैंगर ने कहा, 'राहुल या बिश्नोई के लिए साफ संदेश है कि लखनऊ टीम के लिए अच्छा खेलने पर ध्यान दें इससे टी20 विश्व कप टीम में जगह हासिल करना आसान होगा। वहीं लखनऊ टीम के पूर्व मेंटोर गौतम गंभीर अब केकेआर से जुड़ गए हैं। यह पूछने पर कि क्या टूर्नामेंट के दौरान उनसे मतभेद हो सकते हैं। इसपर लैंगर ने कहा कि वह टीम के लिये गंभीर के योगदान को जानते हैं। उन्होंने कहा, 'हमारे बीच कोई मतभेद नहीं होंगे। उनके टीम छोड़ने से मैं दुखी हूं पर वह केकेआर का असली नायक है। हम दोनों अच्छे दोस्त भी रहे हैं।

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे श्रीकांत और राजावत

बेसल ,22 मार्च (एजेंसियां) ।

शीर्ष भारतीय शटलर किदांबी श्रीकांत और युवा खिलाड़ी प्रियांशु राजावत बीडब्ल्यूएफ स्विस ओपन, सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में पहुंच गए हैं। दुनिया में 27वें नंबर के खिलाड़ी श्रीकांत ने 10वें नंबर के खिलाड़ी मलेशियाई ली जी जिया को केवल 36 मिनट में सीधे सेट में 21-16, 21-15 से हराया। दूसरी ओर, राजावत ने दुनिया के 33वें नंबर के खिलाड़ी चीन के लेई लांक्सी को सीधे गेम में 21-14, 21-13 से हराया।

22 वर्षीय राजावत ने पहले दौर में हांगकांग के विश्व नंबर 14 ली चेउक यियू के खिलाफ बाजी मारी थी। ली साल की शुरुआत में इंडिया ओपन में फाइनलिस्ट थे।

श्रीकांत का अगला मुकाबला चीनी ताइपे के चिया हाओ ली से होगा, जिन्होंने लक्ष्य सेन को सीधे गेम में 21-17, 21-15 से हराकर बाहर कर दिया। राजावत का मुकाबला ताइपे के एक अन्य शटलर चाउ टीएन चेन से होगा।

एक अन्य पुरुष एकल शटलर किरण जॉर्ज ने एलेक्स लैनियर पर कड़े संघर्ष के बाद 18-21, 22-20, 21-18 से जीत के बाद क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका अगला मुकाबला डेनमार्क के रासमस गेम्के से होगा।

इस बीच, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु का अभियान यहां जापान की टोकोमा मियाजाकी से हारकर प्री-क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया।

सिंधु को दुनिया की 27वें नंबर की जापानी शटलर के खिलाफ एक घंटे और 19 मिनट तक चले मैच में 21-16, 19-21,16-21 से हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी 16वें दौर में लगातार दूसरी हार थी। पिछले सप्ताह ऑल इंग्लैंड ओपन में भारतीय खिलाड़ी को दूसरे दौर में हार का सामना करना पड़ा था।

अफगानिस्तान के साथ भारत के गोल रहित ड्रा से निराश नहीं हैं स्टिमैक

नई दिल्ली,22 मार्च (एजेंसियां) ।

भारतीय सीनियर पुरुष फुटबॉल टीम के कोच इगोर स्टिमैक 2026 फीफा विश्व कप के लिए एशियाई क्वालीफायर के ग्रुप ए मैच में डैमैक स्टेडियम में मेजबान अफगानिस्तान के साथ गोल रहित ड्रॉ खेलने के बाद निराश नहीं हैं। इस परिणाम के साथ, भारत ग्रुप ए में तीन मैचों में चार अंकों के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया, उसके बाद कुवैत है, जिसके इतने ही मैचों में तीन अंक हैं। भारत के लिए, इसका मतलब अस्थायी रूप से ग्रुप ए में कुवैत से तीन अंक आगे दूसरा स्थान हासिल करना होगा, जो इससे पहले रात में कतर के खिलाफ 0-3 से हार गया था। अफगानिस्तान के लिए तीन अंक उन्हें कुवैत और भारत के बराबर ला देंगे, जिससे समूह में दूसरे स्थान की दौड़ तीन-तरफ़ा लड़ाई बन जाएगी। स्टिमैक ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैच दिलचस्प था। मैं अंत में परिणाम से निराश नहीं हूं क्योंकि हमने तीन, चार बहुत अच्छे मौके बनाए। हम स्कोर नहीं कर सके, जो स्पष्ट है और यह समस्या कई वर्षों से हमारा पीछा कर रही है। हालाँकि, 56 वर्षीय खिलाड़ी ने फ़ाइनल थर्ड में तेज प्रदर्शन करने में टीम की असमर्थता पर अफसोस जताया। उन्होंने कहा, हमने सभी उपलब्ध खिलाड़ियों को आजमाया, जो हमारे पास अग्रिम पंक्ति में थे, लेकिन यह आज काम नहीं आया। कुछ चीजों में हमें स्पष्ट रूप से सुधार करने की जरूरत है क्योंकि आक्रामक योजना में आज हमने सरल चीजों को जटिल बना दिया है, और मैं उसके बारे में खुश नहीं हूं। मैच के बाद, स्टिमैक ने स्वीकार किया कि कमज़ोर ड्रा के बावजूद, एक सकारात्मक बात थी - मैदान पर भारतीय रक्षकों का संतुलित प्रदर्शन। उन्होंने पुष्टि की, डिफेंडरों ने अच्छा प्रदर्शन किया और

कुछ भी नहीं दिया, लेकिन हमें पास देने में बेहतर होना चाहिए, मौके बनाने में बेहतर होना चाहिए और जब क्रॉस आ रहे हों तो बॉक्स से हमला करने में बिल्कुल बेहतर होना चाहिए। आगे देखते हुए, भारत 26 मार्च को घरेलू मैदान पर अफगानिस्तान से भिड़ेगा, जिसमें स्टिमैक और टीम अपनी कमियों को दूर करने और आगामी मैचों में एक मजबूत प्रदर्शन देने के लिए दृढ़ हैं।

अर्जेंटीना का बॉस बने रहने के फैसले में मेसी की अहम भूमिका स्कालोनी

वाशिंगटन,22 मार्च (एजेंसियां) ।

लियोनेल स्कालोनी ने लियोनेल मेसी सहित वरिष्ठ खिलाड़ियों के साथ बातचीत की और एक साल बाद अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के मैनेजर बने रहने के लिए उनके उत्साह को फिर से जगाया, जिसे उन्होंने मुश्किल बताया। नवंबर में, स्कालोनी ने खुलासा किया था कि वह रियो डी जेनेरो के माराकाना स्टेडियम में फीफा विश्व कप क्वालीफायर में ब्राजील पर एल्बीसेलेस्टे की 1-0 की जीत के बाद अपनी नौकरी छोड़ने पर विचार कर रहे हैं। लेकिन फिलाडेल्फिया में अल साल्वाडोर के खिलाफ अर्जेंटीना के दोस्ताना मैच से पहले बोलते हुए, 45 वर्षीय ने अपने भविष्य के बारे में किसी भी संदेह को दूर कर दिया। स्कालोनी ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने लियो [मेसी] और अन्य खिलाड़ियों से बात की। मेसी टीम के कप्तान हैं। मैंने अन्य खिलाड़ियों से भी बात की, एंजेल डि मारिया, लुटारो

[मार्टिनेज], (निकोलस) ओटामेंडी, रोड्रिगो डी पॉल के साथ। वे ऐसे लोग हैं जिन पर मैं बहुत भरोसा करता हूं, जिनसे मैं बहुत प्यार करता हूं। वे पहले दिन से ही हमारे साथ हैं। मुझे उनसे बात करने और अपने विचार साझा करने की जरूरत थी। स्कालोनी, जिन्होंने नवंबर में सुझाव दिया था कि उनके पास जारी रखने के लिए ऊर्जा की कमी है, ने जोर देकर कहा कि उन्होंने छोड़ने के बारे में कभी गंभीरता से नहीं सोचा था।

लेकिन उन्होंने कहा कि कतर में 2022 विश्व कप में अर्जेंटीना को गौरव दिलाने के बाद उन्होंने अप्रत्याशित दबाव महसूस किया था, जिससे फुटबॉल के अंतिम पुरस्कार के लिए दक्षिण अमेरिकी देश का 36 साल का इंतजार खत्म हो गया। उन्होंने समझाया, यह एक कठिन वर्ष के बाद चिंतन का क्षण था। यह कहना पागलपन है कि विश्व कप जीतने के बाद यह एक कठिन वर्ष था, लेकिन यह एक कठिन वर्ष था। हम उन लोगों से मिले जिनसे हमने सोचा था कि हमें बात करनी चाहिए, हमने अपनी चिंताओं पर चर्चा की और सबसे महत्वपूर्ण बात यह जानना है कि हम सभी जारी रखने के लिए मजबूत थे। आप कभी नहीं जानते कि भविष्य में क्या होगा लेकिन अभी के लिए मैं जारी रख रहा हूं। अल साल्वाडोर के साथ अर्जेंटीना की भिड़ंत के बाद अगले लॉस एंजेलिस में कोस्टा रिका के खिलाफ एक और दोस्ताना मैच खेला जाएगा।

ऋषभ पहले की तरह ही शॉट लगा रहे, लय हासिल करने के अतिरिक्त प्रयास भी किये : पोंटिंग

नई दिल्ली । आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने इसपर खुशी जतायी है कि कप्तान ऋषभ पंत पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट लगा रहे हैं। पोंटिंग के अनुसार ऋषभ ने कार हादसे से उबरने के बाद जिस प्रकार से आईपीएल से मैदान पर वापसी की है जिससे टीम भी उत्साहित है। साथ ही कहा कि वह पहले की तरह ही सभी प्रकार के शॉट खेल रहे रहे हैं जिन्हें वह पहले खेला करते थे। उन्होंने सर्जरी के बाद अपने शरीर को फिट करने के लिए अतिरिक्त प्रयास भी किये हैं। वह कार हादसे के कारण ही गत वर्ष आईपीएल से बाहर थे। पोंटिंग ने कहा, 'वह पूर्व में आईपीएल से पहले जितनी बल्लेबाजी करता था उसकी तुलना में उसने पिछले सप्ताह काफी अधिक बल्लेबाजी की जिससे वह लय हासिल कर सके। इसके जरिये वह फिर से अपने शरीर को खेल के अनुरुप ढ़ालना चाहता है। वह कभी हार नहीं मानने वाला खिलाड़ी है और सबसे अहम बात यह है कि उसके चेहरे पर मुस्कान है जिसे हम सभी देखना पसंद करते हैं। 'दिल्ली कैपिटल्स फ्रेंचाइजी ने फिटटेस टेस्ट में पास होने पर ऋषभ को दोबारा कप्तान बनाने की घोषणा की थी। पिछले सत्र में उनके नहीं खेलने से दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी डेविड वॉर्नर ने की थी।

अमेरिका आते हुए बहुत सावधान रहें..., छात्रों को पेप्सिको की पूर्व सीईओ नूई की ये बात जरूर सुननी चाहिए

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां) ।

पेप्सिको की पूर्व सीईओ इंदिरा नूई ने अमेरिका में रह रहे या अमेरिका जाने की तैयारी कर रहे भारतीय छात्रों को सलाह दी है कि वह अमेरिका में बहुत ध्यान से रहें और स्थानीय कानूनों का पालन करें। साथ ही नूई ने अपील की कि भारतीय युवा अमेरिका आकर ड्रग्स या किसी भी नशे से दूर रहें। हाल के समय में अमेरिका में भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी की कई घटनाएं हुई हैं। यही वजह है कि इंदिरा नूई ने भारतीय छात्रों को अलर्ट रहने की सलाह दी है।

इंदिरा नूई ने जारी किया वीडियो

इंदिरा नूई को वैश्विक स्तर पर कॉरपोरेट जगत की ताकतवर और प्रभावशाली शख्सियत के तौर पर जाना जाता है। नूई ने एक 10 मिनट के वीडियो संदेश जारी किया है, जिसे न्यूयॉर्क में भारत के कॉन्सुलेट जनरल ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो संदेश में नूई ने कहा कि %इस वीडियो को रिकॉर्ड करने का मकसद ये है कि मैं आप सभी युवाओं से, जो अमेरिका आना चाहते हैं या पहले से ही यहां रहकर पढ़ाई कर रहे हैं, उनसे बात करना चाहती थी। आजकल भारतीय छात्रों के साथ अनहोनी होने की कई घटनाएं सामने आई हैं। लेकिन ये आपके हाथ में है कि आप खुद को सुरक्षित रख सकते हैं।

छात्रों को नशे से दूर रहने की सलाह

नूई ने कहा कि कानून का पालन करें और रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं। ड्रग्स या किसी भी तरह के नशे के सेवन से बचें क्योंकि यही सब चीजें आपदा लेकर आती हैं। पेप्सिको की पूर्व सीईओ ने भारतीय छात्रों को सलाह दी कि वह अमेरिका में अपनी यूनिवर्सिटी और कोर्स को बहुत सावधानी से चुनें। जब अमेरिका आएं तो शुरुआती महीनों में बेहद सावधान रहें। दोस्त सावधानी से चुनें और नई आदतों को भी सोच-विचारकर अपनाएं। उन्होंने कहा कि जब सांस्कृतिक बदलाव होता है तो बहुत आशंका होती है कि छात्र इस आजादी में भटक जाते हैं और कई बार ड्रग्स के आदी हो जाते हैं। ये बेहद खतरनाक है।

अमेरिका में हाल के समय में कई भारतीय छात्रों की जा चुकी है जान नूई ने कहा कि भारतीय छात्र वीजा नियमों का भी पालन करें और किसी कानून का उल्लंघन न करें। साथ ही देर रात में अकेले सुनसान जगहों पर न जाएं। नूई का यह वीडियो ऐसे समय आया है, जब इस साल अमेरिका में कई भारतीय छात्रों की असमय मौत की खबरें सामने आई हैं। इस हफ्ते एक भारतीय छात्र लापता है। वहीं एक भारतीय मूल का छात्र क्लीवलैंड में मृत पाया गया था। जनवरी में अकुल धवन नामक एक भारतीय छात्र यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोइस के परिसर में मृत पाया गया था। जांच में पता चला कि उसकी मौत ठंड के चलते हुई। दरअसल वह शराब के नशे में बाहर रहा, जिससे उसे ठंड लग गई और उसकी मौत हो गई। ऐसे ही कई मामले सामने आए हैं, जिनमें भारतीय छात्रों की जान चली गई।

न्यूज ब्रीफ

ब्रिटिश राजकुमारी केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड लीक होने पर हंगामा, अस्पताल कर्मियों से पूछताछ शुरू

लंदन । ब्रिटेन में नागरिकों की निजता की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार इंफोर्मेशन कमिश्नर ऑफिस (आईसीओ) ने ब्रिटिश राजघराने की बहू केट मिडलटन के मेडिकल रिकॉर्ड के कथित लीक मामले में जांच शुरू कर दी है। इस बीच एक पुरानी जांच रिपोर्ट की ब्रिटेन में चर्चा चल रही है, जिसमें कहा गया कि मरीज के मेडिकल रिकॉर्ड मेडिकल स्टाफ को आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। यह रिपोर्ट केयर क्वालिटी कमीशन ने साल 2021 में जारी की थी। मेडिकल रिकॉर्ड लीक की जांच शुरू मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पुरानी रिपोर्ट में दावा किया गया कि बड़े अस्पतालों में मरीजों के रिकॉर्ड सुरक्षित रखे जाते हैं, लेकिन वे मेडिकल कर्मियों को आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं। केट मिडलटन की बीती जनवरी में सर्जरी हुई थी। यह सर्जरी लंदन के एक अस्पताल में हुई। दो हफ्ते अस्पताल में रहने के बाद केट अस्पताल से डिस्चार्ज हो गईं थी। हाल ही में आरोप लगे कि अस्पताल में केट के मेडिकल रिकॉर्ड लीक हुए। इस मामले में तीन कर्मचारियों से पूछताछ हो चुकी है। वहीं केट मिडलटन सर्जरी के बाद से ही सार्वजनिक तौर पर नहीं दिखाई दी हैं। जिसके चलते उनकी सेहत को लेकर सोशल मीडिया पर चर्चाओं का दौर चल रहा है। ब्रिटेन में मेडिकल रिकॉर्ड लीक करना अपराध अस्पताल के सीईओ ने बयान जारी कर बताया कि हमारे अस्पताल में उन लोगों के लिए कोई जगह नहीं है, जो जानबूझकर मरीजों के विश्वास का उल्लंघन करते हैं। हमारे यहां मरीजों के दस्तावेजों की समीक्षा की बेहतर व्यवस्था है और अगर इसका उल्लंघन हुआ है तो दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि ब्रिटेन में मरीजों के मेडिकल दस्तावेज बिना मरीज की मंजूरी के देखना अपराध है।

नवलनी की मां को अदालत से झटका, जेल में बेटे की अनुचित देखभाल का आरोप वाला मुकदमा खारिज

मॉस्को । दिवंगत रूसी विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में संदिग्ध तरीके से हुई मौत को लेकर हंगामा जारी है। उनका परिवार लगातार रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को जिम्मेदार ठहरा रहा है। इस बीच, नवलनी की मां ल्यूडमिला नवलनया को झटका लगा है। मॉस्को की एक अदालत ने नवलनया की उस मुकदमे को खारिज कर दिया है, जिसमें आरोप लगाया गया था कि नेता को आर्कटिक दंड कॉलोनी में सही से चिकित्सा देखभाल नहीं मिली, जिसके कारण उनकी मौत हो गई। केवल नवलनी ही कर सकते हैं मुकदमा- अदालत नवलनी के 'फाउंडेशन फॉर फाइटिंग करप्शन' के पूर्व निदेशक इवान झदानोव ने कहा कि लेबितनांगी की अदालत ने यह कहते हुए मुकदमा खारिज कर दिया कि केवल नवलनी ही इस बारे में शिकायत कर सकते थे। झदानोव ने कहा कि एलेक्सी नवलनी ने जेल में चिकित्सा देखभाल के खिलाफ कई बार मामले दायर किए थे। अब जब वह मारे गए, तो उनके परिवार की भी नहीं सुनी जा रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर हत्या करने का आरोप रिपोर्ट के अनुसार, नवलनी के परिवार और समर्थकों ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर उनकी हत्या करने का आरोप लगाया है, हालांकि क्रेमलिन ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है।

कतर के लिए रवाना होंगे मोसाद के अध्यक्ष बार्निया, युद्ध विराम-बंधकों की रिहाई के लिए होगी बातचीत

तेल अवीव । इजराइल और हमास के बीच अस्थाई युद्ध विराम और बंधकों की रिहाई के लिए एक बार फिर बैठक होने वाली है। बैठक में सीआईए निदेशक बर्न्स, कतरी पीएम मोहम्मद बिन अब्दुल्ला अल थानी और मिस्र के खुफिया मंत्री कामेल शामिल होंगे। बैठक के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भी इजराइली प्रतिनिधिमंडल के प्रस्थान को मंजूरी दे दी है। मोसाद निदेशक बार्निया इजराइली प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे। बैठक कतर में आयोजित की गई है और इजराइली प्रतिनिधिमंडल कतर के लिए रवाना होगा। गौरतलब है कि सात अक्तूबर को इजराइल पर हमास द्वारा 5000 रॉकेट दागने के बाद से दोनों पक्षों में युद्ध जारी है। अब तक युद्ध में करीब 30 हजार लोगों की मौत हो चुकी है। हमले के यह तीन कारण हमास ने कहा कि ये यरूशलम में अल-अक्सा मस्जिद को इजराइल की तरफ से अपवित्र करने का बदला है।

एआई पर संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव पर मतदान, सुरक्षा के लिए अमेरिका ने मांगा सभी देशों का समर्थन

वॉशिंगटन, 22 मार्च (एजेंसियां) ।

संयुक्त राष्ट्र महासभा कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर मतदान के लिए तैयार है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शक्तिशाली नई तकनीक सभी देशों को लाभान्वित करे, मानवाधिकारों का सम्मान करे और सुरक्षित, संरक्षित व भरोसेमंद साबित हो। इस प्रस्ताव का प्रायोजक अमेरिका है। उसने कहा, उम्मीद है कि विश्व निकाय इसे आम सहमति से अपनाएगा और यूएन के सभी 193 देश इसका समर्थन करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने कहा कि यदि प्रस्ताव अपनाया गया तो यह एआई के सुरक्षित उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम होगा। उन्होंने कहा, यह संकल्प एआई के विकास-इस्तेमाल में सिद्धांतों के आधारभूत सेट के लिए वैश्विक समर्थन का प्रतिनिधित्व करेगा। यह जोखिमों का प्रबंधन करते हुए एआई सिस्टम का लाभ उठाने का मार्ग भी प्रशस्त करेगा। मसौदा प्रस्ताव का उद्देश्य अमीर विकसित देशों और गरीब विकासशील देशों के बीच डिजिटल विभाजन को खत्म करना है और यह सुनिश्चित करना है कि एआई पर चर्चा में वे सभी शामिल हों। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना भी है कि विकासशील देशों के पास एआई का लाभ उठाने के लिए तकनीक और क्षमताएं हों, ताकि बीमारियों का पता लगाना, बाढ़ की भविष्यवाणी करना, किसानों व श्रमिकों की मदद आसान हो सके।

एआई एक उभरता क्षेत्र - अमेरिका द्वारा संयुक्त राष्ट्र में लाया जाने वाला प्रस्ताव एआई विकास व उपयोग में तेजी को मान्यता देता है। साथ ही सुरक्षित और भरोसेमंद एआई प्रणालियों पर वैश्विक सहमति की तात्कालिकता पर जोर देता है। यह मानता है कि एआई प्रणालियों का शासन एक उभरता हुआ क्षेत्र है जिसके लिए संभावित शासन दृष्टिकोण पर और चर्चा की आवश्यकता है। मसौदे में एआई को विनियमित करने की जरूरत का समर्थन किया है।

वैश्विक चर्चा के लिए महासभा का रुख किया - यूरोपीय संघ के सांसदों ने 13 मार्च को दुनिया के पहले व्यापक एआई नियमों को अंतिम मंजूरी दे दी है, जो कुछ अंतिम औपचारिकताओं के बाद मई या या जून तक प्रभावी हो जाएंगी। अमेरिका और चीन सहित दुनिया भर के देश तथा 20 प्रमुख औद्योगिक देशों का समूह भी

एआई नियम बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। अमेरिकी एनएसए ने बताया कि अमेरिका ने एआई की तेजी से आगे बढ़ने वाली प्रौद्योगिकी के निहितार्थों को प्रबंधित करने के तरीके पर वास्तव में वैश्विक बातचीत करने के लिए महासभा का रुख किया है।

2030 तक विकास लक्ष्यों में एआई का इस्तेमाल - मसौदा प्रस्ताव के अनुसार, इसका प्रमुख लक्ष्य 2030 के लिए संयुक्त राष्ट्र के बुरी तरह से पिछड़े विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में प्रगति के लिए एआई का इस्तेमाल करना है। इसमें वैश्विक भूख और गरीबी को खत्म करना, दुनिया भर में स्वास्थ्य में सुधार करना, सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण माध्यमिक शिक्षा सुनिश्चित करना और लैंगिक समानता हासिल करना शामिल है।

मालदीव में भारत समर्थित परियोजनाओं की उल्लेखनीय प्रगति, अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट भी संवारा गया

माले (मालदीव) । मालदीव और भारत के रिश्तों में तल्खी के बीच विदेश मंत्रालय ने अहम बयान दिया है। विदेश मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजा के मेनन ने बताया कि पिछले कई दशकों में, भारत ने मालदीव को कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को विकसित करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि इसका मकसद विकास की साझेदारी के माध्यम से दोस्ती मजबूत करना है। विकास साझेदारी प्रशासन के तहत विकास कार्य दरअसल, विदेश मंत्रालय की एक टीम ने भारतीय रियायती ऋण सुविधा के तहत मालदीव में किए जा रहे विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। टीम का नेतृत्व मेनन कर रही हैं। उन्होंने बताया कि भारतीय रियायती ऋण सुविधा के तहत हनीमाधू अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पुनर्विकास हो रहा है। मेनन विदेश मंत्रालय के तहत आने वाले विकास साझेदारी प्रशासन में संयुक्त सचिव हैं। विकास परियोजनाएं डीपीए ही संचालित करता है। अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पुनर्विकास परियोजना की समीक्षा चौथी भारत-मालदीव नियंत्रण रेखा (एलओसी) समीक्षा बैठक के हिस्से के रूप में भारतीय रियायती क्रेडिट लाइन के तहत बाराह और केला द्वीपों में कई विकास कार्य कराए जा रहे हैं।

फ्रांस के राष्ट्रपति की मुक्केबाजी की तस्वीरें वायरल, यूजर्स बोले- यह रूस के खिलाफ मैक्रों का कड़ा रुख

पेरिस, 22 मार्च ।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों की मुक्केबाजी करते हुए तस्वीरे सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। दरअसल, मैक्रों के फोटोग्राफर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर उनकी ये तस्वीर शेयर की थी। एक तस्वीर में फ्रांस के राष्ट्रपति को अपने दांत पीसते दिखे, जबकि, दूसरी तस्वीर में वह अपने दाहिने हाथ से पंचिंग बैग को मारते हुए दिखे।

सोशल मीडिया पर शेयर हुई मैक्रों की तस्वीरें

सोशल मीडिया पर तस्वीर के वायरल होते ही कुछ लोगों ने इसे मॉस्को के खिलाफ मैक्रों के बढ़ते कड़े रूख के साथ जोड़ा। जबकि, कुछ लोगों ने उनकी तुलना रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से की। बता दें कि पुतिन जूडो का अभ्यास करते हुए और घोड़े की सवारी करते हुए अपनी तस्वीरें शेयर करते रहते हैं। मैक्रों के फोटोग्राफर ने दो दिन पहले इंस्टाग्राम पर तस्वीरें शेयर की थी।

यूजर्स ने दी प्रतिक्रिया

पोस्ट किए जाने के बाद से ही इस तस्वीर को 12,000 से अधिक लाइक मिल चुका है। यूजर्स ने इन तस्वीरों पर प्रतिक्रिया भी दी है। एक यूजर ने कहा, शॉट्स, मैसेज और इम्पैक्ट के लिए ये दो तस्वीरें हमें बहुत पसंद आई। अद्भुत। एक दूसरे यूजर ने कहा, मिस्टर प्रेसिडेंट क्लब में आपका स्वागत है। यह सबसे अच्छा खेल है। एक अन्य यूजर ने कहा, साहस और दृढ़ संकल्प, एक सच्चा योद्धा। खूबसूरत शॉट्स।

वहीं, दूसरे अन्य यूजर ने कहा, इन खूबसूरत तस्वीरों के लिए धन्यवाद, ये विरोधियों के साथ-साथ कुछ पत्रकारों और उन सभी नफरत करने वालों को नाराज करेगी, जिनमें जान नहीं है। मैं समझता हूं कि राष्ट्रपति को इन पंचिंग बैगों को उतारने की जरूरत है, क्योंकि जिम्मेदारियों का सारा भार भी उन्हीं पर है। आपकी ब्लैक एंड व्हाइट तस्वीरें शानदार हैं।

सिख विवाह अधिनियम में संशोधन की तैयारी, 18 साल से कम उम्र के लोग नहीं कर सकेंगे शादी

लाहौर, 22 मार्च (एजेंसियां) ।

पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के पहले सिख मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा है कि प्रांतीय सिख अधिनियम में संशोधन होंगे, जिसके तहत 18 साल से कम उम्र के सिख शादी करने के लिए अयोग्य होंगे। पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (पीएसजीपीसी) की एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए रमेश सिं अरोड़ा ने कहा कि पाकिस्तान के सिख अधिनियम में नए संशोधन अल्पसंख्यक समुदाय के पक्ष में होने जा रहे हैं। सिख एक्ट में कई संशोधनों की सिफारिश- रमेश सिंह अरोड़ा अल्पसंख्यक मामलों के प्रांतीय कैबिनेट मंत्री रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा कि सिख आनंद विवाह अधिनियम 2018 में 18 वर्ष से कम उम्र के सिखों को विवाह के लिए अयोग्य बनाने समेत कुछ संशोधन किए जाएंगे और इसे जल्द ही कैबिनेट द्वारा मंजूरी दे दी जाएगी। बैठक में लाहौर, ननकाना साहिब, पांजा साहिब, डेरा साहिब और पेशावर से हेड ग्रांटी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान सिख एक्ट में कई संशोधनों की सिफारिश की गई। शादी के 30 दिनों के अंदर रजिस्टार को जमा करना होगा फार्म संशोधित कानून के मुताबिक, विवाह गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं के अनुसार होगा। जोड़े को एक फॉर्म भरना होगा और शादी के 30 दिनों

के भीतर अधिकृत रजिस्ट्रार को जमा करना होगा। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) पार्टी के सदस्य रमेश सिंह अरोड़ा ने कहा कि यूनियन काउंसिल सभी विवाहों का रिकॉर्ड रखेगी। बैठक के दौरान सुलह परिषद, विवाह रजिस्ट्रार और रजिस्ट्रार की नियुक्ति के संबंध में विभिन्न प्रस्तावों पर चर्चा की गई। सिख विवाह के लिए उम्र 18 वर्ष करने की तैयारी- अरोड़ा बैठक के नतीजे के मुताबिक, विवाह के लिए सिख लड़के और लड़कियों की उम्र 18 वर्ष होनी चाहिए। इस दौरान इस बात पर भी सहमति बनी कि पांच सदस्यीय संगत किसी भी मुद्दे पर अपने प्रस्ताव पेश करेगी। यह भी निर्णय लिया गया कि तलाक चाहने वाले जोड़े को यूनियन काउंसिल के अध्यक्ष को एक लिखित नोटिस भेजने के लिए बाध्य किया जाएगा।

हैती में फंसे भारतीयों को निकालने को ऑपरेशन इंद्रावती शुरू,12 लोगों को डोमिनिकन रिपब्लिक ले जाया गया

नई दिल्ली, 22 मार्च (एजेंसियां)।

भारत सरकार ने हैती में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन इंद्रावती शुरू कर दिया है। इसके तहत गुरुवार देर रात 12 लोगों को कैरेबियाई द्वीप डोमिनिकन रिपब्लिक ले जाया गया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसकी जानकारी दी। हैती में 23 दिनों से हिंसा जारी है। सड़कों पर लाशें बिछीं हैं। जयशंकर ने गुरुवार रात एक्स पर लिखा- भारत ने हैती से अपने नागरिकों को निकालने के लिए ऑपरेशन इंद्रावती शुरू किया। आज 12 भारतीयों को निकाला गया। इन्हें डोमिनिकन रिपब्लिक भेजा गया। हम विदेशों में अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं।

डोमिनिकन रिपब्लिक की सरकार को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद।

कैरेबियाई देश हैती में मार्च की शुरुआत से ही हिंसा हो रही है। दरअसल, 29 फरवरी को देश में मौजूद क्रिमिनल गैंग के लोगों ने कई सरकारी संस्थानों में हमले कर दिए थे। उन्होंने जेल पर हमला किया था, जिसके बाद

4 हजार कैदी फरार हो गए। ये हथियारबंद लोग देश के कई हिस्सों में आगजनी कर रहे हैं, दुकानों घरों में तोड़फोड़ कर रहे हैं। 15 मार्च को विदेश मंत्रालय के स्पोक्स पर्सन रणधीर जैसवाल ने कहा था- जरूरत पड़ने पर भारत अपने नागरिकों को हैती से निकालने के लिए तैयार है। जैसा कि आप जानते हैं हैती में संकट है। अगर जरूरत पड़ी तो हम वहां से अपने लोगों को निकालेंगे। हम इवैक्यूएशन के लिए तैयार हैं। हमने यहां विदेश मंत्रालय में एक कंट्रोल रूम बनाया है। हमने हैल्पलाइन नंबर भी जारी किया है। हैती में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा पर चिंताओं पर जैसवाल ने कहा था कि डोमिनिकन रिप-ब्लिक की राजधानी सैंटो डोमिंगो में दूतावास, जो हैती के लिए मान्यता रखता है, स्थिति पर नजर बनाए हुए है। सैंटो डोमिंगो में हमारा दूतावास स्थिति पर नजर रख रहा है और मंत्रालय भी स्थिति पर पूरी तरह नजर बनाए हुए है। बढ़ती हिंसा के बीच 12 मार्च को हैती के प्रधानमंत्री एरियल हेनरी ने इस्तीफा दे दिया। ब्रिटिश मीडिया बीबीसी के मुताबिक, हैती में हिंसा प्रधानमंत्री एरियल हेनरी के केन्या जाने के बाद शुरू हुई। दरअसल, प्रधानमंत्री केन्याई नेतृत्व वाले बहुराष्ट्रीय सुरक्षा बल (मल्टीनेशनल सिक्योरिटी फोर्स) की हैती में तैनात को लेकर चर्चा करने के लिए नैरोबी गए हैं।

शिकागो से शुरू होगी राम मंदिर रथ यात्रा, 60 दिनों में 48 राज्यों के 851 मंदिरों का किया जाएगा दौरा

न्यूयॉर्क, 22 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिका के शिकागो से राम मंदिर रथयात्रा शुरू होगी। यह यात्रा अगले 60 दिनों में आठ हजार से भी अधिक मील की दूरी तय करते हुए 48 राज्यों के 851 मंदिरों तक जाएगी। रथयात्रा का आयोजन करने वाले विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि टोयोटा सिएना वैन के ऊपर बने रथ में भगवान राम, देवी सीता, लक्ष्मण और हनुमान की मूर्तियां होंगी। उनके साथ अयोध्या के राम मंदिर से विशेष प्रसाद और प्राण प्रतिष्ठा पूजित अक्षत का कलश ले जाया जाएगा।

शिकागो से शुरू होगी रथ यात्रा - रथयात्रा 25 मार्च को अमेरिका के शिकागो से शुरू होगी और करीबन आठ हजार मील की दूरी तय करेगी। यात्रा के दौरान अमेरिका के 851 मंदिरों और कनाडा के 150 मंदिरों का दौरा किया जाएगा। कनाडा में होने वाली रथ यात्रा का आयोजन विश्व हिंदू परिषद ऑफ कनाडा ने किया है। हिंदू मंदिर सशक्तिकरण परिषद (एचएमईसी) की तेजल

शाह ने कहा, इस रथ यात्रा का उद्देश्य लोगों को हिंदू धर्म के बारे में जागरूक करना, शिक्षित करना और सशक्त बनाना है। यह यात्रा सभी हिंदुओं को एकजुट होने का मौका दे रही है। उन्होंने आगे कहा, हमारे लिए और हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए जागरुकता बढ़ाने और दुनिया भर में हिंदू धर्म का प्रसार करने के अभियान में एकजुट होना बहुत जरूरी है।

हनुमान जयंती के दिन होगा समापन - विश्व हिंदू परिषद ऑफ अमेरिका के महासचिव अमिताभ मित्तल ने बताया कि कई लोग वीएचपीए के जरिए इस यात्रा की योजना बनाने और आयोजन में मदद करने के लिए आगे आए हैं। अमेरिका में यह पहली बार ऐसा हो रहा है कि हिंदू समुदाय द्वारा इस तरह की यात्रा का आयोजन किया गया है। यात्रा का समापन 23 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन होने वाला है। रथ यात्रा के दौरान न केवल बड़े मंदिरों को, बल्कि छोटे-छोटे मंदिरों का भी दौरा किया जाएगा।

होली के बाद भाई दूज कब है? जानें तिथि और भाई को टीका करने का शुभ मुहूर्त

सनातन धर्म में दीपावली और होली का बहुत ज्यादा महत्व है। दोनों ही पर्व के बाद आने वाली द्वितीया तिथि को भाई दूज कहा जाता है। पारंपरिक रूप से यह पर्व भाई–बहन के बीच स्नेह के बंधन को मजबूत करता है। बहुत जगह भाई दूज को भ्रातृ द्वितीया के नाम से भी जाना जाता है। भाई दूज के दिन बहनें अपने भाई के माथे पर तिलक लगाती हैं और फल, मिठाई आदि चीजें देकर उसकी लंबी आयु की कामना करती हैं। वहीं भाई भी बदले में अपनी बहन को हर विषम परिस्थिति में उसकी रक्षा का वचन देता है। मान्यता है कि भाई दूज पर बहनों के तिलक लगाने से भाई की आयु बढ़ती है और उसके सभी संकट दूर होते हैं। ऐसे में चलिए जानते हैं इस साल होली भाई दूज कब है और भाई को टीका करने का शुभ मुहूर्त।

होली भाई दूज 2024 डेट

इस साल होली 25 मार्च को है और होली के बाद भाई दूज 27 मार्च को मनाई जाएगी।

होली भाई दूज 2024 मुहूर्त

पंचांग के अनुसार चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की द्वितीया तिथि की शुरुआत 26 मार्च 2024 को दोपहर 02 बजकर 55 मिनट पर हो रही है। अगले दिन 27 मार्च 2024 को शाम 05 बजकर 06 मिनट पर इसका समापन होगा। 27 मार्च को भाई को टीका करने के लिए दो शुभ मुहूर्त हैं।

होली भाई दूज पर भाई को तिलक करने का मुहूर्त

पहला मुहूर्त– सुबह 10।54 से दोपहर 12।27
दूसरा मुहूर्त– दोपहर 03।31 से शाम 05।04
होली भाई दूज पर तिलक करने की विधि

सबसे पहले होली की भाई दूज पर अपने भाईयों को भोजन का निमंत्रण दें।

भाई का प्रेम पूर्वक स्वागत कर उन्हें चौकी पर बैठाएं।

ध्यान रहे भाई का मुख उत्तर–पश्चिम दिशा में होना चाहिए।

अब कुमकुम से तिलक कर चावल लगाएं।

भाई को नारियल देकर समस्त देवी–देवता से उसकी सुख, समृद्धि दीर्घायु की कामना करें।

अब भाई बहन को उपहार में सामर्थ्य अनुसार भेंट करें। भाई को भोजन कराएं।

अंगिका में सुनिए भगवान बूढ़ानाथ पर आधारित होली गीत

गुझिया के साथ कजरी का भी लें मजा

फाल्गुन आते ही लोगों के सर होली की खुमारी छाने लगती है और लोग फाल्गुन के रंगों में सराबोर होने लगते हैं। ऐसे में अंग प्रदेश की होली भी खास होती है। लोग यहां पर होलिका नहीं संवत जलाकर होली खेलते हैं। लेकिन इस बीच भागलपुर की जो पारंपरिक गीत है, जो लोकगीत है उसका भी आनंद उठाते हैं। भागलपुर की लोक गायिका अर्पिता चौधरी ने इस होली अपनी मधुर आवाज में होली गीत गाई। साथ ही कई संदेश दिया।

प्रसिद्ध मंदिर बूढ़ानाथ पर गीत को किया प्रस्तुत

ऐसे में ही लोक गायिका अर्पिता चौधरी ने होली पर कई सुंदर गीतों को प्रस्तुत किया। अर्पिता ने कहा कि होली में धीरे–धीरे फूहड़ गाने बजाने लगे हैं। लेकिन अंग प्रदेश में अभी भी वह परंपरा मौजूद है। लोग यहां पर लोकगीत के साथ होली खेलते हैं। ऐसे में ही उन्होंने अपने अंग प्रदेश पर ही अंगिका में गीत को प्रस्तुत किया। उन्होंने अंगिका में भागलपुर के प्रसिद्ध मंदिर बूढ़ानाथ पर गीत को प्रस्तुत किया। उन्होंने बाबा बूढ़ानाथ को भागलपुर में होली खेलने की बात कही। उन्होंने गाते हुए कहा कि बाबा बुढ़ानाथ भागलपुर में खेले रंग होली।

अंग की होली कई मायने में है खास

इसके साथ ही बांका से अबीर के मंगाने की बात कही है। उन्होंने कहा कि अपना अंग क्षेत्र कई मायने में खास है। यहां पर स्वयं भगवान शिव विराजमान है। साथ ही अपने अंग क्षेत्र के धरोहर बांका में समुद्र मंथन भी हुआ था। इसलिए यह अंग जनपद काफी खास हो जाता है। इस पर कई गाने आधारित है। लेकिन उन्होंने दो गाने को जरूर गया। इसके साथ ही होली में चलने वाली कजरी को भी उन्होंने अंगिका में खूबसूरती से प्रस्तुत किया। तो आप भी अंगिका में होली गीत सुन आनंद लें।

भागवत कथा का है बेहद खास महत्व

इसको सुनने मात्र से होती है पुण्य फल की प्राप्ति!

श्रीमद भागवत कथा का सनातन धर्म में खास महत्व है। शास्त्रों में बताया गया है कि पहली बार कथा श्रवण मात्र से ही राजा परीक्षित को मोक्ष की प्राप्ति हुई और उनका अकाल मृत्यु से बचाव हुआ था। यही कारण है कि समय–समय पर भक्त श्रीमद भागवत कथा का आयोजन अपने घर, सार्वजनिक स्थलों आदि पर करवाते रहते हैं। इन दिनों उत्तराखंड के चमोली जिले के गौचर के नजदीकी गांव (धारीनगर) के रघुनाथ मंदिर में 7 दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा आयोजित की गई है।

लोकल 18 से बातचीत में कथा वाचक आचार्य हिमांशु कंडवाल ने कथा सुनने से मिलने वाले पुण्य, नियम और यदि कथा न सुन पाएं, तो किस प्रकार पुण्य फल की प्राप्ति हो सकती है, के बारे में जानकारी दी है।

उन्होंने बताया कि श्रीमद भागवत कथा सभी वेदों का सार है। इसे सुनने से मनुष्य तृप्त होता है और जन्म जन्मांतर के पाप से मुक्त हो जाता है। साथ ही कथा सुनने या किसी भी शुभ काम को करवाने या करने के पीछे का उद्देश्य परम लक्ष्य की प्राप्ति ही होता है। वह कहते हैं कि कथा आयोजन स्थल में प्रवेश करने से पहले सांसारिक जीवन के दुख तकलीफों को भूलकर उस परम परमेश्वर ईश्वर का चिंतन मनन करना जरूरी है और घर से जिस उद्देश्य को लेकर कथा सुनने आते हैं, उसे पूरा जरूर करना चाहिए।

आचार्य हिमांशु कंडवाल आगे कहते हैं कि 'कलयुग केवक नाम अधारा, सुमिर सुमिर नर उतरहि पारा', इसका मतलब है किकलयुग में केवल प्रभु का स्मरण ही भव से पार किए जाने का एकमात्र आधार है। यदि आपके पास एक स्थान पर बैठकर प्रभु का नाम लेने का समय नहीं है, तो आप चलते फिरते भी अपने मन मंदिर में परम परमेश्वर का स्मरण कर सकते हैं। ऐसा करने पर भी आपको भागवत कथा श्रवण का पुण्य फल प्राप्त होगा।

बेडरूम में भगवान की तस्वीर, कहीं बिगाड़ न दे आपकी तकदीर... जानें सही वास्तु नियम

घर का बेडरूम फैमिली के लिए बहुत खास होता है। वास्तु के हिसाब से अपने बेडरूम को सजाने की जरूरत है। दरअसल, यहां हुए वास्तु दोष के कारण आपकी फैमिली पर बुरा असर पड़ सकता है इसलिए कुछ भी रखने से पहले उसकी दिशा को जान लें। हम में से कई लोगों के कमरे में देवी–देवताओं की तस्वीर लगी होती है। लेकिन हमें नहीं पता होता कि यह सही है या गलत। वास्तु नियम क्या कहता है।

वैसे तो बेडरूम में भगवान की तस्वीर लगाना वर्जित है। इससे हमारे जीवन में कई समस्याएं पैदा हो सकती है। पति–पत्नी के रिश्तों में बहुत कड़वाहट आ सकती है। लेकिन फिर भी आपको रूम में भगवान की तस्वीर लगानी है तो वास्तु के नियमों के अनुसार ही तस्वीर लगाएं। वास्तु शास्त्र के मुताबिक आप अपने बेडरूम में राधाकृष्ण की तस्वीर लगा सकते हैं। कमरे में इनकी तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है। ध्यान रहे कि तस्वीर में अकेले राधा या कृष्ण की तस्वीर बिल्कुल न हो। इन्हें जोड़े में ही लगाएं।

ज्योतिष में बेडरूम का संबंध शुक्र ग्रह से होता है। इसलिए जहां शुक्र होते हैं वहां देवी–देवताओं यानी कि बृहस्पति ग्रह का होना अशुभ माना जाता है। बृहस्पति

को देवताओं का गुरु माना जाता है जो कि शुक्र के विरोधी हैं, इसलिए दोनों एक साथ नहीं रखा जा सकता है।

बेडरूम की दिशा कहां होनी चाहिए

इसके अलावा बेडरूम की दिशा दक्षिण–पश्चिम होनी चाहिए। इससे घर में सुख–शांति बढ़ती है। लेकिन आपका बेडरूम उत्तर–पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए, क्योंकि यह प्रार्थना और पूजा कक्ष के लिए शुभ माना जाता है। इसके अलावा अपका बेडरूम कभी भी दक्षिण–पूर्व दिशा में नहीं होना चाहिए। क्योंकि यह अग्नि कोण है और इस दिशा में बेडरूम होने से घर में झगड़े और गलतफहमियां बढ़ती हैं।

होलिका दहन की राख से करें ये खास उपाय, दूर होंगे वास्तुदोष

गृह–क्लेश और बीमारियों से भी मिलेगी मुक्ति

हिंदू धर्म में होली का पर्व बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस त्योहार का लोगों को बेसब्री से इंतजार रहता है। पंचांग के अनुसार, इस बार होली 25 मार्च, दिन सोमवार को मनाई जाएगी और इससे एक दिन पहले यानी 24 मार्च को होलिका दहन किया जाएगा। ज्योतिष शास्त्र में होलिका दहन की राख के उपायों के बारे में भी बताया गया है। साथ ही यह भी बताया गया है कि इससे वास्तुदोष से भी कैसे छुटकारा मिलता है। मान्यता है कि इन उपायों को करने से इंसान के जीवन में खुशियों का आगमन होता है। आइए जानते हैं इन चमत्कारी उपायों के बारे में।

होलिका की राख से करें ये उपाय

– होलिका दहन के बाद जो राख बच जाती है, अगर उसे लाकर घर के सभी कोनों में छिड़क दिया जाए, तो ऐसा करने से वास्तुदोष दूर होता है।

– होलिका की राख को पूरे घर में छिड़कने से परिवार के बीच मनमुटाव नहीं होता है। ऐसा करते समय आपको कोई न देखे, इस बात का ख्याल रखें। घर में क्लेश नहीं होता है।

– होली की राख बहुत पवित्र मानी जाती है। इसे घर में रखने से राहु, केतु की बुरी नजर दूर रहती है। साथ ही घर में बीमारियों का वास भी नहीं होता है।

– अगर कुंडली में राहु–केतु के कमजोर होने के कारण परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, तो होलिका दहन की भस्म को एक लोटे जल में डाल दें। फिर इसे शिवलिंग में अर्पित करें।

– नजर–दोष को दूर करने के लिए होलिका दहन में एक पान में दो लौंग और एक बताशा रखकर अर्पित करें। इसके बाद होलिका दहन की राख लाकर ताबीज में बांध लें और गले में पहन लें। इससे बुरे स्वप्न और बीमारी से छुटकारा मिलता है।

– नवग्रहों के दुष्प्रभाव से बचने के लिए होलिका की इस राख को नहाने के पानी में मिलाकर स्नान करना चाहिए। इससे मानसिक, आर्थिक और शारीरिक तौर पर फायदा होता है।

ईएमआई भर–भर के हो गए हैं परेशान

1 छोटा–सा उपाय दिलाएगा कर्ज से मुक्ति, जल्द उतर जाएगा लोन

हर इंसान चाहता है कि वो अपना और अपने परिजनों का अच्छे से ध्यान रखे, लेकिन कई बार ऐसी स्थितियां निर्मित होती हैं कि व्यक्ति किसी मजबूरी में आकर कर्ज लेता है और कुंडली में ग्रहों की स्थिति की वजह से वह कर्ज चुकाने में असमर्थ हो जाता है या फिर कई ऐसे कारण होते हैं, जिनकी वजह से इंसान को कर्ज से मुक्ति नहीं मिल पाती। अगर आप भी उनमें से एक हैं, जो कर्ज के बोझ तले दब चुके हैं और उससे छुटकारा पाना चाहते हैं तो एक छोटा सा उपाय आपकी जिंदगी बदल सकता है।

क्या हो सकता है कारण– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, अगर कोई व्यक्ति लगातार ईएमआई के बिल्स भर रहा है, दिन–ब–दिन उसका कर्ज कम होने का नाम नहीं ले रहा है और उसके घर में अनावश्यक तनाव हमेशा बना रहता है, लोग अक्सर बीमार पड़े रहते हैं, कोर्ट केस हो रहा है या किसी भी तरह की समस्या आ रही है तो यह संकेत है कि आपके ईष्ट देवता आपसे नाराज हैं।

क्यों नाराज़ होते हैं ईष्ट देवता– ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ऊपर बताई गई समस्याएं अगर आपके जीवन में आ रही हैं तो आपके ईष्ट देवता आपसे नाराज हैं और वे क्यों नाराज हैं क्योंकि आप उनकी नियमित रूप से पूजा नहीं कर रहे हैं। आपने उनको अपने मंदिर में स्थान नहीं दिया है। अगर आप अपने ईष्ट देवता के बारे में नहीं जानते हैं, तो आपके घर के बड़े बुजुर्गों से आपको पूछना चाहिए कि आपके ईष्ट देवता कौन हैं। अगर उन्हें भी नहीं पता है तो एक सरल उपाय करके आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

क्या करें उपाय– हमारे घर के बड़े बुजुर्गों में से कोई ना कोई तो ईष्ट देवता की पूजा करता ही होगा। अपने ईष्ट देवता का आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए आपको अपने घर के मंदिर में एक छोटा सा आईना रख देना है। जब भी आपके ईष्ट देवता आपके मंदिर में झांकेंगे तो उस आईने में खुद का प्रतिबिंब पाएंगे और उनको इस बात का यकीन हो जाएगा कि उनकी पूजा नियमित रूप से की जा रही है। ऐसा करने से आपके ऊपर उनकी कृपा बनी रहेगी। वे प्रसन्न होंगे और आपके जीवन में आ रहे सभी तरह के कष्ट दूर हो सकते हैं।

भगवान के सामने इस दिशा में जलाएं दिया, नहीं होगी कोई दुर्घटना, खुशियों से भर जाएगा जीवन!

घर हो, दुकान हो या दफ्तर, भगवान का मंदिर हर जगह होता है। श्रद्धा भाव से भक्त रोजाना सुबह–शाम भगवान की पूजा करते हैं। इसके बावजूद कई बार अनहोनी हो जाती है। मंदिर में आग लग जाती है, मूर्तियां, ग्रंथ सहित पूरा घर जलकर खाक हो जाता है। शास्त्रों में इस तरह की घटनाएं वास्तुदोष का संकेत मानी जाती हैं।

दरअसल, हाल ही में मध्य प्रदेश के खरगोन की विश्वसखा कॉलोनी से ऐसी ही एक घटना सामने आई थी। यहां एक घर में भगवान की पूजा के दौरान दीया जलाया और किसी काम से महिला बाहर चली गई। जब लौटी तो तीन मंजिला घर धू–धू कर जलने लगा। बाद में पता चला कि भगवान के सामने जलाया दीया ही आग का मुख्य कारण था।

विपदाओं से कैसे बचें

ज्योतिषी की मानें तो घर, मंदिर का वास्तु सही होना बहुत जरूरी है। भगवान के सामने सही दिशा में दीया जलाना चाहिए। पूजा के दौरान सावधानी बरतें, तो ऐसी घटनाओं से बचा जा सकता है। तो चलिए मध्य प्रदेश के खरगोन के रहने वाले ज्योतिषाचार्य पंडित डॉ। बसंत सोनी (ज्योतिष विद्या में गोल्ड मेडलिस्ट) से जानते हैं कि मंदिर में दीया जलाने की सही दिशा और सावधानियां।

क्या है सही दिशा

ज्योतिषाचार्य डॉ। बसंत सोनी ने श्रेलरश्र 18 को बताया कि मकान वास्तु के अनुसार बनाएं। ईशान कोण में मंदिर होना चाहिए। पूर्व में उगते हुए सूर्य की दिशा में मुख रखकर भगवान की स्थापना करें और उसी दिशा में दीया भी जलाएं।

इससे सभी प्रकार की शुभ तरंगें उत्पन्न होंगी और घर का वास्तुदोष समाप्त होगा।

दीया जलाते समय रखें सावधानियां

ज्योतिषी ने बताया कि घर में वास्तुदोष होने पर कई तरह की घटनाएं होती हैं। इसमें अचानक आग लगना भी शामिल है। असावधानी के कारण दीपक के द्वारा अग्नि उत्पन्न हो जाती है, जिससे मंदिर और ग्रंथ जल जाते हैं। माना जाता है कि भक्त पर आने वाली विपदा भगवान ने हर ली है। इसलिए दीपक जलाते समय सावधानी जरूर बरतें। इसके लिए दीपक भगवान की मूर्ति के दाहिनी ओर जलाएं। भगवान की मूर्ति से 9 इंच की दूरी पर एक छोटे प्लेटफार्म पर जलते हुए दीये को रखें।

'देवरा' के सेट से लीक हुई जूनियर एनटीआर की फोटो, लोग बोले, 'फायर है फायर'

तेलुगु सुपरस्टार जूनियर एनटीआर अपनी अपकमिंग मूवी 'देवरा' की शूटिंग में इन दिनों खासा बिजी है। सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी इस फिल्म की शूटिंग के लिए गोवा पहुंचे हैं। जहां से फिल्म स्टार का लेटेस्ट लुक सामने आया है। इस लुक ने फैंस के बीच खलबली मचा दी है। सुपरस्टार जूनियर एनटीआर का लुक देखने के बाद इंटरनेट यूजर्स खुशी से झूमने लगे है। सामने आए लुक में जूनियर एनटीआर देसी लुक में नजर आए हैं। एक्टर ने डार्क कलर की चेक शर्ट पहनी है। साथ ही वो लुंगी पहने नजर आए हैं। इसके साथ एक्टर ने साफा भी कंधे पर रखा हुआ है।

'देवरा' से सामने आया जूनियर एनटीआर का लुक

जूनियर एनटीआर का ये लुक फैंस को बेहद भा रहा है। जिसके बाद लोग इसे अभी से ही ब्लॉकबस्टर बताने लगे है। इस तस्वीर पर कई लोगों ने कमेंट कर फायर वाली इमोजी शेयर की है। तो कई यूजर्स कमेंट करते दिखे कि ये फिल्म सारे बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स तोड़ देगी। दिलचस्प बात ये है कि जूनियर एनटीआर का ये लुक उनकी मूवी 'देवरा' के ही मेकर्स ने आधिकारिक हैंडल पर शेयर किया है। जो एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में आते ही छा गया।

ये रिश्ता क्या कहलाता है' में कमबैक की अफवाहों के बीच जगन्नाथ पुरी पहुंची शिवांगी जोशी, साथ में दिखा पूरा परिवार

टीवी की जानी-मानी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों परिवार संग खूब टाइम स्पेंड कर रही हैं। दरअसल इस समय शिवांगी जोशी किसी भी प्रोजेक्ट में बिजी नहीं हैं, ऐसे में 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने अपनों के साथ समय बिताने का फैसला लिया। बता दें कि सीरियल 'बरसातें' बंद होने के बाद से ही शिवांगी जोशी खुद को और परिवार को खूब समय दे रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस पुरी स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुंची हुई थीं। इस दौरान उनकी पूरी फैमिली उनके साथ ही थी। जगन्नाथ पुरी के दर्शन करने के बाद शिवांगी जोशी ने परिवार संग खूब तस्वीरें क्लिक करवाईं। वेकेशन की कुछ तस्वीरें शिवांगी जोशी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर की हैं।टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी अपनी सादगी से ही फैंस का दिल जीत लेती हैं। फैंस को 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' फेम एक्ट्रेस शिवांगी जोशी की लेटेस्ट तस्वीरें खूब पसंद आ रही हैं। इन तस्वीरों में दिख रही शिवांगी जोशी की सादगी पर फैंस मर मिटे हैं।जगन्नाथ पुरी में शिवांगी जोशी फुल एथनिक लुक में नजर आई हैं। उनके ओवरऑल लुक की फैंस खूब तारीफ कर रहे हैं। यलो और रेड कलर की इस सिल्क साड़ी को शिवांगी जोशी ने बड़ी ही खूबसूरती से कैरी किया हुआ है। इस लुक में शिवांगी जोशी ने फैंस के साथ कुल 10 तस्वीरें शेयर की हैं।सिल्क साड़ी में शिवांगी जोशी वाकई में बेहद ही खूबसूरत लग रही हैं। एक्ट्रेस की इन लेटेस्ट तस्वीरों पर अब तक साढ़े 5 लाख से भी ज्यादा लाइक्स आ चुके हैं। वहीं उनके करीबी दोस्त और को-एक्टर रह चुके कुशाल टंडन ने भी इन तस्वीरों को लाइक किया है।ये रिश्ता क्या कहलाता है' एक्ट्रेस शिवांगी जोशी अपने भाई के साथ पहले भी कई क्यूट फोटोज शेयर कर चुकी हैं। भाई के साथ शिवांगी जोशी की खूबसूरत बॉन्डिंग को जगन्नाथ पुरी की इस तस्वीर में भी साफ देखी जा सकती है।परिवार संग जगन्नाथ पुरी पहुंचीं शिवांगी जोशी ने परिवार के साथ इस तस्वीर

को क्लिक करवाया है। तस्वीर में शिवांगी जोशी और उनके परिवार के हर एक सदस्य के चेहरे पर अलग ही सुकून नजर आ रहा है।जगन्नाथ पुरी के अपने विसिट को शिवांगी जोशी ने खूब एन्जॉय किया है। वेकेशन पर अचानक हुई बारिश को शिवांगी जोशी ने कुछ तरह से एन्जॉय किया है।

तमन्ना भाटिया ने पिंक स्टायलिश गाउन में बिखेरा जलवा

एक्ट्रेस की खूबसूरती ने यूजर्स को बनाया दीवाना

बॉलीवुड से लेकर साउथ इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बना चुकीं एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया वाकई में एक स्टाइल क्वीन हैं। वह जो कुछ भी करती हैं या पहनती हैं उसे चर्चा का विषय बनने में देर नहीं लगती।अपनी खूबसूरती और हॉटनेस के लिए मशहूर अदाकारा तमन्ना भाटिया फिल्मों के साथ साथ सोशल मीडिया पर भी काफी लोकप्रिय हैं. आए दिन एक्ट्रेस अपने सिजलिंग अवतार से फैंस के होश उड़ाती रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिसे देखने के बाद फैंस का दिल धक-धक करने लगा है और वे दीवाने हो उठे हैं. तमन्ना भाटिया ने पिंक कलर का स्टायलिश गाउन पहना है. लाइट मेकअप और खुले बालों के साथ वे कैमरे के सामने सेक्सी पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस की इस पोस्ट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है.आपको बता दें कि, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया अक्सर अपने ग्लैमरस लुक से सुर्खियों में बनी रहती हैं। तम्ना पर वेस्टर्न से लेकर ट्रेडिशनल हर तरह की ड्रेस सूट करती है।तमन्ना भाटिया का बिंदास व्यक्तित्व इस स्पष्ट तस्वीर को और अधिक लुभावना बनाता है क्योंकि वह आकर्षक लग रही है।तमन्ना हमेशा अपने प्रशंसकों को विभिन्न प्रकार के लुक से आश्चर्यचकित करने में सफल रहती हैं।

'पुष्पा 2' से लीक हुआ श्रीवल्ली का लुक रश्मिका मंदाना की फोटो ने मचाया तहलका

साउथ फिल्म एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी अपकमिंग मूवी 'पुष्पा 2' को लेकर चर्चा में हैं। अदाकारा की इस फिल्म को लेकर फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज है। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन स्टारर निर्देशक सुकुमार की इस फिल्म की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। जिसमें अदाकारा रश्मिका मंदाना श्रीवल्ली के किरदार में नजर आने वाली हैं। 'पुष्पा 2' की कहानी पुष्पाराज की शादीशुदा जिंदगी और इसके बाद उसके बढ़ते साम्राज्य के बारे में बताएगी। इस बीच फिल्म की शूटिंग सेट से एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की एक लेटेस्ट तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। एंटरटेनमेंट न्यूज की दुनिया में सामने आई अदाकारा रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट तस्वीर में एक्ट्रेस लाल साड़ी में नजर आईं। सामने आई इस तस्वीर में न्यूली वेडेड ब्राइड का लुक कैरी करती हुई दिखीं। एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना ने इस दौरान गोल्डन बेल्ट के साथ हैवी जूलरी कैरी की थी। साथ ही अदाकारा रश्मिका मंदाना ने बालों में गजरा और हेयर एक्सेसरीज पहनी थी। तस्वीर में एक्ट्रेस बिल्कुल नई-नवेली दुल्हन के रूप में नजर आईं। ये तस्वीर और वीडियो इंस्टाग्राम की दुनिया में तहलका मचा रही है। यहां देखें सामने आईं अदाकारा रश्मिका मंदाना की लेटेस्ट तस्वीर।

इस दिन रिलीज होगी रश्मिका मंदाना-अल्लू अर्जुन की 'पुष्पा 2'

साउथ फिल्म एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन स्टारर मूवी 'पुष्पा 2' जल्दी ही सिल्वर स्क्रीन पहुंचने वाली है। इस मूवी को मेकर्स इसी साल 15 अगस्त 2024 के दिन रिलीज करने वाले हैं। सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की इस मूवी के निर्देशक सुकुमार हैं। जबकि, फिल्म में मलयालम स्टार फहाद फासिल मेन विलेन का रोल निभाते दिखेंगे।

'सिंघम अगेन' से टकराएगी 'पुष्पा 2'

बताते चलें कि अल्लू अर्जुन स्टारर निर्देशक सुकुमार की मूवी जिस दिन सिनेमाघर पहुंच रही है। ठीक उसी दिन अजय देवगन स्टारर मूवी 'सिंघम अगेन' भी सिनेमाघर पहुंचेगी। ऐसे में साल 2024 के स्वतंत्रता दिवस के खास मौके पर दोनों सितारों के बीच जबरदस्त ऑन स्क्रीन भिड़ंत देखने को मिलेगी। ये साल 2024 का सबसे बड़ा क्लैश होने वाला है। तो क्या आप इन दोनों फिल्मों को लेकर उत्साहित हैं। अपनी राय हमें कमेंट कर बताएं।

विवादों से 4 फीट की दूरी पर रहती हैं टीवी की ये 9 हसीनाएं जेल-पुलिस का नाम सुनते ही सिट्टी पिट्टी होती है गुम

बॉलीवुड की तरह टीवी की दुनिया के कलाकार भी किसी न किसी वजह से विवादों में फंसे रहते हैं। कभी से-लेब्स की शादी लोगों के बीच चर्चा का मुद्दा बन जाती है, तो कभी किसी एक्ट्रेस की फेक प्रेग्नेंसी न्यूज लोगों को हैरान कर देती है। इन दिनों ये रिश्ता क्या कहलाता है के लीड एक्टर रहे शहजादा धामी और प्रतीक्षा होनमुखे की प्रोफेशनल लाइफ विवादों का हिस्सा बन गई है। दोनों ही कलाकार को मेकर्स ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। हालांकि, टीवी इंडस्ट्री में कुछ ऐसे कलाकार भी हैं, जो विवादों से दूर अपनी लाइफ में आराम से बिता रहे हैं।टीवी की दुनिया में दिव्यांका त्रिपाठी का नाम ए लिस्टेड हसीनाओं में लिया जाता है। दिव्यांका सीरियल ये है मोहब्बतें से घर-घर में छा गई थी। इसी शो के दौरान दिव्यांका को विवेक दहिया से प्यार हुआ और दोनों ने शादी कर ली। दिव्यांका अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में खुश हैं और विवादों से दूर ही रहती हैं। दिशा वकानी ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा को छोड़ने के साथ ही टीवी इंडस्ट्री से भी मुंह मोड़ लिया। इस शो में काम करते हुए भी दिशा वकानी ने नाम पर एक भी विवाद नहीं जुड़ा था और अब वह किसी भी टीवी वाले इवेंट में शामिल नहीं होती हैं।इस लिस्ट में मदालसा शर्मा का नाम भी है, जो काफी समय से अनुपमा में काव्या का रोल निभा रही हैं। मदालसा शर्मा पहले साउथ की इंडस्ट्री में काम करती थीं और अब टीवी में एक्टिव हैं। सालों के करियर में मदालसा के नाम भी कोई विवाद नहीं जुड़ा है।दिशा परमार आखिरी बार सीरियल बड़े अच्छे लगते हैं में नजर आई थीं और इन दिनों दिशा अपनी बेटी के साथ अपना सारा समय बिता रही हैं। एक्ट्रेस ने कई टीवी सीरियल्स में काम किया हैं, लेकिन दिशा विवादों से चार कदम दूरी पर ही रहना पसंद करती हैं।टीवी सीरियल कुमकुम भाग्य से घर-घर में मशहूर हुई सृति झा की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। श्रुति ने कई बार अपने करियर के बारे में बात की है, लेकिन एक्ट्रेस ने कभी किसी विवादित मुद्दे में नहीं बोला है। इतना ही नहीं, सृति झा खुद को भी विवाद से दूर ही रखती हैं।टीवी की हिट एक्ट्रेस रूपाली गांगुली इन दिनों फैंस के बीच छाई हुई हैं। रूपाली गांगुली का शो अनुपमा सुपरहिट साबित हुआ है, जो टीआरपी की लिस्ट में पहले नंबर पर बैठा हुआ है। रूपाली सालों से टीवी में एक्टिव हैं, लेकिन उनके नाम एक भी विवाद नहीं जुड़ा है।सुरभि ज्योति ने टीवी की दुनिया में कई शोज में काम किया है, जो सुपरहिट शामिल हुए। सुरभि भी विवादों से दूर रहने वाली हसीनाओं में से एक हैं। एक्ट्रेस ना तो किसी विवाद में बोलती हैं, ना ही प्रोफेशनल या पर्सनल लाइफ में कुछ ऐसा करती दिखी हैं, जिस वजह से वह भयंकर ट्रोल हो।शिवांगी जोशी को ये रिश्ता क्या कहलाता है से घर-घर में पहचान मिली, जिसके बाद वह कई शो में दिखीं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवन-साथी की उपलब्धियों की सराहना करें और उसकी सफलता और ख़ुशक़िस्मती का जश्न मनाएँ। आपका प्रेमी या प्रेमिका आज बहुत गुस्से में नजर आ सकते हैं , काम के बाद आपके सहकर्मी आपको किसी छोटे घरेलू उत्सव पर आमंत्रित कर सकते हैं। दूसरों को राज़ी करने की आपकी प्रतिभा आपको काफ़ी फ़ायदा पहुँचाएगी। जीवनसाथी के किसी अचानक काम की वजह से आपकी योजनाएँ बिगड़ सकती हैं। लेकिन फिर आपको महसूस होगा कि जो होता है अच्छे के लिए ही होता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज के दिन आप धन से जुड़ी समस्या के कारण परेशान रह सकते हैं। इसके लिए आपको अपने किसी विश्वास पात्र से सलाह लेनी चाहिए। जीवनसाथी के साथ अपने रिश्तों में तनाव दूर करने के लिए अच्छा दिन है। हालात ठीक करने की ज़िम्मेदारी अपने कंधों पर लें और सकारात्मक तौर पर पहल करें। आपका आत्मविश्वास आपकी पेशेवर ज़िंदगी में ख़ास असर छोड़ेगा। यह दूसरों को आपका नज़रिया समझाने और उनकी मदद हासिल करने में कारगर रहेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाक़ात होगी।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। बच्चे आपको घरेलू काम-काज निबटाने में मदद करेंगे। आपका प्रेमी आज आपकी बातों को सुनने से ज्यादा अपनी बातें कहना पसंद करेगा जिसकी वजह से आप थोड़े खिन्न हो सकते हैं। काम में मन लगाएँ और जज़्बाती बातों से बचें। ऑफिस से जल्दी घर जाने का प्लान आज आप ऑफिस पहुंचकर ही कर सकते हैं। घर पहुंचकर आप किसी पार्क में परिवार के लोगों के साथ जाने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आपका स्वास्थ्य दुरुस्त रहने की पूरी उम्मीद है। अपने अच्छे स्वास्थ्य के चलते आज आप अपने दोस्तों के साथ खेलने का प्लान बना सकते हैं। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। घर से जुड़ी योजनाओं पर विचार करने की ज़रूरत है। अपने प्रिय की छोटी-मोटी भूल को अनदेखा करें। किसी के साथ नयी परियोजना या भागीदारी वाले व्यवसाय को शुरू करने से बचें। किसी भी स्थिति में आपको अपने समय का ख्याल रखना चाहिए , वैवाहिक जीवन के लिए विशेष दिन है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज अपनी सेहत के चिंता करने की क़तई ज़रूरत नहीं है। आपके आस-पास के लोग आपको प्रोत्साहित करेंगे व सराहेंगे। बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। जिन लोगों से आपकी मुलाक़ात कभी-कभी ही होती है, उनसे बातचीत और संपर्क करने के लिए अच्छा दिन है। आपके प्रिय की ख़राब तबियत के चलते रोमांस को दरकिनार होना पड़ सकता है। कामकाज में आ रहे बदलावों के कारण आपको लाभ मिलेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन किए गए दान-पुण्य के काम आपको मानसिक शान्ति और सुकून देंगे। जो लोग शादीशुदा हैं उन्हें आज अपने बच्चों की पढ़ाई पर अच्छा खासा धन खर्च करना पड़ सकता है। अपने प्रिय के लिए बदले की भावना से कुछ हासिल नहीं होगा– बजाय इसके आपको हिमाग़ शांत रखना चाहिए और अपने प्रिय को अपनी सच्चे जज़्बात से परिचित कराना चाहिए। प्रतिस्पर्धा के चलते काम-काज की अधिकता थकावट भरी हो सकती है। इस राशि के छात्र-छात्राएं आज अपने कीमती समय का दुरुपयोग कर सकते हैं। लोगों की दख़लअन्दाज़ी वैवाहिक जीवन में परेशानी खड़ी कर सकती है।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज ख़ास दिन है, क्योंकि अच्छा स्वास्थ्य आपको कुछ असाधारण काम करने की क्षमता देगा। आर्थिक तौर पर सुधार तय है। परिवार के लोगों से अपनी परेशानियां साझा करके आप हल्का महसूस करते हैं, लेकिन कई बार आप अपने अहम को आगे रखकर घर वालों को जरुरी बातें नहीं बताते। आपको ऐसा नहीं करना चाहिए ऐसा करके परेशानी और भी बढ़ेगी कम नहीं होगी। मुश्किल मामलों से बचने के लिए आपको अपने संपर्क उपयोग करने की ज़रूरत है। देर शाम तक आपको कहीं दूर से कोई अच्छी ख़बर सुनने को मिल सकती है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

शारीरिक तौर पर तंदुरुस्त रहने के लिए धूम्रपान की आदत छोड़ दें। पैसे कमाने के नए मौक़े मुनाफ़ा देंगे। आपकी भरपूर ऊर्जा और ज़बरदस्त उत्साह सकारात्मक परिणाम लाएंगे व घरेलू तनाव दूर करने में मददगार रहेंगे। दफ़्तर में जिसके साथ आपकी सबसे कम बनती है, उससे अच्छी बातचीत हो सकती है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

नौकरी पेशा से जुड़े लोगों को आज धन की बहुत आवश्यकता पड़ेगी लेकिन बीते दिनों में किये गये फिजुलखर्च के कारण उनके पास पर्याप्त धन नहीं होगा। अपने परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों पर ध्यान देना आज आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। आज फ़ायदा हो सकता है, बशर्ते आप अपनी बात भली-भांति रखें और काम में लगन व उत्साह दिखाएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। अपने जीवनसाथी के साथ आप आज एक शानदार शाम गुज़ार सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

गर्भवती महिलाओं के लिए अतिरिक्त सावधान रहने का दिन है। अगर आप लोन लेने वाले थे और काफी दिनों से इस काम में लगे थे तो आज के दिन आपको लोन मिल सकता है। शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। आपके प्रिय के साथ कुछ मतभेद उभर सकते हैं– साथ ही अपने साथी को अपना नज़रिया समझाने में भी तकलीफ़ महसूस होगी। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। परिवार के सदस्यों के साथ थोड़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ सकता है।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज किसी विपरीत लिंगी की मदद से आपको करोबार या नौकरी में आर्थिक लाभ होने की संभावना है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। अगर आप अपनी योजनाओं को सबके सामने खोलने में बिल्कुल नहीं हिचकते, तो आप अपनी परियोजना को ख़राब कर सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। जीवनसाथी की ओर से जानबूझ कर भावनात्मक चोट मिल सकती है, जिसके चलते आप उदास हो सकते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

इस राशि के कुछ लोगों को आज संतान पक्ष से आर्थिक लाभ होने की उम्मीद है। आज आपको अपनी संतान पर गर्व महसूस होगा। एक बेहतरीन शाम के लिए रिश्तेदार घर आ सकते हैं। आज किए गए निवेश काफ़ी फ़ायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको भागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कई लोग साथ तो रहते हैं, लेकिन उनके जीवन में रोमांस नहीं होता। लेकिन यह दिन आपके लिए बेहद उत्साहवर्धक रहने वाला है।

शनिवार का पंचांग

दिनांक : 23 मार्च 2024 , शनिवार
विक्रम संवत : 2080
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : त्रयोदशी प्रातः 07:20 तक
नक्षत्र : पूर्वाफाल्गुनी अहोरात्र
योग : शूल रात्रि 07:33 तक
करण : तैतिल प्रातः 07:20 तक
चन्द्रराशि : सिंह
सूर्योदय : 06:17 , सूर्यास्त 06:27 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:21 , सूर्यास्त 06:30 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 06:23 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:09 , सूर्यास्त 06:18 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : होलाष्टक चालू हैं , खरमास चालू हैं

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलंगाना.9246159232,
Chidamber011@gmail.com

संविधान में पद-प्रतिष्ठा और पदनाम कानून के आड़े नहीं आता

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर बोले शेखावत

जैसलमेर,22 मार्च (एजेंसियां)।

जैसलमेर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तार पर केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने बयान जारी किया है। गजेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि ईडी के इतने समन जारी करने के बाद भी वे पेश नहीं हुए। ये कोई इतिहास का पहला मामला नहीं है, जिसमें भ्रष्टाचार को लेकर कोई कार्रवाई हुई है। शेखावत ने बताया कि पीएम मोदी भ्रष्टाचार की जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रहे हैं। भ्रष्टाचार किसी भी लेवल पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल आंख मिचौली खेल रहे थे। कानून की

नजर में सब समान है। कानून अपनी कार्रवाई कर रहा है। संविधान में पद-प्रतिष्ठा और पदनाम कानून के आड़े नहीं आता है। इसलिए कानून अपना काम कर रहा है। चाहे वो कोई भी व्यक्ति हो, अगर उसने भ्रष्टाचार किया है तो नहीं बख्शा जाएगा।

केजरीवाल पर कार्रवाई भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति के तहत

दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को लेकर गजेंद्र सिंह ने बताया कि कानून के लिए सभी बराबर हैं। चाहे वो कोई भी हो, अगर उसने भ्रष्टाचार किया है तो किसी भी कीमत पर उसे छोड़ा नहीं जाएगा। हमारे प्रधानमंत्री शुरू से ही भ्रष्टाचार पर सख्ती से काम कर रहे हैं। सभी एजेंसियां अपने तरीके से काम कर रही हैं। ईडी के साथ केजरीवाल ने भी आंख-मिचौली खेली। इतने समन जारी होने के बाद भी पेश नहीं हुए। अब कानून अपना काम कर रहा है।

टॉप 10 अपराधियों की लिस्ट में शामिल धोखाधड़ी के आरोपी ने किया सरेंडर

हनुमानगढ़,22 मार्च (एजेंसियां)।

हनुमानगढ़ जिले की नोहर पुलिस ने सात मामलों में वांछित और थाना स्तर पर टॉप 10 में शामिल आरोपी ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। आरोपी पर धोखाधड़ी के सात मामले दर्ज हैं। आरोपी पिछले तीन साल से पुलिस थाना के टॉप 10 में शामिल अपराधियों में शामिल हैं। थाना प्रभारी ईश्वरानंद शर्मा ने बताया कि देईदास निवासी शंकरलाल (42) पुत्र बुधराम जाट सात अलग-अलग मामलों में वांछित था। इस पर विभिन्न मामलों में 35 लाख रुपये की ठगी करने का आरोप हैं। एसपी के निर्देश के बाद थाना प्रभारी ईश्वरानंद शर्मा के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम शंकरलाल की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी।

शंकरलाल के घर और संभावित ठिकानों पर पुलिस ने बार-बार दबिश दी। कोर्ट के आदेश पर आरोपी शंकरलाल की जमीन और मकान भी कुर्क किए जा चुके हैं। उसके ट्रैक्टर को भी पुलिस ने जब्त किया था। पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी को लेकर की जा रही छापेमारी के बाद गिरफ्तारी के भय से शंकरलाल ने कोर्ट में सरेंडर कर दिया। शंकरलाल से पुलिस विभिन्न मामलों के संबंध में पूछताछ करेगी।

दबंग बजरी माफियाओं के हौसले बुलंद

कार्रवाई करने पहुंची पुलिस पर पथराव करके खदेड़ा

धौलपुर,22 मार्च (एजेंसियां)।

प्रदेश सरकार और पुलिस बजरी माफियाओं पर नकेल डालने के लिए चाहे जितने अभियान चलाए, लेकिन दबंग बजरी माफिया बेखौफ होकर पुलिस पर भी हमला करने से नहीं चूक रहे हैं। ताजा मामला कोलारी थाना क्षेत्र के बरा गांव के पास का है, जहां बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने गई पुलिस को बजरी माफियाओं ने मारपीट कर भगा दिया। घटना का 49 सेकंड का एक वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक कोलारी थाना पुलिस और डीएसटी टीम बरा गांव के पास बजरी माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करने गई थी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जैसे ही कार्रवाई करने की कोशिश की तो बजरी माफियाओं ने लामबंद होकर पुलिस को ही खदेड़ दिया। मौके पर मौजूद ग्रामीणों में से किसी ने इस घटना का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर भेज दिया। वीडियो में बजरी माफिया ट्रैक्टर में सवार होकर पुलिस पर पथराव कर उन्हें खदेड़ रहे हैं। बजरी माफियाओं द्वारा किए गए पथराव में पुलिस की गाड़ियों के शीशे भी क्षतिग्रस्त हुए हैं।

उधर घटना को लेकर पुलिस ने अब तक चुप्पी साध रखी है। पुलिस का कोई भी अधिकारी घटना के संबंध में किसी भी तरह की जानकारी देने के लिए तैयार नहीं है। हालांकि अमर उजाला इस तरह के किसी भी वायरल वीडियो की आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं करता है।

तीन साल से हत्या के मामले में फरार 15 हजार का इनामी दिनेश गुर्जर गिरफ्तार, देशी तमंचा बरामद

धौलपुर,22 मार्च (एजेंसियां)।

बाड़ी सदर थाना पुलिस ने गुरुवार रात्रि को मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए 15 हजार के इनामी बदमाश दिनेश गुर्जर को गिरफ्तार किया है। बदमाश हत्या के मामले में विगत तीन साल से फरार चल रहा था। गिरफ्तार बदमाश के कब्जे से लोडेड देशी तमंचा भी बरामद किया है।

थाना प्रभारी विनोद कुमार ने बताया आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक धौलपुर सुमित मेहरडा के निर्देश में जिलेभर में वांछित अपराधी और बदमाशों की धर पकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है।

उन्होंने बताया कि गुरुवार रात गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि 15 हजार का इनामी बदमाश दिनेश गुर्जर पुत्र अर्जुन गुर्जर निवासी बिहारीपुरा माजरा कुआं खेड़ा लाइक पुरा मोड़ के पास वारदात के इरादे से संदिग्ध अवस्था में घूम रहा है। मुखबिर की सटीक सूचना पर पुलिस टीम को कार्रवाई करने के लिए मौके पर भेजा गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर इनामी बदमाश दिनेश गुर्जर को घेराबंदी कर दबोच लिया।

भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे आम आदमी कार्यकर्ता

पुलिस ने बल प्रयोग कर गिरफ्तार किया

जयपुर,22 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के अध्यक्ष अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी का विरोध करने भाजपा प्रदेश कार्यालय का घेराव करने पहुंचे आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस द्वारा हल्का बल प्रयोग कर गिरफ्तार किया गया। आम आदमी पार्टी के प्रदेश कार्यकर्ताओं ने केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा के प्रदेश कार्यालय के घेराव का आह्वान किया था, जिसके चलते भारी पुलिस बल भाजपा कार्यालय पर मौजूद था। इस दौरान प्रदेश कार्यालय में भाजपा कोर कमेटी की बैठक चल रही थी, जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा समेत राजस्थान कैबिनेट के कई मंत्री भी मौजूद थे। आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता छोटे-छोटे गुटों में भाजपा के प्रदेश कार्यालय पहुंचे और अचानक अपने सिर पर आम आदमी की टोपी लगाकर विरोध करना शुरू कर दिया। पार्टी कार्यकर्ता प्रदेश कार्यालय के अंदर तक पहुंच गए, जिन्हें बाहर निकालने के लिए पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बाद में सभी कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर विद्याधर नगर थाने भेज दिया गया।

कुरुक्षेत्र में सीएम आवास पर बवाल: केजरीवाल की गिरफ्तारी पर भड़के आपा समर्थक

कुरुक्षेत्र,22 मार्च (एजेंसियां)।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी से आप कार्यकर्ताओं में रोष गहरा गया है। आज प्रदेश भर के कार्यकर्ता इसके विरोध में सेक्टर तीन स्थित मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास का घेराव करेंगे, जिसको लेकर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई थी। आप कार्यकर्ता सीएम आवास की तरफ बढ़े तो पुलिस ने पानी की बौछार छोड़ी दी। इस दौरान पुलिस ने आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं पर लाठियां भी भांजी है। पुलिस के लाठी चार्ज में आम आदमी पार्टी नेता अनुराग डंडा सहित कई कार्यकर्ताओं को चोटें आई है। जानकारी के अनुसार अनुराग ढांडा को सिर में चोट आई है। वहीं, पूर्व मंत्री बलबीर सैनी सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया है।

एसपी सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि हालात को काबू करने के लिए हल्की कार्रवाई की गई

लाठी चार्ज में अनुराग ढांडा घायल

है। जिसमें कुछ पुलिसकर्मियों व कुछ आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं को हल्की चोटें आई है। कहा कि घायलों को एंबुलेंस मांगवा कर अस्पताल भेज दिया गया। अश्विन ने कहा कि अगर पुलिस कार्रवाई नहीं करती तो पार्टी कार्यकर्ता मुख्यमंत्री आवास के अंदर घुस सकते थे, जिसके चलते ही यह कार्रवाई की गई। कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं को चुनाव को लेकर लगी आचार संहिता की पालना करते हुए शांति रखनी चाहिए थी।

देर रात को ही जैसे अरविंद केजरीवाल के आवास पर रेड किए जाने व उसके बाद गिरफ्तारी का पता चला तो कार्यकर्ताओं में रोष फैल गया। देर रात को ही आम आदमी प्रदेशाध्यक्ष एवं इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी डॉ सुशील गुप्ता ने कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की तो उन्होंने ऐलान किया कि मुख्यमंत्री नायब सैनी के आवास सेक्टर तीन का घेराव किया, जिसमें प्रदेश भर के कार्यकर्ता शामिल हुए।

सीएम हाउस पर घेराव कर रहे आम आदमी पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी एवं आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ सुशील गुप्ता बोले कि भाजपा अपने खिलाफ बने माहौल से डर रही है। उसे एक ही खतरा है कि अरविंद केजरीवाल जनता की पहली पसंद बनने लगे हैं। भाजपा दबाव की राजनीति कर रही है। प्रयास किया जा रहे हैं कि अरविंद केजरीवाल इंडिया गठबंधन के साथ ना रहे ताकि उन्हें कमजोर किया जा सके लेकिन अरविंद केजरीवाल ऐसे दबाने वाले नहीं हैं।

गुप्ता ने कभी आम आदमी पार्टी के दिल्ली के मंत्रियों को जेल में डाला जाता है तो डेढ़ सौ से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की जाती हैं और रात के अंधेरे में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई की जाती है और उन्हें जेल तक पहुंचाया जाता है लेकिन पूरे देश की जनता की है सब देख रही हैं और भाजपा को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे।

बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के तीन दोषियों को उम्रकैद

13 वर्षीय बालिका की मां ने दर्ज कराया था मुकदमा

सोनीपत,22 मार्च (एजेंसियां)।

हरियाणा के सोनीपत में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश सुरुचि अतरेजा सिंह ने बालिका से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में सुनवाई करते हुए तीन आरोपियों को दोषी करार दिया है। अदालत ने तीनों दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है और प्रत्येक पर 70-70 हजार रुपये जुर्माना लगाया। तीनों की जुर्माना राशि में से 50-50 हजार रुपये पीड़िता को देने के आदेश दिए गए हैं। जुर्माना अदा न करने पर दोषियों को 14 माह अतिरिक्त कैद की सजा भुगतनी होगी। राई थाना क्षेत्र के एक गांव में किराये पर रहने वाली मूलरूप से बिहार निवासी महिला ने 16 फरवरी 2023 को पुलिस को बताया था कि उनके पास 13 वर्षीय बेटी और आठ साल का बेटा है। वह और उनके पति फैक्टरी में नौकरी करते हैं। वह घटना के दिन सुबह आठ बजे ड्यूटी पर चले गए थे। कमरे में उनकी बेटी व बेटा थे।

महिला ने बताया था कि सुबह साढ़े 11 बजे बेटा दुकान पर गया था। उस समय उनकी बेटी कमरे में अकेली थी। आसपास के कमरों में वाले

लोग भी बाहर गए थे। इस बीच गांव का ही तुषार, नवीन व उसका एक दोस्त दीवार फांदकर कॉलोनी में आ गए। उन्हें देखकर बेटी ने दरवाजा बंद कर लिया था। इस पर तीनों ने दरवाजे पर लात मारनी शुरू कर दी थी। इसके बाद बेटी ने डर कर दरवाजा खोल दिया था। इसके बाद तीनों आरोपी कमरे में घुस गए थे और उनकी बेटी से दुष्कर्म किया था। तीनों ने परिवार को बताने पर जान से मारने की धमकी दी थी। बाद में वह भाग गए थे। पीड़िता ने अपने पिता को कॉल कर घटना की जानकारी दी थी। मामले में राई थाना पुलिस ने सामूहिक दुष्कर्म समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया था।

मामले में कार्रवाई करते हुए तत्कालीन जांच अधिकारी एसआई उषा रानी की टीम ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। उनकी पहचान तुषार व नवीन के रूप में हुई थी। बाद में 18 फरवरी को तीसरे आरोपी अमन को भी गिरफ्तार कर लिया था। एसआई उषा ने मामले में कार्रवाई करते हुए सबूत जुटाने के बाद 11 अप्रैल 2023 को चालान अदालत में पेश कर दिया था। मामले में सुनवाई के बाद एएसजे सुरुचि अतरेजा सिंह ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अदालत ने तीनों को 6 पॉक्सो एक्ट में उम्रकैद व 50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। भादंसं की धारा 450 में भी उम्रकैद व 10 हजार रुपये जुर्माना और धमकी देने में सात साल कैद व 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। सभी सजा एक साथ चलेंगी।

जजपा नेता मलखान सिंह को फोन पर मिली जान से मारने की धमकी

रेवाड़ी,22 मार्च (एजेंसियां)।

रेवाड़ी में जेजेपी नेता मलखान सिंह को फोन पर जान से मारने की धमकी दी गई है। जिस आरोपी ने फोन पर धमकी दी है, उसकी भी पहचान हो चुकी है। मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी गांव मालपुरा का ही रहने वाला है। गांव मालपुरा के पूर्व सरपंच और जेजेपी नेता मलखान सिंह ने बताया कि आरोपी प्रदीप के खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हैं। वीरवार शाम उनके मोबाइल पर एक नंबर से कॉल आई।

फोन करने वाला प्रदीप था और उन्हें गालियां दी गईं और गोली मारने की धमकी दी गई। धमकी मिलने के बाद मलखान सिंह और उनके परिवार के लोग डरे हुए हैं। मलखान सिंह ने तुरंत इसकी सूचना सेक्टर-6 थाना पुलिस को दी। पुलिस ने आरोपी प्रदीप के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। मलखान के मुताबिक 2017 में उसके चाचा के लड़के धर्मबीर को आरोपी प्रदीप ने गोली मार दी थी। हत्या के प्रयास का यह मामला कोर्ट में विचाराधीन है।

बोम्मई ने मेकेदातु विवाद पर कांग्रेस पर दोहरे मानदंड का लगाया आरोप

पार्टी के नाराज नेताओं को आलाकमान मना लेगा

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री और हावेरी-गदग लोकसभा क्षेत्र से भाजपा के उम्मीदवार बसवराज बोम्मई ने शुक्रवार को मेकेदातु बांध मुद्दे को लेकर सत्तारूढ़ कांग्रेस पार्टी पर दोहरे मानदंड अपनाने का आरोप लगाया। यहां पत्रकारों से बात करते हुए, बोम्मई ने कहा कि कांग्रेस, जो आंदोलन कर रही थी और उक्त परियोजना के कार्यान्वयन की मांग कर रही थी, ने अब द्रमुक से हाथ मिला लिया है, जो परियोजना का विरोध कर रही है। उन्होंने आगे

कहा कि ऐसी स्थिति में सबसे पुरानी पार्टी को तमिलनाडु स्थित राजनीतिक दल के साथ अपने संबंध तोड़ देने चाहिए। मेकेदातु बांध एक बहुउद्देश्यीय (पेयजल और बिजली) परियोजना है जिसमें कर्नाटक के रामनगर जिले में कनकपुरा के पास एक संतुलन जलाशय का निर्माण शामिल है। एक बार बांध पूरा हो जाने पर, बेंगलूरु शहर को पीने के लिए 4 हजार मिलियन क्यूबिक फीट (टीएमसी) से अधिक पानी की आपूर्ति होने की उम्मीद है, जो वर्तमान में गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। इससे पहले बुधवार को, कांग्रेस पार्टी के गठबंधन सहयोगी, तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने अपने चुनाव घोषणापत्र का अनावरण किया, जिसमें संतुलन जलाशय परियोजना के निर्माण को रोकने का वादा किया गया था। वरिष्ठ भाजपा नेता केएस ईश्वरप्पा की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए बोम्मई ने कहा कि पार्टी आलाकमान शिवमोग्गा नेता से संपर्क करेगा और मुद्दे को सुलझाएगा। वह पार्टी के वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने कर्नाटक में पार्टी को खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी घटनाओं से उन्हें दुख होगा। शीर्ष अधिकारी ईश्वरप्पा, डीवी सदानंद गौड़ा और सांगन्ना जैसे नाराज नेताओं से बात करेंगे और सब कुछ सुलझा लेंगे। इससे पहले बोम्मई को हावेरी से भाजपा का लोकसभा उम्मीदवार बनाए जाने के बाद ईश्वरप्पा ने पार्टी के दिग्गज नेता बीएस येदियुरप्पा पर निशाना साधा था और दावा किया था कि उनसे वादा किया गया था कि उनके बेटे को इस सीट से चुनाव लड़ने के लिए टिकट दिया जाएगा। भाजपा ने शिवमोग्गा से बीएस येदियुरप्पा के बेटे बीवाई राघवेंद्र और तुमकुरु से वी सोम्माना को भी उम्मीदवार बनाया है। घोषणा के बाद ईश्वरप्पा ने अपनी पार्टी पर हमला बोलते हुए कहा बीएस येदियुरप्पा ने वादा किया था कि वह केई कांतेश को हावेरी से टिकट देंगे। इसलिए मैंने कांतेश को वहां प्रचार के लिए भेजा। लेकिन मेरे बेटे को टिकट नहीं मिला।

चुनाव खत्म होने तक शिवराज कुमार की फिल्मों की स्क्रीनिंग पर लगे प्रतिबंध:भाजपा

बेंगलूरु/ शुभ लाभ ब्यूरो।

भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर लोकसभा चुनाव के समापन तक कन्नड़ अभिनेता शिवराज कुमार की फिल्मों, शो और विज्ञापनों की स्क्रीनिंग पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। यह शिकायत शिवराज कुमार की अपनी पत्नी गीता शिवकुमार के चुनाव अभियान में सक्रिय भागीदारी के मद्देनजर आई है, जो कांग्रेस के टिकट पर शिवमोग्गा से चुनाव लड़ रही हैं। शिवराज कुमार ने 20 मार्च को भद्रावती तालुक में गीता के लिए एक अभियान कार्यक्रम में भाग लिया। भाजपा ओबीसी मोर्चा के अध्यक्ष रघु कौटिल्य की शिकायत में कहा गया है कि शिवराज कुमार, राज्य में एक प्रमुख व्यक्ति हैं और वर्तमान में कांग्रेस पार्टी के लिए राज्यव्यापी चुनाव अभियान में लगे हुए हैं, सिनेमाई काम और सार्वजनिक व्यक्तित्व के माध्यम से जनता पर महत्वपूर्ण प्रभाव रखते हैं। उनके महत्वपूर्ण प्रभाव और लोकप्रियता को देखते हुए, मैं भारत के चुनाव आयोग से सिनेमा हॉल, टीवी चैनलों, सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और स्थानीय संगठनों को कोई भी फिल्म, विज्ञापन या होर्डिंग प्रदर्शित करने से परहेज करने का आदेश जारी करके तत्काल कार्रवाई करने का अनुरोध करता हूं। 2023 में कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान, शिवराज कुमार ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के साथ कांग्रेस पार्टी के लिए प्रचार किया था। कन्नड़ अभिनेता किच्चा सुदीप ने राज्य चुनाव में पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के लिए प्रचार किया था, लेकिन राजनीतिक संबद्धता पर व्यक्तिगत कारणों का हवाला देते हुए भाजपा को समर्थन देने से परहेज किया। जद (एस) के राष्ट्रीय प्रवक्ता तनवीर अहमद ने भी चिंता व्यक्त करते हुए सुझाव दिया था कि किसी विशेष राजनीतिक दल से जुड़े व्यक्तियों को स्क्रीन या किसी ऑडियो-विजुअल माध्यम पर प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। ऐसी चिंताओं के जवाब में, चुनाव आयोग ने पहले अपना रुख स्पष्ट करते हुए कहा था कि केवल चुनाव लड़ने वाले अभिनेताओं को व्यावसायिक स्क्रीनिंग या दूरदर्शन पर प्रचार करने से रोका जा सकता है, जो जनता के पैसे से वित्त पोषित है।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। भाजपा ने लोकसभा चुनाव 2024 के लिए शुक्रवार को होटल जीएम रिजॉयज में स्थापित अपना मीडिया सेंटर लॉन्च किया। इसके तहत अवन और पूजा की गई। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश महासचिव और लोकसभा चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक सुनील कुमार, प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता अश्वथ नारायण, वरिष्ठ एम.एच. श्रीधर, प्रदेश प्रवक्ता जीवी कृष्णा, प्रदेश मीडिया संयोजक करुणाकर खासले, सह-संयोजक प्रशांत केडेनजी, सोशल मीडिया सेल संयोजक प्रशांत माकनुर, सह-संयोजक नरेंद्र मूर्ति उपस्थित थे।

बेतिया में स्कूल से लौट रही 8वीं की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म

बेतिया (एजेंसियां)।

बेतिया में एक हैवानियत भरी खबर सामने आई है। 8वीं वर्ग की छात्रा के साथ सामूहिक दुष्कर्म किया गया है। बताया जाता है कि छात्रा आठवीं की वार्षिक परीक्षा देकर घर लौट रही थी। तभी मनचलों ने नाबालिग छात्रा से गुरुवार दोपहर करीब 2:30 बजे जब्दौल नहर के समीप चार लड़कों ने सामूहिक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है।

घटना के दौरान दुष्कर्म के आरोपियों ने छात्रा के साथ मारपीट भी की है। घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गए। जहां उसकी हालत नाजुक बनी हुई है, जिसका इलाज जीएमसीएच बेतिया में किया जा रहा है। इलाज कर रहे चिकित्सकों ने बताया कि चेहरे पर गंभीर जख्म हैं। स्टीच लगाया गया है। घटना की सूचना पर पहुंची कुमारबाग थाना की पुलिस छात्रा को परिजनों के सहयोग से जीएमसीएच में भर्ती कराई। उधर, अस्पताल ओपी के दारोगा पंकज कुमार सिंह ने बताया कि छात्रा की हालत गंभीर है। वह बोलने की स्थिति में नहीं है। हालत समान्य होने पर उसका बयान दर्ज कर अग्रेतर कार्रवाई के लिए संबंधित थाना को भेजा जाएगा।

जीएमसीएच में छात्रा की मां ने बताया कि उनकी पुत्री सुबह दस बजे गांव से करीब डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर स्थित एक स्कूल में वार्षिक परीक्षा देने गई थी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री की गिरफ्तारी पर कार्यकर्ताओं ने किया विरोध

जहानाबाद (एजेंसियां)।

जहानाबाद में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर विरोध किया। कार्यकर्ताओं ने स्टेशन परिसर से भाजपा कार्यालय तक पैदल जाकर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता नीरज कुमार ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार विपक्ष विहीन सरकार चलाना चाहती है। इसलिए विरोधियों के ऊपर चुन-चुन कर कार्रवाई कर रही है।

सरकार को 2024 के लोकसभा चुनाव में हार का डर सता रहा है। इसके कारण लगातार विरोधियों के खिलाफ ईडी और सीबीआई से कार्रवाई करवा रही है। उन्होंने कहा कि यह दोनों संस्था स्वतंत्र है, लेकिन फिलहाल केंद्र सरकार की कठपुतली की तरह काम कर रही है। जबकि दूसरी ओर केंद्र सरकार ने कई कंपनियों से चंदा लेकर घोटाला किया है। उसकी जांच नहीं की जा रही है। वहीं दिल्ली के मुख्यमंत्री के पास कोई विभाग नहीं है। इसके बाद भी परेशान किया जा रहा है। जब सुप्रीम कोर्ट ने चंदा के पैसे को वेबसाइट पर डालने का आदेश दिया तो मोदी सरकार ने अपने केजरीवाल को गिरफ्तार करवा दिया।

बिहार के भोजपुर में स्टेट हाइवे पर बड़ा हादसा

दो बाइक पर सवार छह को ट्रक ने कुचला, चार की मौत

भोजपुर (एजेंसियां)।

बिहार के भोजपुर में सड़क हादसे में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। घटना पीरो थाना क्षेत्र के मनैनी छलका बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे पर हुई है। इस घटना में चार लोगों की मौत हुई है। जबकि दो लोगों का इलाज आरा सदर अस्पताल में कराया जा रहा है।

वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद पीरो थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर मामले की जांच में जुटी है। वहीं, दूसरी तरफ भीषण दर्दनाक हादसे के बाद ग्रामीणों ने बिहिया बिहटा स्टेट हाइवे को जाम कर दिया है। वहीं, ट्रक चालक घटना को अंजाम देने के बाद आसानी से फरार हो गया है।

जानकारी के मुताबिक, इस घटना में चार लोगों की मौत हुई है, जिसमें सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के नौआ गांव निवासी 40 वर्षीय वीर कुंवरराम और उनकी छह वर्षीय बेटी शिवानी कुमारी है। तरारी थाना क्षेत्र के उमेश पासवान के पुत्र अंटू कुमार, तरारी थाना क्षेत्र के रवीन्द्र पासवान का बेटा अभिषेक कुमार है। वहीं, इस घटना में वीर कुंवरराम की पत्नी संजू देवी और उनका नौ वर्षीय बेटा ओम जी जख्मी है, जिनका इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है।

वहीं, हादसे में जख्मी महिला संजू देवी ने बताया कि बुधवार को वो अपनी बहन से मिलने काराकाट गई थी। बहन से मिलने के बाद वो अपने पति वीर कुंवरराम और बच्चों के साथ एक ही बाइक पर चार लोग सवार होकर वापस गांव घर लौट रही थी। उसी दौरान मनैनी छलका बिहिया-बिहटा स्टेट हाइवे के समीप ट्रक वाले ने रौंद दिया। इस घटना में संजू देवी के पति वीर कुंवरराम और बेटी शिवानी की दर्दनाक मौत हो गई। जबकि संजू देवी और उसका बेटा ओम कुमार का इलाज आरा सदर अस्पताल में चल रहा है।

दूसरी तरफ एक बाइक पर सवार होकर तरारी थाना क्षेत्र के तिरोजपुर गांव निवासी मृतक 18 वर्षीय अंटू कुमार और 19 वर्षीय अभिषेक कुमार तरारी से पीरो की ओर बाइक से आ रहे थे। जानकारी के मुताबिक, दोनों रिश्ते में चाचा भतीजा लगते थे।

दोनों ही होली के लिए कपड़ा खरीदने के लिए पीरो बाजार आ रहे थे। उसी दौरान दोनों बाइक सवार को ट्रक ने रौंद दिया। इस घटना में चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई है, जिसके बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पीरो थाना की पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सीपीआई ने कर दिया बड़ा एलान

बेगूसराय सीट से कन्हैया कुमार नहीं होंगे इंडी गठबंधन के उम्मीदवार

पटना (एजेंसियां)।

2019 में बेगूसराय से लोकसभा चुनाव लड़ने वाले कन्हैया कुमार का इंडी गठबंधन (बिहार में महागठबंधन) से टिकट कट गया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (सीपीआई) ने बेगूराय सीट पर अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी। सीपीआई ने पूर्व विधायक अवधेश कुमार राय को उम्मीदवार बनाया है। सीपीआई के राष्ट्रीय महासचिव डी राजा ने इसकी घोषणा कर दी है। पटना में शुक्रवार को उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर इस बात की जानकारी दी। सूत्रों की मानें तो राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद से हरी झंडी मिलने के बाद ही सीपीआई ने इस सीट से प्रत्याशी के नाम का एलान किया।

मीडिया से बातचीत करते हुए सीपीआई के महासचिव डी राजा ने कहा कि हमारी पार्टी के वरीय नेता और पूर्व विधायक अवधेश कुमार राय बेगूसराय

से लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। उन्होंनें केंद्र सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि अरविन्द केजरीवाल की गिरफ़्तारी निंदनीय है। सरकारी एजेंसियों का गलत इस्तेमाल किया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी का खाता जब्त करना सही नहीं है।

दरअसल, डी राजा के प्रेस कांफ्रेंस से कुछ देर पहले ही बिहार कांग्रेस प्रभारी अखिलेश सिंह ने सीट शेयरिंग पर जबाव देते हुए कहा था कि एक-दो दिन में सब फाइनल हो जाएगा। वहीं लालू प्रसाद द्वारा राजद प्रत्याशियों को सिंबल देने के सवाल पर कहा कि मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। जबकि एक दिन पहले पहले अखिलेश सिंह लालू प्रसाद से मुलाकात की थी और उनके बाद डी राजा भी राबड़ी आवास पहुंचे थे। अब अचानक डी राजा का कांग्रेस के दावेदारी वाली बेगूसराय सीट पर अपनी पार्टी के प्रत्याशी के नाम के एलान के बाद सियासी पारा चढ़ने लगा है। राजनीतिक पंडितों का कहना है कि महागठबंधन में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है।

जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष और कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार 2019 में सीपीआई के टिकट पर चुनावी मैदान में उतरे थे। उनका मुकाबला भाजपा के फायर ब्रांड नेता गिरिराज सिंह से था। मतगणना के बाद कन्हैया कुमार को करीब सवा चार लाख वोट से गिरिराज सिंह ने हरा दिया। इसके बाद कन्हैया कुमार सीपीआई छोड़कर कांग्रेस में चले आए। ऐसे में माना जा रहा था कि इस बार कन्हैया कुमार बेगूसराय से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़े। लेकिन, कांग्रेस की ओर से कोई एलान होता, उससे पहले सीपीआई ने अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा कर दी।

इंजीनियरिंग के छात्र की गोली मारकर हत्या, पटना में कर रहा था पढ़ाई

सीतामढ़ी (एजेंसियां)।

सीतामढ़ी में एक इंजीनियरिंग के छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। घटना नगर थाना क्षेत्र के भूप भैरो कांटा चौक के पास की है। जहां छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। वहीं, उसके शव को लावारिस अवस्था में सड़क किनारे फेंक दिया गया।

घटना की जानकारी तब मिली, जब राहगीरों की डेड बॉडी पर नजर पड़ी। उसके बाद घटना स्थल पर अफरा-तफरी का माहौल कायम हो गया और स्थानीय लोगों के द्वारा नगर थाना पुलिस को इसकी सूचना दी गई। सूचना पर स्थानीय थाना की पुलिस मौके पर पहुंची, जिसके बाद पूछताछ कर शव को कब्जे में ले लिया गया।

मृतक की पहचान जिले के सुरसंड थाना क्षेत्र के सुरसंड निवासी हेमंत कुमार (21) के रूप में की गई है। बताया गया कि मृतक पटना में रहकर इंजीनियरिंग की पढ़ाई करता था। होली को लेकर अपने गांव आया था और शुक्रवार सुबह में वह अपनी बुआ के घर पकड़ी जा रहा था। इसी दौरान अज्ञात बदमाशों के द्वारा गोली व चाकू मारकर उसकी हत्या कर दी गई। परिजनों ने बताया कि मृतक की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी। बावजूद इसकी हत्या कैसे हुई यह नहीं पता है

इधर, नगर थाना की पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए सीतामढ़ी सदर अस्पताल भेज दिया गया है। फिलहाल, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। इस संबंध में नगर थानाध्यक्ष विनय प्रताप सिंह ने बताया कि सूचना मिली थी। सड़क किनारे एक शव पड़ा हुआ है, जिसके सत्यापन के लिए पुलिस की टीम पहुंची और शव को कब्जे में लिया। उन्होंने बताया कि युवक को चाकू और गोली दोनों लगी है। फिलहाल, मामले का अनुसंधान जारी है। जल्द ही कारणों का पता लगा लिया जाएगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com